@Qpatrika @qaumipatrika hindi instagram.com/qaumipatrika

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित

सोमवार, 14 जुलाई 2025

कौमी पत्रिका

राष्ट्रीय दैनिक अखबार

VISIT: www.qaumipatrika.in Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 18 अंक 244 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

बिहार की तरह पूरे देश में जांची जाएंगी वोटर लिस्ट

-सुप्रीम कोर्ट में 28 जुलाई की सुनवाई के बाद फैसला होगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। चुनाव आयोग बिहार के बाद अब पूरे देश में स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन कराने जा रहा है। इसके तहत वोटर लिस्ट की गहनता से जांच की जाती है और अपडेट किया जाता है। अगस्त से इसकी शुरुआत हो सकती है। चुनाव आयोग ने सभी राज्यों में अपनी चुनाव मशीनरी एक्टिव कर दी है। आयोग का ये फैसला सुप्रीम कोर्ट के 10 जुलाई को बिहार में स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन को जारी रखने की परमिशन पर आया। कोर्ट ने इसे संवैधानिक बताया था। हालांकि, कई विपक्षी दल और लोग इस रिवीजन के खिलाफ हैं। सुप्रीम कोर्ट में चुनौती भी दी है। दावा है कि स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन के चलते योग्य नागरिक अपने मताधिकार से वंचित हो जाएंगे। चुनाव आयोग के अधिकारी के मुताबिक, इलेक्शन अथॉरिटी 28 जुलाई के बाद स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन पर अंतिम फैसला लेगा। क्योंकि बिहार स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन के मामले पर सुप्रीम कोर्ट में दोबारा सुनवाई होनी है। वहीं, कुछ राज्यों के चीफ इलेक्शन ऑफिसर ने अपने राज्यों में पिछली स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन के बाद की पब्लिश वोटर लिस्ट जारी करना शुरू भी कर दिया है।

विदेश मंत्री एस. जयशंकर की चीन यात्रा: तनावपूर्ण संबंधों में फिर संवाद की कोशिश

नई दिल्ली (एजेंसी)। विदेश मंत्री एस. जयशंकर रविवार को तीन दिवसीय दौरे पर चीन रवाना हो रहे हैं, जहां वे तियानजिन में आयोजित होने वाली शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के सदस्य देशों की विदेश मंत्रियों की बैठक में हिस्सा लेंगे। यह यात्रा ऐसे समय हो रही है, जब भारत और चीन के बीच 2020 की गलवान झड़प के बाद द्विपक्षीय संबंधों में तनाव बना हुआ है। यहां बताते चलें कि जयशंकर और उनके चीनी समकक्ष वांग यी के बीच इससे पहले कई अंतरराष्ट्रीय मंचों पर मुलाकात हो चुकी है, लेकिन गलवान के बाद यह पहली बार है जब वे चीन की जमीन पर आमने-सामने होंगे। यह यात्रा दोनों देशों के बीच संवाद बहाली की दिशा में महत्वपूर्ण मानी जा रही है। भारत-चीन संबंधों में गतिरोध को खत्म करने की कूटनीतिक कोशिशें पहले भी हो चुकी हैं। अक्टूबर 2024 में रूस के कजान में हुए ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग की पांच वर्षों बाद पहली द्विपक्षीय मुलाकात हुई थी। उस बैठक में पीएम मोदी ने स्पष्ट किया था कि भारत-चीन संबंधों की बुनियाद आपसी सम्मान, भरोसा और संवेदनशीलता पर टिकी होनी चाहिए। उसके बाद राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने भी बीजिंग का दौरा कर कई जटिल मुद्दों पर चर्चा की। बीते महीने बीजिंग में हुई एससीओ की सुरक्षा परिषद सचिवों की बैठक में अजीत डोभाल ने आतंकवाद को लेकर दोहरे मापदंड पर सवाल उठाए और पाकिस्तान समर्थित आतंकी संगठनों - लश्कर-ए-तैयबा, जैश-ए-मोहम्मद, अल कायदा और आईएसआईएस - के खिलाफ कठोर कार्रवाई की मांग की थी।

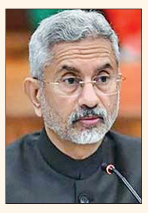

म्यांमार बॉर्डर पर उल्फा कैंप पर ड्रोन हमले का दावा, सेना ने किया खारिज

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रतिबंधित उग्रवादी संगठन उल्फा (आई) द्वारा म्यांमार सीमा पर भारतीय सेना द्वारा कथित ड्रोन अटैक के दावे ने रविवार को हलचल मचा दी। संगठन ने आरोप लगाया कि 150 से अधिक ड्रोन का उपयोग करते हुए उनके कई मोबाइल कैंपों पर हमला किया गया, जिसमें उनके सीनियर कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल नयन असोम सहित कई शीर्ष नेता मारे गए। लेकिन भारतीय सेना और असम सरकार ने इन दावों को पूरी तरह खारिज कर दिया है। उल्फा ने दावा किया कि हमला रविवार तड़के म्यांमार सीमा के भीतर ड्रोन और मिसाइलों से किया गया। इसमें लेफ्टिनेंट जनरल नयन असोम, ब्रिगेडियर गणेश असोम, कर्नल प्रदीप असोम की मौत हो गई। वहीं लगभग 19 कैडर घायल बताए गए हैं। कथित रूप से 150 से ज्यादा ड्रोन इस्तेमाल किए जाने का दावा किया गया है। उल्फा संगठन ने दो प्रेस विज्ञप्तियां जारी करते हुए उक्त कथित हमलों की जानकारी दी और भारत पर आरोप लगाए हैं।

भारतीय सेना का जवाब - इस मामले में लेफ्टिनेंट कर्नल महेंद्र रावत (रक्षा प्रवक्ता) ने कहा, कि ऐसे किसी ऑपरेशन की कोई जानकारी नहीं है। असम राइफल्स और अन्य सैन्य एजेंसियों ने भी म्यांमार में किसी सैन्य कार्रवाई की पुष्टि नहीं की। वहीं असम पुलिस ने बयान जारी करते हुए कहा, कि राज्य की धरती से कोई हमला नहीं हुआ। बताया जा रहा है कि उलफा का दावा भले ही सनसनीखेज हो, लेकिन अब तक कोई स्वतंत्र पुष्टि या सबूत सामने नहीं आए हैं। भारतीय सेना और असम सरकार का इनकार यह दर्शाता है कि या तो यह दावा झूठा है, या फिर यह डिनायबिलिटी रणनीति के तहत गुप्त ऑपरेशन को छिपाने की कोशिश हो सकती है। आने वाले दिनों में अंतरराष्ट्रीय और सैटेलाइट इंटेलिजेंस से मिल सकने वाले संकेत, इस पूरे घटनाक्रम की सच्चाई को उजागर कर सकते हैं।

दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे पर ट्रक में पीछे से घुसी मिनी बस, 4 की मौत, कई घायल

कोटा (एजेंसी)। राजस्थान के कोटा जिले में रविवार सुबह दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे पर चंबल पुल के पास एक तेज रफ्तार मिनी बस ने आगे जा रहे ट्रक में पीछे से जा टकराई, जिससे एक ही परिवार के चार लोगों की मौत हो गई और 10 लोग गंभीर रुप से घायल हो गए। बस में इंदौर से सगाई समारोह में शामिल होकर लौट रहा करौली का एक परिवार सवार था। पुलिस और चश्मदीदों के मुताबिक हादसा सुबह करीब 5 बजे बुढ़ादित थाना क्षेत्र में हुआ। बताया जा रहा है कि मिनी बस चालक को झपकी आ गई, जिससे बस नियंत्रण खो दिया और बस आगे चल रहे ट्रक में जा भिड़ी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि मिनी बस के परखच्चे उड़ गए। जिससे 4 लोगों की मौत मौके पर ही हो गई, जबकि 10 लोग गंभीर रूप से घायल हैं।

चार हस्तियां जाएंगी राज्यसभा

-राष्ट्रपति ने सदस्यों को किया नॉमिनेट

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रपति मुर्मू ने राज्यसभा के लिए 4 सदस्यों को नॉमिनेट किया है। इनमें पूर्व सरकारी वकील और लोकसभा चुनाव में भाजपा उम्मीदवार रहे उज्ज्वल निकम शामिल हैं। निकम, 26/11 के मुंबई हमला समेत कई हाई-प्रोफाइल मामलों में पब्लिक प्रॉसिक्यूटर रहे हैं। इनके अलावा, केरल के वरिष्ठ समाजसेवी और शिक्षाविद सी. सदानंदन मास्टर, भारत के पूर्व विदेश सचिव हर्षवर्धन श्रृंगला और इतिहासकार एवं शिक्षाविद मीनाक्षी जैन भी राज्यसभा जाएंगी। ये नियुक्तियां उन सीटों के लिए की गई हैं, जो पहले के नामित सदस्यों के सेवानिवृत्त होने से खाली हुई थीं।

भारतीय संविधान के अनुच्छेद 80(3) के तहत, राष्ट्रपति को राज्यसभा में 12 सदस्यों को नॉमिनेट करने का अधिकार है। ये सदस्य कला, साहित्य, विज्ञान, सामाजिक सेवा जैसे क्षेत्रों में विशेष योगदान के लिए चुने जाते हैं। वर्तमान में राज्यसभा की कुल सदस्य संख्या 245 है, जिसमें 233 निर्वाचित और 12 नामांकित सदस्य शामिल हैं।

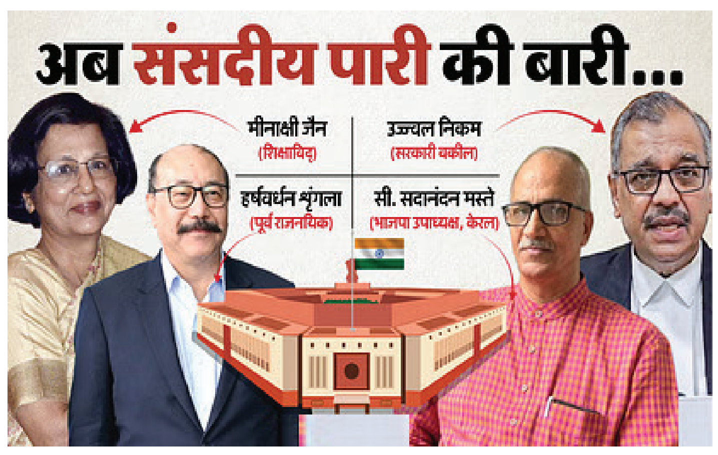

राष्ट्रपति ने चार हस्तियों को किया राज्यसभा के लिए नामित, पीएम ने दी शुभकामनाएं

नई दिल्ली,(ईएमएस)। देश के चार प्रतिष्ठित व्यक्तियों को राज्यसभा के लिए मनोनीत किया गया है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने चार हस्तियों को राज्यसभा के लिए नामित किया, जिनमें वरिष्ठ अधिवक्ता उज्जवल निकम, केरल के प्रख्यात सामाजिक कार्यकर्ता सी. सदानंदन मास्टर, भारत के पूर्व विदेश सचिव हर्षवर्धन श्रृंगला और इतिहासकार मीनाक्षी जैन शामिल हैं। पीएम मोदी ने इन सभी मनोनीत सदस्यों को शुभकामनाएं दी हैं। पीएम मोदी ने एक्स पर श्रृंखलाबद्ध पोस्ट किए, जिनमें सभी नामांकित सदस्यों के बारे में बताते हुए बधाई और शुभकामनाएं दी हैं। पीएम ने उज्ज्वल निकम की तारीफ की कि कानून के क्षेत्र और संविधान के प्रति उनकी निष्ठा अनुकरणीय है। उन्होंने लिखा कि वह न केवल एक सफल वकील रहे, बल्कि अहम मामलों में न्याय दिलाने की प्रक्रिया में अग्रणी भूमिका भी निभाते रहे हैं। अपने पूरे विधिक करियर के दौरान उन्होंने हमेशा संवैधानिक मूल्यों को मजबूत करने और आम नागरिकों को गरिमा के साथ न्याय दिलाने का कार्य किया है। यह अत्यंत हर्ष का विषय है कि राष्ट्रपति ने उन्हें राज्यसभा के लिए नामित किया है। उनके संसदीय कार्यकाल के लिए मेरी हार्दिक शुभकामनाएं।

सोनिया गांधी ने बुलाई बैठक: संसद में सरकार को घेरने की बनेगी रणनीति

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस अब केंद्र सरकार से दो-दो हाथ करने के मूड में दिखाई दे रही है। इस बार के मानसून सत्र में इसकी झलक दिखाई दे सकती है। केंद्र की मोदी सरकार को कैसे कब और किन मुद्दों पर घेरना है, इसके लिए कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी ने 15 जुलाई को बैठक बुलाई है। बैठक में विस्तृत रणनीति तय होगी और सांसदों क्या बोलना और क्या नहीं बोलना है इसकी नसीहत भी दी जाएगी।

कांग्रेस संसदीय दल की नेता सोनिया गांधी संसद के मानसून सत्र के लिए पार्टी की रणनीति को अंतिम रूप देने के वास्ते मंगलवार को एक अहम बैठक की अध्यक्षता करेंगी। पार्टी सूत्रों ने बताया कि बैठक में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और लोकसभा में नेता पतिपक्ष राहुल गांधी समेत अन्य नेताओं के शामिल होने की उम्मीद है। बैठक की अध्यक्षता सोनिया गांधी अपने 10 जनपथ स्थित आवास पर करेंगी। संसद के मानसून सत्र के हंगामेदार रहने की उम्मीद है क्योंकि कांग्रेस पार्टी सरकार को कई मुद्दों पर घेरने की योजना बहा रही है। विपक्षी दल बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण संबंधी निर्वाचन आयोग के कदम पर कड़ी आपत्ति जता सकते हैं। इसके अलावा कांग्रेस पहलगाम हमले, ऑपरेशन सिंदूर और उसके बाद की कूटनीतिक गतिविधियों पर चर्चा की मांग भी करती रही है।

सरकार, 'परमाणु क्षति के लिए नागरिक दायित्व अधिनियम' और 'परमाणु ऊर्जा अधिनियम' में संशोधन करने की योजना बना रही है ताकि परमाणु क्षेत्र को निजी क्षेत्र के लिए खोलने संबंधी केंद्रीय बजट की घोषणा पर अमल किया जा सके। विपक्ष ऑपरेशन सिंदूर पर बहस की मांग कर रहा है।

यूपी में 24 घंटे में बारिश और बिजली गिरने से 14 की मौत, कई बांधों के खुले गेट

-मध्य प्रदेश, राजस्थान, गुजरात और उत्तराखंड में तेज बारिश का अलर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। उत्तरप्रदेश में बारिश का दौर जारी है। पिछले 24 घंटे में बारिश-बिजली गिरने से 14 लोगों की मौत हो गई। वहीं, प्रदेश के बांध ओवरफ्लो होने लगे हैं। ललितपुर में माताटीला बांध के 9 गेट खोले गए हैं, जबकि झांसी में पथराई बांध के चार और लहचूरा बांध के 10 गेट खोले गए हैं।

झारखंड के सरायकेला-खरसावां और लोहरदगा जिलों में बिजली गिरने से दो लोगों की मौत हो गई। वहीं, एक व्यक्ति झुलस गया। सभी खेत से काम करके घर लौट रहे थे। राज्य में बारिश का आज यानी रविवार को यलो अलर्ट जारी किया है। बिहार में शनिवार को रोहतास में बारिश हुई, यहां बिजली गिरने से एक महिला की मौत हो गई।

वहीं मध्य प्रदेश में भारी बारिश के चलते रीवा, सतना और छतरपुर समेत पांच जिलों में बाढ़ के हालात हैं। खजुराहो में 9 घंटे में 6.3 इंच बारिश हुई। छतरपुर के नौगांव में 3.4 इंच पानी बरसा। चित्रकूट में लोगों का नाव से रेस्क्यू कराया गया। यहां बाणसागर डैम के 7 गेट खोले गए। बरगी डैम के पांच गेट खोले गए हैं। राजस्थान के झालावाड़, धौलपुर, करौली और अलवर में शनिवार को तेज बारिश हुई। झालावाड़ में 4 इंच से ज्यादा पानी बरसा। इस दौरान तीन

बच्चे डूब गए, दो के शव बरामद कर लिए गए हैं, जबकि एक की तलाश जारी है।

मौसम विभाग ने रविवार को मध्य प्रदेश, राजस्थान, गुजरात और उत्तराखंड में तेज बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। 21 राज्यों में तेज बारिश का यलो अलर्ट जारी किया गया है। मध्यप्रदेश-उत्तरप्रदेश में बिजली गिरने का अलर्ट है। उत्तराखंड में बिजली गिरने के साथ-साथ अचानक बाढ़ आने और लैंडस्लाइड का भी अलर्ट है। मध्यप्रदेश के गुना में रविवार सुबह से करीब दो इंच बारिश हो चुकी है। पुरानी छावनी में सड़कों पर पानी भर गया है। लोग जरूरी काम होने पर ही घर से बाहर निकल रहे हैं। पब्लिक ट्रांसपोर्ट भी बंद है। झांसी में भारी बारिश के चलते सिलगुवां गांव का नाला उफान पर है। इससे रपटे पर पानी आ गया और स्कूल गए बच्चे दूसरी ओर फंस गए थे।

झांसी के गुरसराय के सुट्टा गांव की पुख्खन देवी (65) ससोर नाले के पास अपने बेटे गजराज अहिरवार (45) के साथ बगिया में रहती हैं। शनिवार शाम को ससोर नाला उफना गया। इससे बगिया के चारों ओर पानी भर गया और मां-बेटे फंस गए। सूचना पर पूरा गांव मौके पर पहुंचा। पुलिस-प्रशासन को सूचना दी। करीब 7 घंटे तक रेस्क्यू चला। गोताखोर नाव लेकर पहुंचे। रात करीब 2 बजे नाव में मां-बेटे और उनके पशुओं को बैठाकर सकुशल बाहर निकाला गया।

महिलाएं ही मेरी प्रेरणा हैं: मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता

कौमी पत्रिका
नवदीप सिंह साहनी

नई दिल्ली, 13 जुलाई। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के नेतृत्व में दिल्ली सरकार महिला सशक्तिकरण, सांस्कृतिक समृद्धि और सामुदायिक समरसता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से राजधानी में एक भव्य तीज मेला आयोजित करने जा रही है। यह आयोजन 25 जुलाई से 27 जुलाई तक दिल्ली हाट, पीतमपुरा में किया जाएगा। इस आयोजन का उद्घाटन दिल्ली की मुख्यमंत्री श्रीमती रेखा गुप्ता 25 जुलाई की शाम करेंगी। मेले में 26 जुलाई को एक भव्य सेलिब्रिटी नाइट का आयोजन भी किया जाएगा, जिसमें लोकप्रिय कलाकार अपनी प्रस्तुति देंगे। इस दौरान तीनों दिन दिन-भर लोकनृत्य, लोकगीत, मैजिक शो आदि तीज मेले की शोभा ब?ाएंगे। मुख्यमंत्री ने बताया कि यह मेला हमारी सांस्कृतिक विरासत, महिला शक्ति और पारंपरिक कलाओं का उत्सव होगा। जिसमें हर पीढ़ी के लिए कुछ न कुछ खास शामिल रहेगा। मुख्यमंत्री ने बताया कि इस वर्ष तीज महोत्सव को खास बनाने के लिए आयोजन स्थल को विषय आधारित भव्य सजावट से सजाया जाएगा। पूरे परिसर को पारंपरिक तीज थीम के अनुरूप तैयार किया जाएगा, जिसमें 3-डी एंट्री गेट, रंग-बिरंगे झूमर व लाइट्स, एलईडी और स्पॉट लाइट्स का उपयोग किया जाएगा। इस मेले में आने वाले लोगों को डिजिटल अनुभव देने की पूरी

तैयारी की गई है। आयोजन स्थल पर कम से कम तीन थीम आधारित सेल्फी बूथ होंगे, जिनमें एक एआर (Augmented Reality) सेल्फी बूथ शामिल रहेगा। इसके साथ ही एआई की मदद से मेहंदी डिज़ाइन चुनने और उसी स्थान पर उसे लगाने की सुविधा भी उपलब्ध कराई जाएगी। मुख्यमंत्री ने बताया कि तीज मेले में पारंपरिक कला और संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए 80 से अधिक स्टॉल लगाए जाएंगे। इनमें हस्तशिल्प, पारंपरिक कपड़े, चूड़ी, ब्लॉक प्रिंटिंग, एम्ब्रॉयडरी, मेंहदी और पारंपरिक व्यंजन आदि शामिल होंगे। साथ ही महिलाओं को प्रोत्साहित करने के लिए विभिन्न प्रतियोगिताएं और स्टेज प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी। इनमें मेंहदी, रंगोली, बिंदी सजावट, तीज क्वीन, तीज क्विज और स्लोगन लेखन प्रतियोगिता प्रमुख रहेंगी। इन सभी प्रतियोगिताओं के विजेताओं को आकर्षक पुरस्कार दिए जाएंगे। 18 जुलाई को "Women in Green" नामक विशेष फैशन वॉक का आयोजन भी किया जाएगा, जिसमें मिस तीज 2025 का चयन होगा। मुख्यमंत्री ने बताया कि तीज मेले में महिलाओं के लिए पूरे दिन झूले और फन एक्टिविटीज की व्यवस्था की गई है। इसके साथ ही महिला सशक्तिकरण, स्वास्थ्य और सामाजिक मुद्दों पर केंद्रित वर्कशॉप भी आयोजित होंगी। प्रत्येक दिन तीज से जुड़ी कहानियों का वाचन भी किया जाएगा, जो सांस्कृतिक ज्ञान और परंपरा को आगे बढ़ाएगा।

शेष पृष्ठ 3 पर

लखनऊ में योगी आदित्यनाथ ने गुरु तेग़ बहादुर जी को अर्पित किया श्रद्धा सुमन

कौमी पत्रिका
संजय कुमार

लखनऊ, 13 जुलाई। लखनऊ स्थित अपने सरकारी आवास पर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने श्री गुरु तेग़ बहादुर जी के 350वें शहीदी पर्व पर एक बेहद भावुक और ऐतिहासिक कार्यक्रम का आयोजन किया। यह अवसर केवल एक औपचारिकता नहीं था, बल्कि सिख विरासत को समर्पित एक श्रद्धापूर्ण प्रयास और साम्प्रदायिक सौहार्द का सशक्त संदेश था। भगवा वस्त्रों में लिपटे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी का अपने सिर पर उठाकर अपने घर में विधिपूर्वक प्रकाश किया। इस पावन स्वरूप को सिर झुकाकर बड़े आदर से स्थापित किया गया। उन्होंने श्रद्धा पूर्वक गुरु ग्रंथ साहिब जी के समक्ष मत्था टेका, जिसने वहां उपस्थित सिख संगत के हृदय को छू लिया। सिख संगत को संबोधित करते हुए योगी आदित्यनाथ ने भावुक शब्दों में सिख गुरुओं के बलिदानों का उल्लेख किया॰ उन्होंने गुरु तेग़ बहादुर जी की शहादत को धार्मिक स्वतंत्रता और सांस्कृतिक पहचान की रक्षा में दिया गया सर्वोच्च बलिदान बताया। उन्होंने गुरु गोबिंद सिंह जी के चारों साहिबजादों की कुर्बानी का जिक्र करते हुए कहा कि कैसे छोटी उम्र में उन्होंने अत्याचार के खिलाफ डटकर सामना किया और बलिदान दिया। उन्होंने वीर बाल दिवस (26 दिसंबर) की महत्ता को रेखांकित किया। मुख्यमंत्री ने इन ऐतिहासिक प्रसंगों को शैक्षणिक पाठ्यक्रमों में शामिल करने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा, साहिबजादों की कहानी हर बच्चे और युवा को जरूर सुननी चाहिए। शुद्ध अरदास और पारंपरिक लंगर की व्यवस्था की गई थी। प्रदेशभर से आए सिख प्रतिनिधियों ने मुख्यमंत्री को सिरोपा भेंट किया—एक विशेष आदर का प्रतीक। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आंखों में आंसू

उन्होंने इन प्रसंगों को आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा और नैतिकता का स्रोत बताया। योगी आदित्यनाथ ने हिन्दूङ्कसिख एकता को तोड़ने वाली ताकतों से सावधान रहने की बात कही और कहा कि गुरु तेग़ बहादुर जी ने भारत की आत्मा की रक्षा के लिए बलिदान दिया था। उन्होंने भारत की बहुलतावादी परंपरा को बचाने के लिए एकजुटता का संदेश दिया। कार्यक्रम में गुरबानी की मधुर ध्वनि, लिए कहा, उनका बलिदान केवल धर्म के लिए नहीं, राष्ट्र के लिए था। उन्होंने सभी भारतीयों से इन मूल्यों को आत्मसात करने का आग्रह किया, विशेषकर शिक्षा और सामाजिक चेतना में। यह आयोजन केवल एक सरकारी कार्यक्रम नहीं था, बल्कि एक मानवीय, सांस्कृतिक और आध्यात्मिक संगम था, जो दिलों को जोड़ गया और एक ऐतिहासिक क्षण में बदल गया।

पटना में दिनदहाड़े वकील की गोली मारकर हत्या, हमलावर हुए फरार, पुलिस जांच में जुटी

-सिलसिलेबार हत्याओं से कानून व्यवस्था पर उठ रहे सवाल

पटना (एजेंसी)। बिहार की राजधानी पटना में अपराध लगातार बेलगाम होता जा रहा है। राजधानी पटना के सुलतानगंज थाना क्षेत्र में रविवार को दिनदहाड़े 58 वर्षीय वकील जितेंद्र कुमार महतो की गोली मारकर हत्या कर दी गई। यह वारदात न सिर्फ राजधानी की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल उठाती है, बल्कि पिछले कुछ दिनों में हुई सिलसिलेवार हत्याओं की कड़ी को और भी खतरनाक बनाती प्रतीत हो रही है।

जानकारी अनुसार हमलावरों ने वकील पर बेहद करीब से तीन गोलियां दागीं, जिनमें से दो खोखे मौके से पुलिस ने बरामद भी कर लिए हैं। घटना की जानकारी मिलते ही पटना सिटी एएसपी अतुलेश झा और सुलतानगंज थाना पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी गई है। एफएसएल की टीम को भी घटनास्थल पर बुलाया गया है, ताकि वैज्ञानिक तरीके से साक्ष्य जुटाए जा सकें और हमलावरों की पहचान की जा सके। बताया जा रहा है कि हमलावरों ने बेहतद करीब से वकील जितेंद्र कुमार महतो पर गोलियां दागीं, जिससे वो बुरी तरह जख्मी हो गए। इलाज के लिए उन्हें करीबी अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उनकी मौत हो गई। इस तरह बिहार में अपराध बेलगाम होता नजर आया है, जिसे लेकर विपक्ष अब नीतीश सरकार के साथ ही केंद्र की मोदी सरकार को भी घेरने में लगा है।

सवाल उठ रहे हैं कि राजधानी में कानून का इकबाल कहां है, जब वकील, नेता और स्वास्थ्य अधिकारी तक सुरक्षित नहीं? क्या अपराधियों के हौसले इतने बुलंद हो गए हैं कि वे दिनदहाड़े हत्या करके फरार हो रहे हैं? बार-बार हो रही इन वारदातों के बावजूद पुलिस की कार्रवाई सिर्फ पोस्टमार्टम और बयानबाजी तक सीमित क्यों है?

क्या कह रहा हत्या का यह सिलसिला?

अब एक हफ्ते में ही चार बड़ी हत्याएं हुई हैं, इनमें– व्यवसायी गोपाल खेमका, भाजपा नेता सुरेंद्र केवट, ग्रामीण स्वास्थ्य अधिकारी सुरेंद्र कुमार और अब वकील जितेंद्र महतो की दिन दहाड़े हत्या कर हमलावर फरार हो चुके हैं। इन सबकी हत्याएं यह साफ दर्शाती हैं कि पटना की सड़कों से लेकर खेतों तक अपराधी बेखौफ हैं। अब राजधानी समेत आस-पास के इलाकों में भी डर का माहौल है।

संक्षिप्त समाचार

रूस ने पोलिश वाणिज्य दूतावास बंद किया

मास्को, एजेंसी। रूस ने शुक्रवार को पोलैंड के एक वाणिज्य दूतावास को बंद करने का आदेश दिया। यह दूतावास रूस के कैलिनिनग्राद शहर में था। यह फैसला रूस और पोलैंड के बीच बढ़ते तनाव के चलते लिया गया है। पोलैंड ने पहले अपने शहर क्राको में रूस का एक वाणिज्य दूतावास बंद कर दिया था। रूस का कहना है कि यह नया फैसला पोलैंड की उसी कार्रवाई का जवाब है। रूस ने कहा, अगर कोई हमारे खिलाफ गलत कदम उठाएगा, तो उसका जवाब जरूर दिया जाएगा। पोलैंड ने क्राको में रूसी दूतावास इसलिए बंद किया था, क्योंकि राजधानी वारसॉ के एक शॉपिंग सेंटर में आग लग गई थी। पोलैंड के प्रधानमंत्री डोनाल्ड टस्क ने आरोप लगाया कि यह आग रूस की खुफिया एजेंसियों ने लगवाई थी। यह आग 12 मई 2024 को लगी थी। हालांकि, इसमें कोई जनहानि नहीं हुई, लेकिन इसमें 1,400 दुकानें और सर्विस सेंटर तबाह हो गए। इनमें से कई दुकानें वियतनामी लोगों की थीं। रूस ने इन आरोपों से साफ इनकार किया है। उसने कहा है कि पोलैंड में आगजनी और दूसरी घटनाओं से उसका कोई लेना-देना नहीं है।

शेख हसीना के करीबी अर्थशास्त्री अबुल बरकत गिरफ्तार

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश की पूर्व पीएम शेख हसीना के एक और नजदीकी पर गाज गिरी है। बांग्लादेश पुलिस की जासूसी शाखा (डीबी) ने बृहस्पतिवार आधी रात को प्रसिद्ध अर्थशास्त्री प्रो. अबुल बरकत को गिरफ्तार किया। उन पर एनॉनटेक्स समूह से जुड़े 297 करोड़ टका की हेराफेरी का आरोप है। वह हसीना कार्यकाल में सरकारी स्वामित्व वाले जनता बैंक के अध्यक्ष थे। ढाका मेट्रोपॉलिटन पुलिस आयुक्त नसीरुल इस्लाम ने बताया, हमने अबुल बरकत को एसीसी (भ्रष्टाचार विरोधी आयोग) मामले में आरोपी के तौर पर गिरफ्तार किया है। हम उन्हें एसीसी को सौंप देंगे। ढाका ट्रिब्यून की रिपोर्ट के मुताबिक, अवामी लीग के शासनकाल में अबुल बरकत सहित 30 लोगों के खिलाफ एनोंटेक्स नामक कंपनी द्वारा ऋण धोखाधड़ी के जरिये करोड़ों टका का गबन करने का मामला दर्ज किया गया था।

यूरोपीय संघ के नौसैनिक मिशन ने कहा- हमले में चार लोगों के मारे जाने की आशंका, 11 लापता

दुबई, एजेंसी। यूरोपीय संघ के नौसैनिक मिशन ने शुक्रवार को बताया कि यमन के हूती विद्रोहियों के हमले के बाद एक मालवाहक जहाज लाल सागर में डूब गया। इस जहाज पर लाइबेरिया का झंडा था। नौसैनिक मिशन ने कहा कि हमले में कम से कम चार लोगों के मारे जाने और 11 अन्य के लापता होने की आशंका है। यह जानकारी यूरोपीय संघ के ऑपरेशन एस्पाइड्स नाम के नौसैनिक मिशन ने दी। यह घटना ऐसे समय हुई है जब निजी सुरक्षा बल यूनानी स्वामित्व वाले जहाज एटरनिटी सी के बचे हुए लोगों की तलाश कर रहे हैं। यह जहाज बुधवार को डूब गया था। यूरोपीय संघ के अभियान के अनुसार, हमले के बाद अब तक 10 लोगों को बचा लिया गया है। इनमें 8 फिलिपिनो चालक दल के सदस्य हैं। बाकी दो जहाज की तीन सदस्यीय सुरक्षा टीम से हैं- इनमें एक यूनानी और एक भारतीय शामिल हैं। मिशन ने बताया कि 15 लोग लापता हैं, जिनमें से चार की मौत होने की आशंका है। यूरोपीय संघ मिशन ने कहा, आस-पास के सभी जहाजों को सतर्क रहने की सलाह दी गई है। हूती विद्रोहियों ने कहा कि कुछ चालक दल के सदस्य उनके कब्जे में हैं। एक दशक से सऊदी अरब से संचालित यमन में अमेरिकी दूतावास ने हूतियों पर नाविकों का अपहरण करने का आरोप लगाया है। ईरान समर्थित हूतियों द्वारा किया गया यह हमला अब तक के सबसे घातक समुद्री हमलों में से एक है, जो इस महत्वपूर्ण व्यापारिक रास्ते पर किया है। इस रास्ते से पहले हर साल करीब 1 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर का माल जाता था। हूती विद्रोहियों का कहना है कि वे इस्राइल-हमास युद्ध के दौरान गाजा पट्टी में फलस्तीनियों का समर्थन करने वाले जहाजों पर हमला कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि वह अब तक चार जहाजों को डुबो चुके हैं और उन नाविकों को मार चुके हैं, जिनकी युद्ध में कोई प्रत्यक्ष भूमिका नहीं थी। एटरनिटी सी पर हमला पिछले हफ्ते मैजिक सीज नाम के जहाज पर हुए हमले जैसा ही था। इन दोनों घटनाओं के समय कोई यूरोपीय या अमेरिकी नौसेना इन जहाजों के साथ नहीं थी। हूतियों ने पहले भी नाविकों को बंधक बनाया है। नवंबर 2023 में उन्होंने गैलेक्सी लीडर नामक जहाज को कब्जे में ले लिया था और उसके चालक दल को इस साल जनवरी तक बंधक बनाकर रखा।

टेक्सास में बाढ़ पीड़ितों से मिले ट्रंप, बोले- ऐसी तबाही पहले कभी नहीं देखी, फेमा पर साधी चुप्पी

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शुक्रवार को टेक्सास के केरविल शहर का दौरा किया, जहां 4 जुलाई को आई भीषण बाढ़ ने भारी तबाही मचाई थी। इस बाढ़ में अब तक कम से कम 120 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि 170 से ज्यादा लोग लापता हैं। ट्रंप ने पीड़ित परिवारों से मुलाकात की और राहत कार्यों में जुटे स्थानीय अधिकारियों की सराहना की। इस दौरान उन्होंने पहली बार भावुक लहजे में कहा कि उन्होंने ऐसी तबाही पहले कभी नहीं देखी। ट्रंप लंबे समय से फेडरल इमरजेंसी मैनेजमेंट एजेंसी (फेमा) को खत्म करने की बात करते रहे हैं। लेकिन टेक्सास में भारी नुकसान देखने के बाद उन्होंने फेमा की भूमिका पर कोई टिप्पणी नहीं की। इसके बजाय उन्होंने कहा कि हम जो भी कर सकते हैं, टेक्सास के लिए करेंगे। ट्रंप ने 8 और काउंटियों को डिजास्टर जोन घोषित कर, उन्हें फेडरल मदद दिलाने का ऐलान भी किया। ट्रंप ने केरविल में आपातकालीन संचालन केंद्र का दौरा किया और कहा कि यहां जो लोग खोज और बचाव अभियान चला रहे हैं, वे अविश्वसनीय हैं। ऐसा काम शायद ही कोई कर पाए। उन्होंने 'कैंप मिस्टिक' का विशेष रूप से जिक्र किया, जहां 27 लड़कियों की मौत हुई। मेलानिया ट्रंप ने भी स्थानीय युवतियों से मुलाकात की, जिन्होंने उन्हें एक खास ब्रेसलेट भेंट किया, जो मृत बालिकाओं की याद में बनाया गया था। पहले के विपरीत इस दौरे में ट्रंप ने राजनीतिक बयानबाजी से परहेज किया। उन्होंने कहा कि मैं राजनीति की बात नहीं करना चाहता। हम यहां पीड़ितों के लिए आए हैं। हालांकि उन्होंने एक बार फिर दावा किया कि उनकी नीतियों से देश में अंडों के दाम घटे हैं। इस दौरान उन्होंने फेमा को लेकर भी सकारात्मक बातें कहीं, जो कि कुछ हफ्ते पहले तक बंद करने की उनकी योजना का हिस्सा थी। उन्होंने टेक्सास के सांसद चिप रॉय की भी तारीफ की, जिन्होंने पहले ट्रंप के टैक्स बिल का विरोध किया था। ट्रंप ने कहा कि चिप आसान नहीं हैं, लेकिन अच्छा काम करते हैं। केर काउंटी कमिश्नर जेफ होल्ट ने बताया कि बाढ़ के दौरान फोन टावर काम नहीं कर रहे थे और चेतावनी प्रणाली में भी सुधार की जरूरत है।

ट्रंप सरकार की बड़ी कार्रवाई :

1300 राजनयिकों और कर्मचारियों की छंटनी से विदेश विभाग में मचा हड़कंप

वाशिंगटन, एजेंसी। ट्रंप प्रशासन की नीतियों के तहत विदेश विभाग में बड़े स्तर पर बदलाव किया जा रहा है। इसके तहत विदेश विभाग ने 1,300 राजनयिकों और सिविल सेवकों को नौकरी से निकाल दिया, जिससे विवाद और आलोचना शुरू हो गई है। इनमें 1,107 सिविल सेवक और लगभग 240 विदेश सेवा अधिकारी शामिल हैं। वाशिंगटन पोस्ट ने इस आश्य की खबर दी है। विदेश विभाग इस कदम को ड्रास्टिक पुनर्गठन का हिस्सा बता रहा है। इसका उद्देश्य बजट में कटौती के साथ साथ विभाग को और अधिक चुस्त-दुरुस्त बनाना बताया जा रहा है। हालांकि, इस पर विपक्ष की ओर से तीखी आलोचना भी हो रही है।

विवाद और चिंता की लहर : राजनयिक व पूर्व कर्मचारी इसे विदेश नीति में अस्थिरता पैदा करने वाला कदम बता रहे हैं। उनका कहना है कि बड़े पैमाने पर छंटनी से अमेरिका की अंतरराष्ट्रीय छवि और कामकाज प्रभावित हो सकता है।

ट्रंप प्रशासन के फैसले पर प्रतिक्रिया : पूर्व राजनयिकों ने इसे संस्थानिक अनुभव की बर्बादी बताया है। अमेरिकी कांग्रेस में डेमोक्रेट्स ने इस फैसले की आलोचना करते हुए कहा कि यह राजनयिक ताकत को कमजोर करने वाला कदम है। कुछ रिपब्लिकन नेताओं ने भी निजी रूप से चिंता जाहिर की कि यह विदेश नीति को प्रभावित कर सकता है। कर्मचारी संघों ने इसे कठोर और अचानक फैसला बताया है जिससे कर्मचारियों का मनोबल टूट रहा है।

ट्रंप प्रशासन के इस फैसले के कुछ अछूते पहलू : कांग्रेस में इस छंटनी पर हाउस फॉरेन अफेयर्स कमेटी में सुनवाई की मांग की जा रही है। बर्खास्त कर्मचारियों के लिए लीगल सपोर्ट ग्रुप्स और एनजीओ सक्रिय हो चुके हैं। विदेश विभाग की ओर से कहा गया है कि कुछ पदों को संविदा में बदला जाएगा, जिससे खर्च घटेगा। रिपोर्ट्स के अनुसार, कुछ वरिष्ठ अधिकारी वैकल्पिक रोजगार की तलाश में निजी सेक्टर की ओर रुख कर रहे हैं।

दूतावासों और मिशनों में कार्यभार बढ़ गया : महिला राजनयिकों और अल्पसंख्यकों की बर्खास्ती की संख्या अपेक्षाकृत अधिक बताई जा रही है, जिससे विविधता पर असर पड़ा है। इस निर्णय से दूतावासों और मिशनों में कार्यभार बढ़ गया है, जिससे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अमेरिका की प्रतिक्रिया समय प्रभावित हो रही है। विदेश नीति विश्लेषकों का मानना है कि ऐसे कदम से ग्लोबल डिप्लोमैटिक रिलेशंस कमजोर हो सकते हैं। अमेरिका के कुछ सहयोगी देश भी इस पर चिंता जता चुके हैं, खासकर जहां दूतावासों का स्टाफ घटा है।

क्यों की गई 1,300+ लोगों की छंटनी ? : ट्रंप सरकार ने अपने अमेरिका फर्स्ट एजेंडे को आगे बढ़ाने के लिए विदेश विभाग में ढांचा बदलने का फैसला किया। इसका मकसद अमेरिकी हितों को प्राथमिकता देना और विदेशों में होने वाले खर्चों में कटौती करना था।

ब्यूरोक्रेसी घटाना, काम की रफ्तार बढ़ाना : लगभग 300 से अधिक विभागों और कार्यालयों को मिलाया या बंद किया गया ताकि प्रशासनिक प्रक्रिया तेज़ और सरल हो सके। इससे निर्णय लेने में देरी कम होगी और कामकाज बेहतर होगा।

सरकारी खर्च में कटौती और बजट की बचत : सरकार ने अनुमान लगाया कि इस छंटनी से लगभग 15-18प्रतिशत खर्च घटेगा। करीब 1,900 पदों को हटाने की योजना बनाई गई, जिनमें से 1,300 पदों पर अभी की छंटनी लागू की गई है। यह कदम बजट में भारी दबाव को कम करने के लिए उठाया गया।

म्यांमार में बौद्ध मठ पर बमबारी, चार बच्चों समेत 23 की मौत; सागाइंग कस्बे में रात 1 बजे गिराए बम

बैंकॉक, एजेंसी। म्यांमार के सागाइंग कस्बे के लिन ता लू गांव स्थित एक बौद्ध मठ पर बृहस्पतिवार की रात जमकर हवाई हमले किए गए। मठ परिसर में शरण लिए 23 लोगों की मौत हो गई, जबकि 30 लोग घायल हो गए। इनमें से 10 की हालत गंभीर है।

प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, एक इमारत पर रात 1 बजे बम गिराया गया, जहां 4 बच्चों समेत 23 लोग मारे गए। क्षेत्र में लड़ाई से बचने के लिए आसपास के गांवों के 150 से अधिक लोगों ने शरण ली हुई थी। म्यांमार की स्वतंत्र डेमोक्रेटिक वॉयस ऑफ बर्मा ने बताया, मृतक संख्या 30 तक हो सकती है। सेना ने घटना पर टिप्पणी नहीं की है।

दरअसल, फरवरी 2021 में सेना द्वारा आंग सान सू की की निर्वाचित सरकार से सत्ता हथियाने और गृह युद्ध शुरू होने के बाद से म्यांमार उथल-पुथल में है। मठ पर हमला ऐसे वक्त हुआ, जब सैकड़ों सैनिकों ने लिन ता लू से 5 किमी क्षेत्र में टैंकों-विमानों के साथ आक्रामक अभियान में भाग लिया था। वे प्रतिरोध समूहों द्वारा नियंत्रित क्षेत्र वापस लेना चाहते थे। प्रतिरोध सेनानी ने कहा, यहां हजारों लोग गांवों में विस्थापित हो गए हैं।

विपक्ष की राष्ट्रीय एकता सरकार के प्रवक्ता ने कहा, सैन्य शासन वर्ष के अंत में होने वाले आम चुनाव से पहले विद्रोही नियंत्रण वाले क्षेत्रों पर फिर से कब्जा करने का प्रयास कर रहा है। इस सर्वेक्षण को व्यापक रूप से मतपेटी के माध्यम से सेना द्वारा सत्ता पर कब्जा करने को सामान्य बनाने का प्रयास बताया जा रहा है।

ईरान ने 16 दिन में 5 लाख अफगानियों को निकाला : इजराइल से संघर्ष के बाद शरणार्थियों पर कार्रवाई तेज

तेहरान, एजेंसी। ईरान ने महज 16 दिनों में 5 लाख से ज्यादा अफगान नागरिकों को देश से बाहर निकाल दिया है। यह कार्रवाई 24 जून से 9 जुलाई के बीच हुई है। यानी हर दिन औसतन 30,000 से ज्यादा अफगानों को देश से निकाला गया। संयुक्त राष्ट्र ने इसे दशक की सबसे बड़ी जबरन निकासी में से एक करार दिया है। ईरान इजराइल के साथ तनावपूर्ण संघर्ष के बाद आंतरिक सुरक्षा का हवाला देकर प्रवासियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई कर रहा है। ईरान ने मार्च 2025 में ऐलान किया था कि अवैध रूप से रह रहे अफगान प्रवासी 6 जुलाई तक देश छोड़ दें, वरना उन्हें जबरन निकाला जाएगा। जून में ईरान और इजराइल के बीच 12 दिन चले सैन्य संघर्ष के बाद यह अभियान और तेज हो गया।

शरणार्थी बोले- हमें भूखा रखा गया, पीटा गया, लूटा गया

ईरान से निर्वासित हुए एक अफगान शरणार्थी बशीर ने मीडिया से बात करते हुए बताया कि अधिकारियों ने उससे 17 हजार रुपए मांगे। फिर दो दिन डिटेंशन सेंटर में रखा। इस दौरान न खाना दिया गया और न ही पानी। बशीर के मुताबिक अधिकारी उसे गालियां देते थे। एक दूसरे युवक ने बताया कि उसके पिता को जासूसी के आरोप में पकड़कर बेड़ियों में बांधा गया। उन्हें खाना-पानी नहीं दिया गया और बाद में डिटेन करके अफगानिस्तान भेज दिया। द गार्जियन से बात करते हुए एक अफगान महिला ने बताया कि, ईरानी अधिकारी रात में आए। उन्होंने बच्चों के कपड़े तक नहीं लेने दिए। हमें कूड़े की तरह फेंक दिया। रास्ते में बैंक कार्ड से पैसे निकाल लिए। पानी की बोतल के 80 रुपए और सैंडविच के 170 रूपए वसूले।

ईरान से निकाले गए लोगों में सैकड़ों नाबालिग बच्चे हैं, जिनमें कई अनाथ और अकेले हैं।

यूएन के अनुसार, हर हफ्ते सैकड़ों बच्चों को बिना अभिभावकों के सीमा पर पाया जा रहा है। यूएन अधिकारी मिहयोंग पार्क ने सीएनएन से कहा कि यह संख्या चौंकाने वाली है।

आरोपी को टीवी पर जुर्म कुबूल कराया

ईरान के सरकारी चैनल पर एक अफगान नागरिक को इजराइल के लिए जासूसी कबूल करते दिखाया गया। उसने कहा कि उसे जर्मनी में रहने वाले एक अफगान ने कुछ जगहों की जानकारी देने के लिए कहा और 2 हजार डॉलर दिए। लेकिन उसका नाम, ठोस सबूत और प्रक्रिया कुछ भी नहीं बताया गया।

कतर में अमेरिकी बेस पर गिरी थी ईरान की मिसाइल : अमेरिकी रक्षा मंत्रालय ने पुष्टि की

वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी। अमेरिकी रक्षा मंत्रालय ने पहली बार पुष्टि की है कि 22 जून को कतर में मौजूद उसके मिलिट्री एयरबेस पर ईरान की एक बैलिस्टिक मिसाइल गिरी थी। पेंटागन के प्रवक्ता शॉन पर्नेल ने शुक्रवार को कहा कि मिसाइल से बेस पर सामान और ढांचे को हल्का नुकसान हुआ है। लेकिन एयरबेस अभी भी पूरी तरह चालू है और अमेरिका अपने कतरी साझेदारों के साथ मिलकर क्षेत्रीय सुरक्षा मिशन को जारी रखे हुए है। ईरान ने अपने परमाणु ठिकानों पर हमलों का बदला लेने के लिए कतर में अमेरिका के अल-उदीद एयर मिलिट्री बेस को निशाना बनाया था। उसने कुल 6 मिसाइलें दागी थीं। ईरान की इस्लामिक रिवॉल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स ने भी हमले की पुष्टि करते हुए बताया था कि उसने कतर में अमेरिका के बेस पर जवाबी मिसाइल हमला किया है।

सैटेलाइट इमेज से हुआ खुलासा

यह बयान एसोसिएटेड प्रेस की तरफ से जारी की गई सैटेलाइट तस्वीरों के बाद आया। इनमें एयरबेस पर हमले का असर साफ दिखता है। तस्वीरों के मुताबिक, 23 जून की सुबह एयरबेस पर एक जियोडेसिक डोम मौजूद था, जो हमले के बाद पूरी तरह नष्ट हो चुका है। यह डोम एक सैटेलाइट कम्युनिकेशन टर्मिनल को ढंकता था। इस टर्मिनल को 2015 में 15 मिलियन डॉलर की लागत से तैयार किया गया था। इसके अंदर एक सैटेलाइट डिश लगी हुई थी। जो अमेरिकी वायु सेना की 379वीं वायु अभियान शाखा के लिए कम्युनिकेशन सिस्टम का हिस्सा थी। हमले के बाद की तस्वीरों में दिखा कि यह नहीं है और पास की एक इमारत को भी नुकसान हुआ है। हालांकि, एयरबेस का बाकी हिस्सा काफी हद तक सुरक्षित दिखता है।

अमेरिका ने ईरान के परमाणु ठिकानों को निशाना बनाया था

अमेरिका ने 22 जून को ईरान के 3 परमाणु ठिकानों पर 7 बी-2 बॉम्बर से हमला किया था। इनमें फोर्डो, नतांज और इस्फहान शामिल थे। ईरानी परमाणु ठिकानों पर मिसाइल गिराने के करीब 13 घंटे बाद अमेरिकी रक्षा मंत्री और जॉइंट चीफ ऑफ स्टाफ जनरल डैन केन ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित किया। इसमें जनरल डैन केन ने बताया कि ईरान में चले ऑपरेशन का नाम 'ऑपरेशन मिडनाइट-हैमर' था। इसमें 125 से ज्यादा जेट शामिल हुए थे। अमेरिकी हमलों के बाद ईरान के परमाणु ठिकानों की सैटेलाइट तस्वीरें भी सामने आईं।

एमक्यूएम के संस्थापक अल्ताफ हुसैन की हालत गंभीर, लंदन के अस्पताल में भर्ती

लंदन, एजेंसी। लंदन से ही कराची को कंट्रोल करने की क्षमता रखने वाले मुत्ताहिदा कौमी मूवमेंट (एमक्यूएम) के संस्थापक अल्ताफ हुसैन को गंभीर बीमारी के चलते अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। अल्ताफ हुसैन 1992 से ही लंदन में निर्वासित जीवन जी रहे हैं। अल्ताफ ने मोहाजिरों के अधिकारों के लिए मोहाजिर कौमी मूवमेंट नाम की पार्टी बनाई थी। हालांकि जब उनकी पार्टी का नाम अलगाववादियों के साथ जोड़ा जाने लगा तो उन्होंने ही मोहाजिर की जगह मुत्ताहिदा कर दिया। ब्रिटेन की सरकार ने उन्हें नागरिकता दे दी है। लंदन में रहकर भी पाकिस्तान की राजनीति में उनका दबदबा बना ही रहता है। वह अकसर वीडियो के जरिए अपने राजनीतिक भाषण पहुंचाते रहते हैं।

एमक्यूएम नेता मुस्तफा अजीजाबादी ने उनके स्वास्थ्य की जानकारी देते हुए कहा उनके टेस्ट किए जा रहे हैं। उन्होंने लोगों से अल्ताफ हुसैन की अच्छी सेहत की दुआ करने की अपील की है। पाकिस्तानी अखबार डॉन से बात करते हुए अजीजाबादी ने कहा, तनाव से जूझ रहे अल्ताफ हुसैन के डॉक्टरों ने ब्लड ट्रांसफ्यूजन की सलाह दी थी। इसके अलावा अन्य बीमारियों का भी इलाज चल रहा है। फिलहाल वह लंदन के अस्पातल में आईसीयू में भर्ती हैं। 2021 में उन्हें कोरोना भी हो गया था।

कौन हैं अल्ताफ हुसैन : साल 2018 से पहले कराची में अल्ताफ हुसैन का सिक्का चलता था। कराची की राजनीति उनके इशारे पर चलती थी। हालांकि बाद के सालों में उनका रुतबा कम होने लगा। अल्ताफ हुसैन ऐसे राजनेता हैं जिन्होंने पाकिस्तान में रहने वाले करोड़ों मोहाजिरों के अधिकारों की लड़ाई लड़ी। विभाजन के बाद जो मुसलमान भारत से पाकिस्तान गए थे उन्हें मोहाजिर कहा जाता है। ज्यादातर मोहाजिर उर्दू भाषी हैं। हुसैन का जन्म 17 सितंबर 1953 को कराची में ही हुआ था। शुरुआती शिक्षा उन्होंने अजीजाबाद से ली। इसके बाद कराची यूनिवर्सिटी में फार्मेसी की पढ़ाई करने लगे। कराची विश्वविद्यालय में ही वह अजीम तारिक के संपर्क में आए। उन्होंने ऑल पाकिस्तान मोहाजिर स्टूडेंट ऑर्गनाइजेशन का गठन किया था। थोड़े ही समय में एपीएमएसओ की लोकप्रियता बढ़ी। इसके बाद हुसैन ने मोहाजिर कौमी मूवमेंट का स्थापना की। 1988 के चुनाव में सिंध के शहरी इलाकों में पार्टी ने क्लीन स्वीप कर दिया। वहीं 1990 में हुसैन खुद ही निर्वासित जीवन जीने के लिए लंदन चले गए।

कराची को पाक से अलग करने की मांग : हुसैन पर आरोप लगे कि सत्ता पाने के के लिए वह हिंसा कासहारा लेते हैं। वहीं हुसैन का कहना था कि उनके कार्यकर्ताओं पर लगातार हमले होते हैं। 2013 हुसैन ने कराची को पाकिस्तान से अलग करने की मांग कर दी थी। वहीं बाद में उनकी पार्टी ने सफाई दी और कहा कि उनकी बातों का गलत मतलब निकाला गया है।

पाकिस्तान को बता दिया था दुनिया का कैंसर : हुसैन ने अगस्त 2016 में अपने एक भाषण में पाकिस्तान को दुनिया का कैंसर बता दिया था। इसके बाद एमक्यूएम कार्यकर्ताओं ने एआरवाई न्यूज के ऑफिस पर हमला कर दिया। वहीं पाकिस्तानी एजेंसियों ने अजीजाबाद में हुसैन के घर पर और कराची हेडक्वार्टर पर छापा मारा। हुसैन की पार्टी के ही नेताओं ने उनसे दूरी बना ली और पार्टी के संविधान से उनका नाम भी हटा दिया। वहीं 2019 में ब्रिटिश पुलिस ने भी उनपर हिंसा के लिए उकसाने का आरोप लगाया। उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। 2022 में एक अदालत ने उन्हें बाइज्जत बरी कर दिया।

भोजन-पानी भी नहीं हो रहा नसीब, गाजा में सहायता केंद्रों के पास 798 लोगों की मौत, रिपोर्ट ने चौंकाया

गाजा, एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार कार्यालय (ओएचसीएचआर) ने गाजा में मचे कत्लेआम पर ताजा रिपोर्ट जारी की है। इसमें बताया गया कि गाजा में पिछले छह हफ्ते में सहायता वितरण केंद्रों और काफिलों के पास 798 लोगों की मौत हुई है। इनमें से 615 मौतें अमेरिका और इजरायल समर्थित गाजा ह्यूमैनिटेरियन फाउंडेशन (जीएचएफ) के केंद्रों के आसपास हुईं। 183 मौतें अन्य राहत समूहों के काफिलों के रास्ते में हुईं। ओएचसीएचआर के अनुसार, अधिकांश घायलों को गोली लगने से चोटें आईं। यह स्थिति मानवीय निष्पक्षता के मानकों का उल्लंघन करती है। संयुक्त राष्ट्र ने जीएचएफ के सहायता मॉडल को स्वाभाविक रूप से असुरक्षित करार दिया है और इसे अत्याचार अपराधों से जोड़ा है।

जीएचएफ ने संयुक्त राष्ट्र के आंकड़ों को झूठा और भ्रामक बताते हुए खारिज कर दिया। इसने दावा किया कि सबसे घातक हमले संयुक्त राष्ट्र के काफिलों से जुड़े हैं। जीएचएफ का कहना है कि उसने पांच सप्ताह में गाजा में 7 करोड़ से अधिक भोजन पैकेट बांटे गए हैं, जबकि अन्य मानवीय समूहों की सहायता को हमास या आपराधिक गिरोहों ने लूट लिया। दूसरी ओर, संयुक्त राष्ट्र ने सहायता लूट की घटनाओं की पुष्टि की है। विश्व खाद्य कार्यक्रम ने बताया कि गाजा में भोजन ले जाने वाले ज्यादातर ट्रकों को भूखे लोगों ने रोक लिया।

सुरक्षा के उठाए गए कदम मगर : इजरायल ने कहा कि वह अपने सैन्य अभियानों के दौरान सहायता आपूर्ति को हमास के हाथों में जाने से रोकने के लिए कदम उठा रहा है, जिसमें बाड़ और संकेत लगाना शामिल है। हालांकि, गाजा में 21 महीने से चल रही सैन्य कार्रवाई के कारण भोजन और अन्य बुनियादी आपूर्तियों की भारी कमी हो गई है। 23 लाख की आबादी में से अधिकांश विस्थापित हो चुके हैं। ओएचसीएचआर ने सहायता प्राप्त करने की कोशिश में मारे गए लोगों की जांच की मांग की है, ताकि इन हिंसक घटनाओं की वजहों का पता लगाया जा सके।

भारत में घुसपैठ के लिए नेपाल पर पाकिस्तानी आतंकियों की नजर, टॉप अफसर की चेतावनी

काठमांडू, एजेंसी। नेपाली राष्ट्रपति के सलाहकार सुनील बहादुर थापा ने पाकिस्तान आधारित आतंकवाद को क्षेत्रीय सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा बताया है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तानी आतंकी संगठन (जैसे- लश्कर-ए-तैयबा और जैश-ए-मोहम्मद) भारत में कई हमलों के लिए जिम्मेदार हैं। ये नेपाल को भारत पर हमले के लिए आवाजाही मार्ग के रूप में इस्तेमाल कर सकते हैं। थापा ने यह बात काठमांडू में नेपाल इंस्टीट्यूट फॉर इंटरनेशनल कोऑपरेशन एंड एंगेजमेंट की ओर से आयोजित कार्यक्रम में कही। इस उच्च-स्तरीय सेमिनार का विषय दक्षिण एशिया में आतंकवाद : क्षेत्रीय शांति और सुरक्षा के लिए चुनौतियां रखा गया था।

कार्यक्रम में रणनीतिक विशेषज्ञों, राजनयिकों और शिक्षाविदों ने इस बात पर जोर दिया कि पाकिस्तान से उत्पन्न होने वाला आतंकवाद दक्षिण एशिया में क्षेत्रीय शांति और स्थिरता के लिए खतरा है। नेपाल के पूर्व रक्षा मंत्री मिनेंद्र रिजाल ने बताया कि भारत में होने वाले आतंकवादी हमलों का नेपाल की आंतरिक सुरक्षा पर भी प्रभाव पड़ता है। सेमिनार में पाकिस्तान को आतंकवाद को प्रायोजित करने के लिए जिम्मेदार ठहराया गया, जिसने दक्षिण एशियाई क्षेत्रीय सहयोग संगठन को कमजोर किया है। इसने क्षेत्रीय एकजुटता को भी बाधित किया है।

पाकिस्तान के खिलाफ जमकर बोला हमला : एनआईआईसीई के निदेशक डॉ. प्रमोद जायसवाल ने पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा मुहम्मद आसिफ के हालिया बयान का हवाला दिया, जिसमें उन्होंने स्वीकार किया कि पाकिस्तान आतंकवादियों को पनाह देता और फंड करता है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान दक्षिण एशिया में आतंकवाद का केंद्र रहा है। वहीं, नेपाल के पूर्व मंत्री शिशिर खनाल ने भारत की ऑपरेशन सिंदूर की प्रशंसा की, इसे सीमा पार आतंकवाद के खिलाफ साहसी और आवश्यक कदम बताया। पूर्व नेपाल प्रधानमंत्री के सलाहकार डॉ. दिनेश भट्टाराई ने कहा कि पहलगाम हमला हाल के वर्षों में सबसे घातक हमला था, जिसमें एलईटी की ओर से 26 नागरिक मारे गए। इनमें एक नेपाली नागरिक सुमित्रा कार्की भी शामिल थीं।

रंग लाई मेहनत, अभ्युदय योजना ने फिर रचा इतिहास

कौमी पत्रिका

लखनऊ, 13 जुलाई। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में युवाओं के लिए चलाई जा रही मुख्यमंत्री अभ्युदय योजना एक बार फिर बड़ी सफलता का प्रतीक बनी है। संघ लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल की 2024 की परीक्षा में योजना से जुड़े 14 अभ्यर्थियों ने सफलता का परचम लहराया है। इन अभ्यर्थियों में श्याम यादव ने ऑल इंडिया 2ढ्डस्त्र रैंक प्राप्त कर प्रदेश और योजना दोनों का मान बढ़ाया है। इस उपलब्धि पर समाज कल्याण राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री असीम अरुण ने सभी सफल अभ्यर्थियों को बधाई दी और कहा, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के विजन के अनुसार अभ्युदय योजना आज प्रदेश के युवाओं के सपनों को पंख दे रही है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सशक्त उत्तर प्रदेश, सक्षम युवा की सोच को साकार करती मुख्यमंत्री अभ्युदय योजना आज युवाओं के लिए एक परिवर्तनकारी पहल बन चुकी है। समाज कल्याण अधिकारी पवन यादव ने बताया कि श्याम यादव के साथ-साथ अन्य सफल अभ्यर्थियों में प्रतीक वर्मा (रैंक 61), अभिषेक मिश्रा (77), अनूप कुमार (106), सत्यपाल सिंह यादव (133), दिव्या सिंह परिहार (166), हिमांशु मौर्या (197), मितेंद्र श्रीवास्तव (208), रोहित वर्मा (224), ललित सिंह (225), हिमांशु सिंह (297), मंगलदीप पाल (313), रुपाली सिंह (365) और शिवम आनंद (379) शामिल हैं। ऑल इंडिया सेकंड रैंक प्राप्त करने वाले श्याम यादव ने कहा, मुख्यमंत्री अभ्युदय योजना से जुड़ने के बाद मुझे विशेषज्ञों का मार्गदर्शन, मॉक इंटरव्यू और उत्तम स्टडी मटीरियल मिला। योजना ने मेरी दिशा भी तय की और आत्मविश्वास भी बढ़ाया। वर्ष 2021 में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा शुरू की गई यह योजना आज प्रदेश के 75 जिलों में 166 प्रशिक्षण केंद्रों के माध्यम से संचालित की जा रही है। इसका उद्देश्य द्धस, क्क्टस, हश्वश्वञ्ज, छ्वश्वश्व, ह्लष्ठ, ष्ठष्ठस, ष्टश्वञ्ज, ष्टक्क्न जैसी परीक्षाओं के लिए समाज के हर वर्ग के प्रतिभाशाली युवाओं को नि:शुल्क एवं गुणवत्तापूर्ण कोचिंग देना है। ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों माध्यमों से चल रही इस योजना से अब तक 87,000 से अधिक युवा लाभान्वित हो चुके हैं। इनमें से 1,100 से ज्यादा अभ्यर्थी विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में चयनित हुए हैं। योजना को सफल बनाने में संयुक्त निदेशक सुनील कुमार विशेन, पी.के. त्रिपाठी और उपनिदेशक सुनीता यादव की भूमिका सराहनीय रही है।

स्वास्थ्य सिद्धि के रूप में शुरू की गई पहल स्वास्थ्य के क्षेत्र में मील का पत्थर साबित होगी- अरविंद शर्मा

चंडीगढ़। हरियाणा के सहकारिता, कारागार, निर्वाचन, विरासत व पर्यटन मंत्री डॉ0 अरविंद शर्मा ने कहा कि यह केन्द्र समाज कल्याण, प्राकृतिक चिकित्सा एवं आयुर्वेदिक शोध के क्षेत्र में कार्य करेगा, जिससे स्वास्थ्य के क्षेत्र में हमारी पुरानी पंरपरा व संस्कृति दोबारा जीवित होगी। उन्होंने कहा कि पुराने समय में भारत में प्राकृतिक व आयुर्वेदिक चिकित्सा से ही लोगों का ईलाज किया जाता था जो हमारे देश की एक पहचान थी। उन्होंने कहा कि इसी पहचान को दोबारा जीवित रखने के लिए हरियाणा सरकार आयुर्वेदिक चिकित्सा के क्षेत्र में अहम कदम उठा रही है। डॉ0 अरविंद शर्मा शनिवार को सोनीपत में मोहाना स्थित बाबा नैना नाथ जी डेरे में बनाए जा रहे बाबा सुमर नाथ अनुसंधान एवं वेलनेस सेंटर का बतौर मुख्यातिथि शिलान्यास करने उपरांत बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि शिवा ग्रुप ऑफ इंस्टीटूशन्स एंड चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा स्वास्थ्य सिद्धि के रूप में शुरू की गई पहल स्वास्थ्य के क्षेत्र में मील का पत्थर साबित होगी, जिससे इस क्षेत्र के लोगों को लाभ मिलेगा। उन्होंने कहा कि पहले गरीब लोगों के मन में एक ही शंका रहती थी कि अगर वे बीमार हो गए तो उनका बिना पैसे के कैसे ईलाज हो सकेगा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गरीब लोगों की इसी शंका व चिंता को खत्म करने के लिए देश का प्रधानमंत्री बनते हुए देश में आयुष्मान भारत योजना की शुरूआत की, जिसकी मदद से गरीब व्यक्ति भी जरूरत पडने पर अपना ईलाज अच्छे अस्पतालों में करवा सकता है। इस योजना के शुरू होने से अब किसी भी गरीब व्यक्ति को अपने ईलाज की कोई चिंता नहीं है। डॉ0 अरविंद शर्मा ने कहा कि इसी योजना के अंतर्गत हरियाणा सरकार ने एक और कदम उठाते हुए प्रदेश में चिरायु योजना की शुरूआत की, जिसके तहत आयुष्मान भारत के तहत कवर होने वाले 1 लाख 20 हजार रुपये तक की आय वाले परिवारों के अलावा अब चिरायु योजना के तहत 1 लाख 80 हजार रुपये तक की आय वाले गरीब परिवार भी चिरायु योजना के तहत 5 लाख रुपये तक का ईलाज मुफ्त में करवा सकेंगे। उन्होंने कहा कि हरियाणा में डबल इंजन की सरकार अंत्योदय उत्थान की भावना से हर गरीब व्यक्ति के विकास के लिए कार्य कर रही है चाहे वो गरीब व्यक्ति को मुफ्त में राशन देने की बात हो या गरीब लोगों को मुफ्त में आवास देने की बात हो या मुफ्त में स्वास्थ्य सुविधाएं देने की बात हो।

गौहत्या के आरोपियों को कड़ी सजा की मांग को लेकर निकाले रोष मार्च में शामिल हुआ खत्री समाज

फगवाड़ा। विभिन्न धार्मिक, सामाजिक संगठनों और शहरवासियों द्वारा आज फगवाड़ा में गोहत्या और गोमांस तस्करी के सभी दोषियों की शीघ्र गिरफ्तारी और कड़ी सजा की मांग को लेकर निकाले गए रोष मार्च में खत्री समाज ने बड़ी संख्या में भाग लिया। इस दौरान खत्री सभा (रजि.) फगवाड़ा के प्रधान मदन मोहन (गुड) बजाज ने समस्त खत्री समाज का आभार प्रकट कर कहा कि यह एकता हत्यारों को फांसी के फंदे तक पहुँचाने में सहायक होगी। उन्होंने कहा कि आज पंजाब सरकार को पता चल जाना चाहिए कि फगवाड़ा में गोहत्या और गोमांस तस्करी के मुद्दे को लेकर लोगों में कितना गुस्सा है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री भगवंत मान को गोरक्षकों और गोभक्तों के प्रति सहानुभूति व्यक्त करते हुए बयान जारी करना चाहिए कि इस मामले में किसी भी दोषी को किसी भी हालत में बख्शा नहीं जाएगा। इस दौरान सभा के उपाध्यक्ष दविंदर भल्ला, शंकर झांजी और सचिव वितिन पुरी ने इस बात पर जोर दिया कि यह जानते हुए भी कि गाय पूरे सनातनी समाज के लिए सम्मानीय है, जिन नर पिशाचों ने क्रूरता से गौहत्या का पाप किया है, उन्हें फांसी की सजा मिलनी चाहिए। बेशक, इसके लिए विशेष कानून क्यों न बनाना पड़े।

हमारा लक्ष्य सिर्फ आँखों की रोशनी नहीं, बल्कि हरियाणा के भविष्य को उज्जवल बनाना

कौमी पत्रिका

चण्डीगढ। हरियाणा की स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव ने आज गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, हिसार से उज्ज्वल दृष्टि हरियाणा अभियान का शुभारंभ किया। यह राज्यव्यापी अभियान विशेष रूप से स्कूली बच्चों को नि:शुल्क चश्मे उपलब्ध कराने और 45 वर्ष से अधिक आयु के नागरिकों को निकट दृष्टि सुधार प्रदान करने के उद्देश्य से शुरू किया गया है। स्वास्थ्य मंत्री ने बताया कि यह अभियान नेशनल प्रोग्राम फॉर कंट्रोल ऑफ ब्लाइंडनेस एंड विजुअल इम्पेयरमेंट के अंतर्गत संचालित किया जा रहा है, जिसके लिए राज्य सरकार द्वारा विशेष बजट प्रावधान भी किया गया है। इसके अंतर्गत 1.4 लाख से अधिक चश्मों का एक साथ वितरण किया जाएगा, जो कि राज्य के 22 जिला अस्पतालों, 50 उपमंडलीय अस्पतालों और 122 सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों के माध्यम से किया जाएगा। यह देश में अपनी तरह का सबसे ब?ा और अनूठा अभियान है। उन्होंने बताया कि अभियान के अंतर्गत 14 हजार 267 राजकीय स्कूलों में प? रहे लगभग 21 लाख छात्रों की आंखों की जांच की जाएगी, जिनमें से 40 हजार जरूरतमंद छात्रों को नि:शुल्क चश्मे वितरित किए जाएंगे। साथ ही, 50 वर्ष से अधिक आयु के नागरिकों की मोतियाबिंद की जांच भी की जाएगी तथा आवश्यकता प?ने पर उन्हें सरकारी या एनजीओ अस्पतालों में निन्शुल्क सर्जरी की सुविधा दी जाएगी। यह सिर्फ आँखों की रोशनी नहीं, बल्कि हरियाणा के भविष्य को उज्ज्वल बनाने की दिशा में कदम है – आरती सिंह राव राज्य स्तरीय उज्ज्वल दृष्टि हरियाणा अभियान के तहत विभिन्न जिलों में हो रहे कार्यक्रम से वर्चुअली जु?ते हुए आरती सिंह राव ने कहा कि यह कार्यक्रम केवल नेत्र जांच और चश्मा वितरण तक सीमित नहीं है, बल्कि हरियाणा के नागरिकों को आत्मनिर्भर, समान और स्वस्थ समाज की ओर अग्रसर करने की एक ठोस पहल है। उन्होंने कहा कि हमारा लक्ष्य सिर्फ आंखों की रोशनी बहाल करना नहीं, बल्कि हरियाणा के भविष्य को भी उज्ज्वल बनाना है। कैबिनेट मंत्री ने बताया कि दृष्टि दोष, मोतियाबिंद के बाद अंधत्व का दूसरा सबसे ब?ा कारण है और समय रहते उपचार न हो तो यह स्थायी अंधत्व में बदल सकता है। इसी को ध्यान में रखते हुए यह व्यापक अभियान राष्ट्रीय स्तर पर एक मिसाल बनने जा रहा है। उन्होंने बताया कि हरियाणा देश का एकमात्र राज्य है जो कॉर्नियल अंधापन के इलाज के लिए प्राइवेट और एनजीओ अस्पतालों में नि:शुल्क ट्रांसप्लांट हेतु 15 हजार रुपये की सहायता देता है। हर साल राज्य में 800 से अधिक कॉर्नियल ट्रांसप्लांट किए जा रहे हैं, जो राष्ट्रीय स्तर पर एक रिकॉर्ड है। इस उद्देश्य के लिए 22 आई डोनेशन सेंटर्स भी संचालित हैं। कैबिनेट मंत्री ने जनता से नेत्रदान के लिए आगे आने की अपील करते हुए कहा, आपका एक नेत्रदान किसी की पूरी दुनिया रोशन कर सकता है। कैबिनेट मंत्री ने बताया कि सरकार आधुनिक उपकरण, मोबाइल मेडिकल यूनिट और टेलीमेडिसिन जैसी सेवाओं के जरिए प्रदेश की स्वास्थ्य प्रणाली को मजबूत करने के लिए लगातार काम कर रही है।

गाँव ढाक पंडोरी की पंचायत ने प्रशासन की मौजूदगी में तीन कनाल पंचायती ज़मीन मुक्त कराई

फगवाड़ा। आज, ब्लॉक फगवाड़ा के गाँव ढाक पंडोरी में, पंचायत ने पुलिस और प्रशासन के अधिकारियों की मौजूदगी में लंबे समय से अवैध रूप से कब्ज़ा की गई लगभग तीन कनाल पंचायती ज़मीन को मुक्त कराया। इस अवसर पर बोलते हुए, सरपंच विजय कुमार ने कहा कि इस जगह पर लोग लंबे समय से अवैध रूप से कब्ज़ा किए हुए थे। जिसकी शिकायत उन्होंने बीडीपीओ फगवाड़ा, डीडीपीओ कपूरथला और अन्य संबंधित विभागीय अधिकारियों को लिखित रूप में की थी। क्योंकि कब्ज़ाधारी ज़मीन छोड़ने को तैयार नहीं थे। आज प्रशासन और पुलिस की सुरक्षा व्यवस्था की मौजूदगी में, ट्रैक्टरों द्वारा पराली के ढेर, लोगों द्वारा बाँधे गए मवेशी, कूड़े के ढेर और रखे औज़ारों को हटाकर ज़मीन को अतिक्रमण मुक्त कराया गया।

यमुनानगर के प्रगतिशील किसान धर्मवीर ने लगाई प्रदर्शनी: केन्द्रीय राज्य मंत्री

चण्डीगढ। भारत अंतर्राष्ट्रीय सम्मलेन एवं प्रदर्शनी केन्द्र, यशोभूमि (आईआईसीसी) नई दिल्ली में 8 से 10 जुलाई, 2025 तक आयोजित इंडिया एनर्जी स्टोरेज वीक (आईईएसडब्ल्यू) में यमुनानगर के प्रगतिशील किसान धर्मवीर ने अपने अत्याधुनिक मल्टीपर्पज फूड प्रोसेसिंग मशीन का सफलतापूर्वक प्रदर्शन किया। यह मशीन अपनी अनूठी सोलर बैटरी से चलने की क्षमता के कारण विशेष रूप से ध्यान आकर्षित कर रही थी, जिससे यह दूरस्थ और बिजली रहित क्षेत्रों के लिए भी एक आदर्श समाधान बन गई है। भारत के अग्रणी बीटूबी नेटवर्किंग और व्यावसायिक मंच आईईएसडब्ल्यू में, धर्मवीर फूड प्रोसेसिंग का स्टॉल आकर्षण का केंद्र रहा। क्लीन एनर्जी इंडिया ने इस कार्यक्रम में धर्मवीर फूड प्रोसेसिंग को आमंत्रित किया था। उन्होंने बताया कि हरियाणा सरकार द्वारा इस मशीन पर 50 प्रतिशत तक सब्सिडी भी दी जा रही है, जो किसानों और छोटे उद्यमियों के लिए इसे और भी सुलभ बनाती है। स्टॉल पर भारत सरकार के केन्द्रीय राज्य मंत्री स?क एवं परिवहन श्री हर्ष मल्होत्रा ने दौरा किया और धर्मवीर फूड प्रोसेसिंग द्वारा खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र में किए जा रहे नवाचारों की सराहना की। उन्होंने विशेष रूप से इस मशीन की ग्रामीण आय ब?ाने और खाद्य अपशिष्ट को कम करने की क्षमता पर जोर दिया। यह दौरा ग्रामीण अर्थव्यवस्था और आत्मनिर्भर भारत के लिए कंपनी के योगदान को रेखांकित करता है, जो किसानों और छोटे उद्यमियों को सशक्त बनाने की दिशा में एक ब?ा कदम है। धर्मवीर फूड प्रोसेसिंग के संस्थापक प्रगतिशील किसान धर्मवीर दो बार महामहिम राष्ट्रपति द्वारा सम्मानित इनोवेटर हैं, ने बताया कि उनकी यह मशीन खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र में क्रांति लाने और छोटे पैमाने के व्यवसायों को सशक्त बनाने के लिए डि?ाइन की गई है। आईईएसडब्ल्यू, जिसने अक्षय ऊर्जा, उन्नत बैटरी और इलेक्ट्रिक वाहनों जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों को कवर किया, में ऑस्ट्रेलिया, जर्मनी और एसएआरआईसी ने दौरा किया और धर्मवीर फूड प्रोसेसिंग द्वारा खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र में किए जा रहे नवाचारों की सराहना की। उन्होंने विशेषके समर्पित मंडपों के साथ-साथ गुजरात, ओडिशा, तेलंगाना और छत्तीसग? जैसे राज्यों के मजबूत समर्थन के साथ मजबूत वैश्विक भागीदारी देखी गई। धर्मवीर के इनोवेशन को एनसीईआरटी के पाठ्यक्रम में भी शामिल किया गया है।

जन समस्याओं का प्राथमिकता से कराए समाधान - मेयर सुमन बहमनी

यमुनानगर। व्यवस्था जांचने के लिए मेयर सुमन बहमनी ने नगर निगम कार्यालय का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने हाजिरी रजिस्टर की जांच की। उन्होंने सभी कर्मियों को रोजाना रजिस्टर में हाजिरी दर्ज करने और नियमित कार्यालय आने के निर्देश दिए। उन्होंने अतिरिक्त निगम आयुक्त धीरज कुमार व कार्यालय अधीक्षक तेजिंदर कौर को ड्यूटी में लापरवाही बरतने वाले कर्मचारियों पर अनुशासनात्मक कार्रवाई करने के निर्देश दिए। मेयर सुमन बहमनी दोपहर बाद अचानक अतिरिक्त निगम आयुक्त धीरज कुमार के साथ नगर निगम कार्यालय के निरीक्षण पर निकली। उनके निरीक्षण से कर्मचारियों में खलबली मच गई। उन्होंने नगर निगम की विभिन्न शाखाओं का जायजा लिया और व्यवस्थाएं जांची। व्यवस्थाएं जांचने के बाद वे सीधा कार्यालय अधीक्षक के कमरे में पहुंची। यहां उन्होंने हाजिरी रजिस्टर चेक किए। रजिस्टर में कुछ कर्मियों द्वारा अपनी हाजिरी नहीं लगाई हुई थी। कार्यालय अधीक्षक ने उन्हें बताया कि कुछ कर्मियों की ड्यूटी संपत्ति सत्यापित कार्य व सर्वे में लगी है। जिसके चलते उन्होंने हाजिरी दर्ज नहीं की। मेयर ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे रोजाना हाजिरी रजिस्टर में कर्मचारियों की हाजिरी दर्ज कराना सुनिश्चित करें। जो कर्मी हाजिरी दर्ज नहीं करेगा, उसे अनुपस्थित समझा जाएगा। यदि कोई कर्मचारी फील्ड में जाता है तो वह मूवमेंट रजिस्टर में मूवमेंट दर्ज करके जाए। मेयर सुमन बहमनी ने कर्मचारियों को निर्देश दिए कि वे रोजाना समय पर कार्यालय आए। निगम में आने वाले हर व्यक्ति की समस्या का समय पर समाधान करने का प्रयास करें। किसी भी शहरवासी को अपने कार्य के लिए बार बार निगम में न आना पड़े।

खेल सीमाएं नहीं मानते, देते हैं सपनों को उड़ान: खेल मंत्री गौरव गौतम

चंडीगढ़। नई दिल्ली स्थित स्वीडन एम्बेसी में हरियाणा अंडर-15 महिला टीम और भारत स्पेशल ओलंपिक के खिलाड़ियों के सम्मान में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। ये खिलाड़ी 13-19 जुलाई को स्वीडन के गोथेनबर्ग में होने वाले दुनिया के सबसे बड़े युवा फुटबॉल टूर्नामेंट गोथिया कप 2025 में देश का प्रतिनिधित्व करेंगे। इस कार्यक्रम में हरियाणा प्रदेश के खेल युवा अधिकारिता एवं उद्यमिता तथा कानून एवं विधायी राज्य मंत्री श्री गौरव गौतम ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत करते हुए खिलाड़ियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस मौके पर खेल मंत्री श्री गौरव गौतम ने कहा कि यह सिर्फ खेल नहीं, भारत की बेटियों और खिलाड़ियों के आत्मविश्वास, जुनून और समर्पण का प्रदर्शन है। खेल सीमाएं नहीं मानते बल्कि ये सपनों को उड़ान देते हैं। उन्होंने कहा कि देश के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की बेहतरीन खेल नीतियों की बदौलत आज देश के खिलाड़ी ओलंपिक और राष्ट्रमंडल खेलों समेत कई अंतरराष्ट्रीय खेलों में उच्च कोटि का प्रदर्शन करते हुए पदक जीतकर देश का नाम रोशन कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि आज हरियाणा के खिलाड़ियों का विश्व स्तर पर डंका बज रहा है। यह सब प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी और हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी के खेल के क्षेत्र में युवाओं को बेहतरीन सुविधाएं देने के साथ-साथ करोड़ों रुपए की पुरस्कार राशि और सरकारी नौकरियां उपलब्ध करवाने की बदौलत हो पा रहा है।

महिलाएं ही मेरी प्रेरणा हैं: मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता

प्रथम पृष्ठ का शेष

उन्होंने बताया कि तीज महोत्सव में पारंपरिक कलाओं की जीवंत प्रदर्शनी भी देखने को मिलेगी। इसमें कुम्हार का चाक, चूड़ी निर्माण, बुनाई, ब्लॉक प्रिंटिंग और कढ़ाई जैसे शिल्पों का लाइव प्रदर्शन शामिल होगा, ताकि लोग इन कलाओं को नज़दीक से देख, समझ और अनुभव कर सकें। इसके अतिरिक्त मेले में परिवार और बच्चों के मनोरंजन का भी विशेष ध्यान रखा जाएगा। बच्चों के लिए किड्स जोन की व्यवस्था की गई है, जहां उनके लिए रोचक और शैक्षिक गतिविधियां, स्टोरी टेलिंग, मैजिक शो और विभिन्न खेल उपलब्ध होंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस वर्ष तीज महोत्सव पूरी दिल्ली में पारंपरिक उत्साह, सांस्कृतिक गरिमा और भव्य आयोजनों के साथ मनाया जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि उनके लिए सबसे बड़ा बल जनता का विश्वास है, विशेष रूप से उन बहनों का, जो उन्हें अपना प्रतिनिधि मानती हैं और उनके माध्यम से अपने सपनों और अधिकारों की पूर्ति देखती हैं। मुख्यमंत्री ने बताया कि वह भली-भांति समझती हैं कि उनके हर निर्णय और हर पहल से महिलाओं के आत्मविश्वास, सम्मान और सामाजिक भागीदारी को बल मिलता है। यही कारण है कि वह इस भरोसे को पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ निभा रही हैं और भविष्य में भी इस विश्वास को अक्षुण्ण बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

रोजगार मेला सरकार की रोजगार सृजन को सर्वोच्च प्राथमिकता देने की दिशा में एक प्रभावी कदम: कृषि मंत्री श्याम सिंह राणा

यमुनानगर। भारत सरकार की रोजगार सृजन योजना के अन्तर्गत देश के 47 शहरों के साथ-साथ इसी श्रृंखला में उत्तर रेलवे के मुख्य कारखाना जगाधरी वर्कशॉप द्वारा यमुनानगर में 16वें रोजगार मेले का आयोजन किया गया। इस रोजगार मेले में हरियाणा के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्याम सिंह राणा ने बतौर मुख्यातिथि शिरकत की। इस कार्यक्रम के अन्तर्गत अनुमानित 200 नव-नियुक्त अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र प्रदान किए गए। कार्यक्रम में देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वर्चुअली शामिल होकर देश के युवाओं को सम्बोधित किया। रोजगार मेला भारत सरकार की रोजगार सृजन को सर्वोच्च प्राथमिकता देने की दिशा में एक प्रभावी कदम है। यह न केवल युवाओं को अवसर देता है, बल्कि युवाओं को सशक्तिकरण और राष्ट्रीय विकास में भी भागीदारी का मार्ग प्रदान करता है। लाखों युवाओं को बिना पर्ची-बिना खर्ची नियुक्ति पत्र प्रदान किए जा चुके हैं, जो देश के निर्माण में बड़ी भूमिका निभा रहे हैं। बढ़ती अर्थव्यवस्था के कारण भारत विश्व की तीसरी शक्ति बनने जा रहा है। देश के अलग-अलग सैक्टर्स में बेहतरीन तरक्की हुई है और भारत आज विश्व के अनेक देशों में अपना सामान निर्यात कर रहा है। इस दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 51 हजार युवाओं को नियुक्ति पत्र सौंपे। रोजगार मेले में उपस्थित युवाओं को नियुक्ति पत्र देते हुए हरियाणा के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्याम सिंह राणा ने रेलवे, उच्च शिक्षा कुरुक्षेत्र, डाक विभाग एवं गृह मंत्रालय में चयनित हुए 30 युवाओं को बधाई व शुभकामनाएं देते हुए कहा कि आज देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा युवाओं को नियुक्ति पत्र प्रदान किए जा रहे है और जिन युवाओं को ये नियुक्ति पत्र प्राप्त हुए है, उन्हें न केवल रोजगार मिला है, बल्कि उन्हें देश के नव निर्माण में अपनी सेवाएं प्रदान करने अवसर भी मिला है। इसलिए हमें पूरी निष्ठा व लगन के साथ जनता की सेवा करनी चाहिए। हमारा देश विश्व का सबसे बड़ा लोकतांत्रिक देश है और लोकतंत्र का अर्थ है, ज्यादा से ज्यादा जनता से संपर्क एवं सेवा भाव से कार्य करते हुए देश के विकास में योगदान देना। देश को संकल्प वाद एवं दृढ़ इच्छा रखने वाला व्यक्ति देश को प्रधानमंत्री के रूप में मिला है, जिनके कुशल नेतृत्व में देश का नाम विश्व में चमका है। हरियाणा के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्याम सिंह राणा ने कहा कि आज देश उन्नति की ओर अग्रसर है और इसी प्रकार हमारा प्रदेश भी विकास के मामले में देश में सबसे आगे हैं। आज प्रधानमंत्री के कुशल नेतृत्व व दूरदर्शी सोच के कारण विश्व के सभी देशों में हमारे राष्ट्राध्यक्षों का आदर सम्मान मिलता है। तेज गति से हो रहे विकास के कारण विश्व के दूसरे देश भी हमारे देश के विकास से प्रभावित हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि आज देश के जिन युवाओं को पर्ची-बिना खर्ची देश की जनता की सेवा करने का मौका मिला है और हरियाणा में भी युवाओं को उनकी योग्यता के आधार पर रोजगार उपलब्ध करवाया जा रहा है। आज हरियाणा बिना पर्ची-बिना खर्ची के नौकरियां मिलने के कारण के युवाओं में प्रतियोगी परीक्षाओं को उत्तीर्ण करने की होड़ लगी है। हरियाणा के पूर्व कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री कंवर पाल ने सभी युवाओं को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि केंद्र व प्रदेश की भाजपा सरकार ने अपने शासन-प्रशासन में फैले भ्रष्टाचार को समाप्त कर देश व प्रदेश को उन्नति के मार्ग पर आगे बढ़ाया है। प्रदेश में भी युवाओं को बिना पर्ची-बिना खर्ची युवाओं को योग्यता के आधार पर नौकरियां प्रदान की जा रही है। भारत युवाओं का देश है और युवा शक्ति के कारण आज विश्व में काफी विख्यात है। उन्होंने कहा कि विकासशील देशों में, युवा देश के आर्थिक विकास और सामाजिक परिवर्तन को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। वे प्रगति के लिए एक प्रमुख शक्ति हैं और उनमें अपने समाज में सकारात्मक बदलाव लाने की क्षमता है। इस अवसर पर यमुनानगर के विधायक घनश्याम दास अरोड़ा, उतर रेलवे जगाधरी के मुख्य कारखाना प्रबंधक जयप्रकाश, भाजपा के जिला अध्यक्ष राजेश सपरा, पूर्व विधायक ईश्वर सिंह पलाका सहित जनप्रतिनिधिगण, रेलवे एवं विभिन्न विभागों के अधिकारीगण सहित नियुक्ति पत्र लेने वाले युवाओं ने भाग लिया।

NAME CHANGE
I hitherto known as SHIVANG SHARMA S/o SUNIL CHANDER SHARMA, R/o 12- Silver Oak, Westend Greens Farms, Rajokari, A F Rajokari, South West Delhi, Delhi – 110038 have changed my name and shall hereafter be known as SHIVVANG SHARMA.

PUBLIC NOTICE
It is for general information I, Raj kumar Gupta S/O Chandi Prasad Gupta, R/o RZH 705, Gali no 15, RAJ NAGAR-2 PALAM COLONY, DIST: South West Delhi, Delhi-110077, declare that name of my wife has been wrongly written as GUDIA GUPTA in my minor son namely ASHISH KUMAR aged 14 years in his School Records. The actual name of my wife is SARITA DEVI respectively, which may be amended accordingly.

PUBLIC NOTICE
Be it known to all that my client Reshma D/o Lal Mohammad R/o 356, Israil camp, Malik Pur, Kohi @ Rang Puri Pahari, Delhi-110037 had family relations with Mr.Bhanu Prtap Singh Rana S/o Jugendra Pal Singh R/o V&PO Parsana, Kumral, Hathras, U.P. for some time and due to some differences my client has disconnected her relations with him. Hence general public is hereby informed that if Sh. Bhanu Prtap Singh Rana is contacted by some person involving the name of my client, then he well do so at his own risk, consequences and responsibility and my client shall not be responsible in any manner.
NIKHIL GAUTAM ADVOCATE
CHAMBER NO.651,
DWARKA COURT COMPLEX
NEW DELHI-110075

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I, BIRENDRA KUMAR S/O KARAN SINGH, R/o H. NO-C 1/17 A, Gali NO-3, Near Chandan Typing Center, Amar Vihar, karawal Nagar, North East, Delhi-110094, declare that name of mine and my wife has been wrongly written as BIRENDER KUMAR and RITU, in my minor son namely Lakshya Gautam aged 17 years in my 10th Class and educationl documents , The actual name of mine and my wife are BIRENDRA KUMAR and REETU Which may be amended accordingly.

PUBLIC NOTICE
Be it known to all that my client namely Smt. Rajni Mehta W/o Sh. Sunil Mehta R/o RZ-56, Second Floor, Back Side, Jain Colony, Part-3, T-Extension, Uttam Nagar, New Delhi-110059 have debarred and served all the relations from their younger son and daughter-in-law namely Prashant Mehta along with his wife namely Yogita Seth both R/o RZ-56, Second Floor, Back Side, Jain Colony, Part-3, T-Extension., Uttam Nagar, New Delhi-110059, due to their adamant arrogant, disobedience misconduct and misbehavior towards my client and being out of control. My client has severed all relations with them. Anyone dealing with them regarding any type of loan/agreement etc, police cases ie. civil or criminal and any other activities, may do so at his/her own risks, costs and consequences and my client will not be responsible for the same in any manner.
RAJENDER VOHRA ADVOCATE
Chamber No.836, Lawyers Chamber Complex, District Courts Dwarka, Sector 10, New Delhi-110075

NAME CHANGE
I Ifra Ahamed / Ifra Ahmed d/o Mustaqeem Ahmad R/o h.no.1208, street no.39/4, Jafrabad, Seelampur, Delhi-110053, have changed my name to Ifra Ahmed For all future parpose.

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I RAMESH KAMPE S/O KAMPE ODELU Permanent Address - D No-1-104, Mulugupalle, mahamutharam, Mulugupalle, PO: Bayyaram, DIST: Jayashankar Bhupalapally, Telangana 505503, Present R/O 22 BN, ITB POLICE/D COY, TIGRI CAMP, PO- MADANGIR, NEW DELHI-110080, declare that name of mine has been wrongly written as KAMPE RAMESH in my service record. The actual name of mine is RAMESH KAMPE, respectively, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I kanhiya S/O Munshi Ram, R/O B-320/A, Chungi No-2 Balmiki Basti, Lal Kuan, PUL PEHLAD, South Delhi, Delhi -110044,have changed the name of my minor son namely Arpit aged 13 years and he shall hereafter be known as BRIJ.

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I, Lata W/o Sandeep Singh R/o H.No-783 Gali No-7, Near Ravidas Mandir, Govind Puri, Ali, South Delhi, Delhi-110019 declare that name of mine and my minor son has been wrongly written as Lata Singh and Vedhant Singh in my minor son Vedant Singh aged 13 years in his School Records. The actual name of mine and my minor son are Lata and Vedant Singh.

NAME CHANGE
I, PURUSHOTTAM S/O OM PRAKASH AGGARWAL residing at RZ-C1, GALI NO-8, SADH NAGAR, PALAM COLONY, DELHI-110045. have changed my name to PURSHOTTAMDASS AGGARWAL for all future purpose

NAME CHANGE
I Parminder Kumar S/o Amar Chand R/o Flat No.-101/102, Super Avenue, Sarfabad, Sector-73, Noida, Gautam Buddha Nagar, Uttar Pradesh-201301 have changed the name of my minor son Sunpreet aged 14 years and he shall hereafter be known as Saksham Talwar.

NAME CHANGE
I hitherto known as AYESHA Junaid Suriya alias Suriya Ayesha Junaid D/O Junaid Ashraf Suriya,R/O B-152, SAROJ APARTMENT, S-1, SHALIMAR GARDEN MAIN, NEAR SWATI CABALE SAHIBABAD, Ghaziabad, Uttar Pradesh - 201005, have changed my name and shall hereafter be known as SURIYA AYESHA JUNAID.

NAME CHANGE
I, SAHAJBEEN D/O MD KHURSHID resident of H NO-H NO-126, YADAV PARK EXTN, NEAR DAULAT RAM EXTN SCHOOL, NANGLOI, DELHI-110041 have changed my name to SAHJBEEN KHATOON for all future purposes.

NAME CHANGE
I, hitherto known as Nilam devi alias Sunita Devi D/O Ram Raj Mishra W/O: Vishwanath Upadhyay, R/O E/262 SHIV RAM PARK KAMARUDDIN NAGAR, Nilothi, Nilothi, West Delhi Delhi-110041,have changed my name and shall hereafter be known as NILAM DEVI.

NAME CHANGE
It is for general information that I Meeta Chauhan W/O: Darmender Chauhan, R/O X 271-B, Gali No-55, near shiv mandir, Brahampuri, Garhi Mendu, North East Delhi, Delhi-110053, declare that name of mine has been wrongly written as Geeta Chauhan in my minor daughter namely Muskan Chauhan aged 16 years in her 10th class educational document. The actual name of mine is MEETA CHAUHAN,Respectively which may be amended accordingly.

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I Gulshan Kumar S/O SURAJ BALI, RZ-5A/192, GALI NO-12A, DURGA PARK, Palam Village, PO: Palam Village, DIST: South West Delhi, Delhi-110045,declare that name of my father has been wrongly written as Suryabali in my 10th and 12th class educational documents. The actual name of my father is Suraj Bali,respectively which may be amended accordingly.

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I Sarojani Devi D/O Shankar Poddar W/O Naresh Kumar, R/O RZA-200/UBF,BLOCK-A, NIHAL VIHAR, Nangloi, PO: Nangloi, DIST: West Delhi, Delhi-110041, declare that name of mine has been wrongly written as Saroj Kumari in my 9th class transfer certificate. The actual name of mine is SAROJANI DEVI ,which may be amended accordingly.

PUBLIC NOTICE
I hitherto known as Renu Bala Kaushik alias Renu Kaushik D/O Krishan Lal w/O Ashutosh Kaushik R/O 1202, Tower 7, Kalypso court, Jaypee Wish town, Near Axis House, Sector 128, Gautam Buddha Nagar **, Gautam Buddha Nagar, Uttar Pradesh 201301,have changed my name and shall hereafter be known as RENU BALA KAUSHIK.

PUBLIC NOTICE
It is to inform to the public at large that my client SH.DEEPAK SINGH S/O BHOOP SINGH, R/O PLOT NO.88, SAINIK ENCLAVE, PH-2, CRPF ROAD, JHARODA KALAN, PO, DISTRICT SOUTH WEST DELHI, DELHI-110072, his wife namely SOINIA GULIA W/O DEEPAK SINGH, R/O PLOT NO.88, SAINIK ENCLAVE, PH-2, CRPF ROAD, JHARODA KALAN, PO, DISTRICT SOUTH WEST DELHI, DELHI-110072, disowned/debarred his/her brother-in-law/brother namely MR. RITESH KUMAR S/O JAI BHAGWAN, R/O PLOT NO.88, SAINIK ENCLAVE, PHASE-2, CRPF JHARODA, JHARODA KALAN, SOUTH WEST DELHI, DELHI-110072 in future they will not responsible for any act on behalf of Sh. RITESH KUMAR Anyone dealing with them may do so at his/her own risk and consequences. Henceforth my client and his wife have no concern/relation with them in their life time now and they have no responsibility for their acts and omissions
VIPIN SEHRAWAT ADVOCAT
Chamber 330, Dwarka Court,
New Delhi-110075

NAME CHANGE
I hitherto known as Dheeraj Kumar alias Dheeraj Kumar Mishra S/O Ghanshyam Mishra, R/O R/77/2 HARIJAN BASTI COMMUNITY CENTER, SIRASPUR BADLI, SIRASPUR, North West Delhi, Delhi-110042, Have changed my name and shall hereafter be known as Dheeraj Kumar.

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I Din Bandhu S/O PITAMBER DUTT, R/O H.NO-86 AND 86/A 1ST FLR, KH.NO-8/14, BLK-C, NEAR RADHA KISHAN MANDIR,RAJEEV NAGAR, PO: Begumpur, District: North West Delhi, Delhi, 110086, declare that name of mine and my wife has been wrongly written as Deenbandhu and Priti Devi in my minor son namely Prateek Gaur aged 14 years in his school record. The actual name of mine and my wife are Din Bandhu and Preeti Gaur,respectively which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I, DARSHANA CHAUHAN Wife of No. 14867761P Rank-NK/MT Name-BHUPENDER CHAUHAN Presently residing at VPO-SANT NAGARI, TEH+DIST-MEERUT, UTTAR PRADESH-250002, have changed my name from DARSHANA CHAUHAN to DARSHANA for all future purposes vide Affidavit dated 11/07/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, MADHUMALA wife of NO-15222796X Rank-NK Name-PRIYARANJAN KUMAR presently residing at VILL-SAMBHA, PO-MARKAN, TEHSIL-MURUAL, DISTT-MUZAFFARPUR, BIHAR-842001, have changed my name from MADHUMALA to MADHUMALA KUMARI for all future purposes vide Affidavit Dated 12/07/2025 before Notary Public, Delhi

NAME CHANGE
I, ZAKIA W/O MOHD FAROOQ resident of H NO-6869, GALI FATEH PURI WALI, BERI WALA BAGH, NEAR AZAD MARKET, DELHI-110006 have changed my name to ZAKIA KHATOON for all future purposes.

NAME CHANGE
I, MOHD FAROOQ S/O MOHAMMAD ILYAS resident of H NO-6869, GALI FATEH PURI WALI, BERI WALA BAGH, NEAR AZAD MARKET, DELHI-110006 /have changed my name to MOHAMMAD FAROOQ for all future purposes.

कौमी पत्रिका

संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर

स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।

Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002

फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300

E - mail address : qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472

Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

हरियाणा में प्रतीक्षा सूची वाले डॉक्टरों को मिलेगी तैनाती

चंडीगढ़। हरियाणा के स्वास्थ्य विभाग में अब प्रतिक्षा सूची में शामिल रहे डाक्टरों को तैनाती दी जाएगी। इस संबंध में विभाग की तरफ से फाइल मुख्यमंत्री को भेज दी गई है। स्वास्थ्य विभाग में डॉक्टरों के 777 खाली पद भरने की कवायद पिछले कई माह से चल रही है लेकिन अभी तक इन पदों पर शत-प्रतिशत तैनाती नहीं हो पाई है। इन पदों पर भर्ती प्रक्रिया शुरू करने के बाद सरकार की तरफ से 502 डॉक्टरों को नियुक्ति पत्र सौंपे गए थे। जिसके बाद शेष बचे 275 पदों पर भर्ती के लिए वेटिंग लिस्ट में से करीब 126 डॉक्टरों को डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन के बाद नियुक्ति पत्र सौंप जाने हैं। यह डॉक्टर पिछले करीब दो माह से ज्वाइनिंग की इंतजार कर रहे हैं। अभी तक इन्हें नियुक्ति पत्र नहीं मिले हैं। नियुक्ति पत्र से जुड़ी फाइल सीएम नायब सिंह सैनी के पास पहुंच गई है। अब वहां से मंजूरी मिलने के बाद इन डॉक्टरों को नियुक्ति पत्र सौंपे जाएंगे। अभी वेटिंग लिस्ट से जुड़े 126 डॉक्टरों की ज्वाइनिंग नहीं हो पाई है कि विभाग ने वेटिंग लिस्ट से ही जुड़े 58 अन्य डॉक्टरों को दस्तावेजों की जांच के लिए बुलाया है। इन्हें पंचकूला स्थित मुख्यालय पर दस्तावेजों की जांच के लिए बुलाया गया है। प्रदेश में डॉक्टरों के खाली 777 पदों पर भर्ती के लिए रोहतक पीजीआई द्वारा परीक्षा ली गई थी।

भारत को विकसित राष्ट्र बनाने में चार्टर्ड अकाउंटेंट्स की भागीदारी: राव नरबीर सिंह

गुरुग्राम। हम 21वीं सदी में हैं। आप जैसे युवाओं की जिम्मेदारी है कि देश को किस दिशा में लेकर जाना है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने का जो सपना देखा है, उसे साकार करने में चार्टर्ड अकाउंटेंट्स की सक्रिय भागीदारी अत्यंत आवश्यक है। यह बात उन्होंने इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया द्वारा आयोजित दो दिवसीय छात्र सम्मेलन मंथन के उद्घाटन सत्र में कही। राव नरबीर सिंह ने कहा कि भले ही जीएसटी लागू होने के शुरुआती चरणों में लोगों को कुछ कठिनाइयों का सामना करना पड़ा हो, लेकिन इस प्रणाली ने देश की अर्थव्यवस्था में पारदर्शिता और अनुशासन लाने का कार्य किया है। उन्होंने बताया कि सरकार समय-समय पर इसमें आवश्यक सुधार करती रही है और वर्तमान में भी जीएसटी की दरों में कमी को लेकर पुनर्विचार किया जा रहा है, ताकि आमजन को और अधिक राहत मिल सके। उन्होंने छात्रों से कहा कि आज एक चार्टर्ड अकाउंटेंट की भूमिका केवल बैलेंस शीट तैयार करने तक सीमित नहीं रह गई है। एक सीए के रूप में आपकी नैतिक जिम्मेदारी बनती है कि आप अपने ग्राहकों को कर प्रणाली की पारदर्शिता समझाएं, उन्हें ईमानदारी से टैक्स भरने के लिए प्रेरित करें और उन्हें ऐसे सही और ईमानदार कमाई के रास्ते दिखाएं जो कानून के अनुसार हों और देश की अर्थव्यवस्था को मजबूत करने में मदद करें।

नलवा क्षेत्र के गांवों में विकास कार्यों की झड़ी लगी : कुलदीप बिश्नोई

हिसार। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता व पूर्व सांसद कुलदीप बिश्नोई ने कहा है कि नलवा हलके के गांवों में विभिन्न विकास कार्य शुरू हो गए हैं। कई पूरे भी हो गए हैं। ऐसे ही हलके के सभी गांवों में विकास कार्य तेजी से चल रहे हैं। उन्होंने कहा कि गत विधानसभा चुनाव में हमने वादा किया था कि रणधीर पनिहार के चुनाव जीतने और प्रदेश में भाजपा की सरकार बनने पर नलवा हलके में विकास कार्यों की कोई कमी नहीं आने देंगे। कुलदीप बिश्नोई विधायक रणधीर पनिहार के साथ नलवा हलके में विभिन्न विकास कार्यों का शिलायन्स और उद्घाटन कर रहे थे। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सैनी के नेतृत्व में प्रदेश का चहुंमुखी विकास हो रहा है। आदमपुर हो या नलवा क्षेत्र विकास कार्यों की कोई कमी नहीं है। उन्होंने कहा कि उन्हें यह जानकारी बहुत खुशी हुई कि विधानसभा चुनाव में एक वर्ष का भी समय नहीं हुआ है और नलवा में विकास कार्यों की झड़ी लगी है। हलके के गांवों में चौपाल, शैड, खाल निर्माण से लेकर बिजली कनैक्शन से लेकर हर तरह के विकास कार्य प्रगति पर है। करीब 200 करोड़ रूपए के सामूहिक काम इस वक्त नलवा हलके में चल रहे हैं।

आढ़तियों व किसानों की वर्षो पुरानी मांग हुई पूरी

जींद। बारिश के मौसम हर साल पुरानी मंडी में होने वाले जलभराव की समस्या अब दूर होगी। आढ़तियों, किसानों द्वारा इस समस्या को लेकर कुछ माह पहले विधायक देवेंद्र चतरभुज अत्री को अवगत करवाया था। विधायक द्वारा मंडी से बारिश के पानी की निकासी का पुख्ता प्रबंध करते हुए यहां पर पानी निकासी को लेकर लगाई गई 25 हार्स पॉवर की मोटर की जगह 50 हार्स पॉवर की मोटर को मंजूर करवाया। यहां पर करीब साढ़े सात लाख रुपये की लागत से 50 हार्स पॉवर की मोटर मार्केटिंग बोर्ड रख दी गई है। अब बारिश के मौसम में बारिश के पानी की निकासी साथ-साथ तेज गति से होगी। मंडी में जलभराव की जो समस्या करीब 30 साल से चली आ रही थी उस समस्या का समाधान होगा। आढ़ती सुरेश, रामनिवास, सतपाल ने कहा कि मंडी में जलभराव की समस्या कोई नई नही है बल्कि वर्षो पुरानी है। यहां पर ड्रेन बनने के बाद भी पानी की निकासी साथ-साथ नहीं हो रही थी। कुछ माह पहले जब विधायक देवेंद्र चतरभुज अत्री मंडी के दौरे पर थे तो यहां पर जो मोटर 25 हार्स पॉवर की थी, उसकी जगह 50 हार्स पॉवर की मोटर रखे जाने की मांग की थी।

ज्यादा से ज्यादा लोग पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना का लाभ उठाकर बिजली बिल कम करें: नायब सैनी

एजेंसी

कैथल। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी कैथल के गांव प्योदा में प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के तहत आयोजित कार्यक्रम में पहुंचे। यहां उन्होंने सर्वप्रथम इस योजना के लाभार्थी के घर की छत पर लगे सोलर रूफटॉप सिस्टम को देखा और इसके लाभ के बारे में जानकारी ली। मुख्यमंत्री ने कहा कि हरियाणा में इस योजना की शुरूआत भी कैथल जिले से ही हुई थी और आज उन्होंने स्वयं लाभार्थी के घर पर इस सोलर सिस्टम को देखा है। सोलर सिस्टम से जहां एक ओर हमें ग्रीन ऊर्जा मिलती है, वहीं लोगों को बिजली के बिलों में भी बड़ी राहत मिल रही है। मुख्यमंत्री ने प्रदेश के लोगों से आह्वान किया कि ज्यादा से ज्यादा संख्या में प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना का लाभ उठाएं और अपने बिजली बिल को कम से कम करें। इसके साथ-साथ मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार ने

पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना के तहत प्रदेश में 1 लाख घरों की छतों पर मुफ्त में 2 किलोवाट के सोलर सिस्टम लगाने का लक्ष्य रखा है। यह सिस्टम अंत्योदय परिवारों के घरों की छतों पर लगाया जा रहा है। जैसे ही 1 लाख परिवारों का लक्ष्य पूरा होगा, अगले 1 लाख और परिवारों को इस योजना का लाभ दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि अभी तक 26 हजार परिवार इस योजना का लाभ ले चुके हैं। कैथल में अभी तक 1707 परिवारों ने योजना के अंतर्गत सोलर सिस्टम लगवाया है।

भारी-भरकम बिलों से मिल रही निजात: मुख्यमंत्री ने कहा कि जिन परिवारों की वार्षिक आय 1 लाख 80 हजार रुपये तक है, उन परिवारों को केंद्र सरकार और राज्य सरकार सोलर सिस्टम लगवाने पर सब्सिडी दे रही है। इससे लोगों को भारी-भरकम बिलों से निजात मिल रही है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रयासों से यह योजना शुरू हुई और इस तरह का सिस्टम खड़ा हुआ। उन्होंने योजना का लाभ लेने वाले समस्त लाभार्थियों को बधाई दी।

हरियाणा में 24 घंटे मिल रही बिजली: नायब सिंह सैनी ने कहा कि आज प्रदेश के साढ़े 6 हजार गांवों में से 5800 से ज्यादा गांवों को म्हारा गांव जगमग गांव योजना के अंतर्गत 24 घंटे बिजली मिल रही है।

मील का पत्थर बनेगा अनुसंधान केंद: डा. अरविंद शर्मा

एजेंसी

सोनीपत। गांव मोहाना स्थित बाबा नैना नाथ जी डेरा परिसर में बाबा सुमर नाथ अनुसंधान एवं वेलनेस सेंटर का शिलान्यास सहकारिता, कारागार, निर्वाचन, विरासत व पर्यटन मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा ने किया।

शिवा ग्रुप ऑफ इंस्टीटूशन्स एंड चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा शुरू की गई यह पहल स्वास्थ्य सिद्धि के रूप में ग्रामीणों को प्राकृतिक व आयुर्वेदिक चिकित्सा से लाभ पहुंचाएगी। डॉ. शर्मा ने कहा कि यह केंद्र समाज कल्याण, प्राकृतिक चिकित्सा और आयुर्वेदिक शोध के क्षेत्र में कार्य करेगा, जिससे हमारी प्राचीन परंपराएं फिर से जीवित होंगी।

उन्होंने बताया कि भारत में पहले प्राकृतिक व आयुर्वेदिक पद्धतियों से ही लोगों का उपचार होता था, जिसे फिर से अपनाने के प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री द्वारा शुरू की गई आयुष्मान भारत योजना ने गरीबों को अच्छे अस्पतालों में मुफ्त इलाज की सुविधा दी है।

हरियाणा सरकार ने इसे विस्तार देते हुए चिरायु योजना शुरू की है, जिसके तहत अब 1.80 लाख रुपये वार्षिक आय वाले परिवार भी 5 लाख रुपये तक का मुफ्त इलाज प्राप्त कर सकते हैं। डॉ. शर्मा ने कहा कि डबल इंजन सरकार अंत्योदय की भावना से कार्य करते हुए गरीबों को मुफ्त राशन, आवास और स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध करवा रही है। इस अवसर पर भाजपा जिलाध्यक्ष बिजेन्द्र मलिक, नरेन्द्र गहलावत, राकेश शर्मा, सरपंच नरेन्द्र, मोनू बागड़ू सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

लोक अदालत में 10 करोड़ की राशि का हुआ सेटलमेंट

एजेंसी

जींद। राष्ट्रीय एवं हरियाणा राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशानुसार जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा जिला न्यायालय परिसर में लोक अदालत का आयोजन किया गया। यह आयोजन जिला एवं सत्र न्यायाधीश तथा अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण यशवीर सिंह राठौर की देखरेख में संपन्न हुआ। मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी मोनिका ने लोक अदालत के उद्देश्य और लाभों की जानकारी दी और इसे न्यायिक प्रणाली का एक सुलभ माध्यम बताया। उन्होंने बताया कि इस लोक अदालत में कुल 14,421 मामलों को लिया गया। जिनमें से 13,635 मामलों का निपटारा आपसी सुलह और समझौते के माध्यम से किया गया है। जिससे पक्षकारों को शीघ्रए सस्ता न्याय प्राप्त हुआ। लोक अदालत में मोटर वाहन दुर्घटना से संबंधित 319 मामलों में पांच करोड़ 82 लाख 61 हजार 616 की मुआवजा राशि निर्धारित की गई। हिंदू विवाह अधिनियम से संबंधित 176

मामलों का समाधान किया गया। इसके अलावा चेक बाउंस के 308, दीवानी मामलों के 9187, बैंक रिकवरी के 101, अन्य आपराधिक मामलों के 3004 तथा अन्य श्रेणी के 544 मामलों का भी निपटारा किया गया। इन मामलों में 13,70,000 की अतिरिक्त राशि का समाधान किया गया। इस प्रकार कुल मिलाकर लोक अदालत में 10,08,19,709 की राशि का समाधान आपसी सुलह के माध्यम से किया गया। मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी मोनिका ने यह भी बताया कि अगली राष्ट्रीय लोक अदालत 13सितंबर को आयोजित की जाएगी।

राष्ट्रीय लोक अदालत में 82 हजार से अधिक मामलों का हुआ निपटारा

एजेंसी

गुरुग्राम। जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण गुरुग्राम द्वारा जिला न्यायालय परिसर में आयोजित राष्ट्रीय लोक अदालत में 82 हजार से अधिक मामलों का निपटारा किया गया। इन केसों में 18 करोड़ से अधिक की राशि का समझौता हुआ। राष्ट्रीय लोक अदालत पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय के न्यायाधीश एवं कार्यकारी अध्यक्ष, हरियाणा राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशन में और जिला एवं सत्र न्यायाधीश तथा चेयरमैन जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण गुरुग्राम चंद्र शेखर के मार्गदर्शन में लगाई गई। गुरुग्राम जिला न्यायालय में 25 पीठों के अलावा उप-मंडल सोहना और पटौदी में एक-एक बेंच का गठन किया गया। कुल 27 बेंचों पर लोक अदालत में सुनवाई की। मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी एवं जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण के सचिव रमेश चंद्र ने बताया कि गुरुग्राम, सोहना और पटौदी की बेंचों में सभी श्रेणियों के कुल 1,27,999 मामलों को लिया गया, जिनमें से 82,609

मामलों का निपटारा आपसी समझौते के आधार पर किया गया। इस दौरान 18 करोड़ रुपये से अधिक की राशि के मामलों का समाधान हुआ। प्रत्येक बेंच पर एक-एक पैनल अधिवक्ता की नियुक्ति की गई, जिन्होंने अदालतों और डीएलएसए की सहायता करते हुए पक्षकारों के बीच समझौते तैयार कराने में योगदान दिया। लोगों की सुविधा के लिए ट्रैफिक चालान भुगतान हेतु गेट नंबर-2 के पास ट्रैफिक हेल्प डेस्क लगाई गई, जिससे लोगों को चालान निकालने और निपटान में किसी प्रकार की असुविधा नहीं हुई। इस लोक अदालत में बड़ी संख्या में लोगों ने भाग लेकर अपने मामलों का त्वरित और सौहार्दपूर्ण समाधान प्राप्त किया।

मेनहॉल खुले मिले तो नपेंगे क्षेत्र के अधिकारी

- **नगर निगम गुरुग्राम के आयुक्त ने संबंधित अधिकारियों से कही यह बात**
- **गुरुग्राम नगर निगम ने शुरू किया तीन दिवसीय विशेष अभियान**

एजेंसी

गुरुग्राम। शहर की सडक़ों, गलियों में खुले और टूटे सीवरेज मेनहोल से हो रहे हादसों को लेकर गुरुग्राम नगर निगम आयुक्त सख्त हो गए हैं। उन्होंने संबंधित अधिकारियों के साथ विशेष बैठक करके साफ कह दिया कि ढक्कनों की मरम्मत के लिए तीन दिन की विशेष अभियान चलाएं। वरिष्ठ अधिकारी मंगलवार को शहर का दौरा करेंगे। अगर किसी भी संबंधित अधिकारी के क्षेत्र में कोई कमी पायी गई तो सख्त कार्रवाई होगी।नगर निगम आयुक्त प्रदीप दहिया ने सभी कार्यकारी अभियंताओं, सहायक अभियंताओं व कनिष्ठ अभियंताओं को स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि शनिवार, रविवार और सोमवार को अपने-अपने क्षेत्रों में सक्रिय रूप से निरीक्षण करके खुले मैनहोल या टूटे ढक्कनों तत्काल दुरुस्त कराएं।चीफ इंजीनियर विजय

ढाका स्वयं इस विशेष अभियान की निगरानी करेंगे और रिपोर्ट सीधे उन्हें को सौंपेंगे। बैठक के दौरान निगमायुक्त प्रदीप दहिया ने इंजीनियरों को दो टूक कहा कि इस कार्य में किसी भी प्रकार की ढिलाई बर्दाश्त नहीं की जाएगी। अगर खुले मेनहोल की वजह से किसी प्रकार की दुर्घटना होती है तो संबंधित इंजीनियर को किसी भी कीमत पर नहीं बख्शा जाएगा। साथ ही यदि किसी स्थान पर मरम्मत का कार्य चल रहा है तो वहां पर्याप्त सुरक्षा घेरा और चेतावनी बोर्ड अनिवार्य रूप से लगाया जाए। निगमायुक्त ने यह भी दोहराया कि निगम क्षेत्र में किसी भी स्थिति में मैनुअल स्कैवेंजिंग का मामला सामने नहीं आना चाहिए। सभी मैनहोल कार्यों में सुरक्षा मानकों और मशीनरी का उपयोग सुनिश्चित किया जाए।

ड्रेनेज व सीवरेज सफाई कार्यों में तेजी लाने के निर्देश

निगमायुक्त ने भारी बारिश के दौरान एमसीजी टीम द्वारा किए गए कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि टीम ने बेहतर प्रदर्शन किया है और आने वाले समय में इसी जोश और समर्पण के साथ कार्य करना है। उन्होंने निर्देश दिए कि ड्रेनेज सफाई कार्यों को यथाशीघ्र पूरा किया जाए और जलभराव वाले स्थानों पर मैनपावर, पंप और अन्य संसाधनों की तैनाती पहले से सुनिश्चित हो। इस महत्वपूर्ण बैठक में अतिरिक्त निगमायुक्त यश जालुका व रविंद्र यादव, संयुक्त आयुक्त डॉ. नरेश कुमार, विशाल कुमार, डॉ. जयवीर यादव व सुमित कुमार, चीफ इंजीनियर विजय ढाका सहित सभी कार्यकारी अभियंता, सहायक अभियंता, कनिष्ठ अभियंता और वरिष्ठ सफाई निरीक्षक उपस्थित रहे।

पौधों को बच्चों की तरह पालें, तभी वे एक मजबूत पेड़ बन पाएंगे: कंवर सिंह

एजेंसी

नारनौल। महेंद्रगढ़ के विधायक कंवर सिंह यादव ने पौधे लगाकर लोगों को पर्यावरण के संबंध में जागरूक किया। उन्होंने जाटवास मोड़ से कैंची मोड़ तक डिवाइडर पर 61 पौधे लगाए। उन्होंने कहा कि पौधों को बच्चों की तरफ पालना चाहिए, तभी वे मजबूत पेड़ बन पाते हैं। विधायक कंवर सिंह यादव ने ग्रामीणों से अधिक से अधिक पौधे लगाने की अपील की और इस दिशा में हरसंभव सहयोग देने का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि हर वर्ग की भागीदारी पर्यावरण को बचाने में जरूरी है। उन्होंने कहा कि पौधों को बच्चों की तरह पालना पड़ता है, तभी वे एक मजबूत पेड़ बन पाते हैं। मौके पर मौजूद सभी लोगों ने एक-एक पौधे को गोद लेकर उन्हें पालने-पोसने का संकल्प लिया। विधायक द्वारा लगाए गए पौधों में 13 बोटल पाम, 17 अशोक, 21 कनेर और 10 कोनोकारपस शामिल हैं।

प्रदेश में हर वर्ग की खुशहाली के लिए सरकार कर रही विकास कार्य: पंवार

एजेंसी

पानीपत। हरियाणा के पंचायत और खनन मंत्री कृष्णलाल पंवार ने जिला सचिवालय स्थित उपायुक्त कार्यालय में विभिन्न विभागों के अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक कर क्षेत्र में सरकार द्वारा कराए जा रहे विकास कार्यों की प्रगति जानी व आवश्यक दिशा निर्देश दिए। मंत्री ने कहा कि सरकार प्रदेश में विकास को प्राथमिकता देकर तेजी से विकास कार्य कर रही है। ग्रामीण व शहरी क्षेत्र में समानता पूर्वक विकास कार्य कराए जा रहे हैं। कैबिनेट मंत्री ने कहा कि अधिकारी जहां-जहां विकास कार्य हो रहे हैं उन स्थानों का समय निकाल कर निरीक्षण भी करें और कार्य में और तेजी लाने का प्रयास करें। उन्होंने बताया की खंड मडलौडा में मनरेगा के तहत खेतों के रास्ते पक्के करने का कार्य किया जा रहा है। कुल 24 रास्तों में ज्यादातर का कार्य पूर्ण हो चुका है।

इसराना खंड के खेतों के कुल 20 रास्तों को बनाने का काम तेजी से किया जा रहा है। इसमें कुछ का कार्य बचता है जिसे जल्द पूरा कर लिया जाएगा। कैबिनेट मंत्री ने इस दौरान संबंधित विभाग के

अधिकारियों से खेत खलियान योजना की प्रगति की जानकारी भी ली। उपायुक्त डॉक्टर विरेंदर कुमार दहिया ने कैबिनेट मंत्री कृष्ण लाल पंवार को बताया कि सभी विकास कार्य निश्चित समय अवधि में पूर्ण किए जाएंगे। जिन - जिन विभागों के अंतर्गत ये विकास कार्य आते हैं उन विभागों के अधिकारियों को इन विकास कार्यों में और तेजी लाने के निर्देश दिए गए है। इस मौके पर सीईओ डॉक्टर किरण के अलावा कार्यक्रम अधिकारी रणसिंह वर्मा के अलावा कई अन्य विभागो के अधिकारी मौजूद रहे।

हरियाणा के लाल ने यूरोप की सबसे ऊंची चोटी पर फहराया तिरंगा

एजेंसी

हिसार। हरियाणा के लाल हिसार जिले के नलवा हलके के गांव मिंगनी खेड़ा के बेटे पर्वतारोही नरेंद्र कुमार ने दुनिया की सबसे दुर्गम और यूरोप की सबसे ऊंची चोटी माउंट एल्ब्रुस पर सुबह अपनी चढ़ाई पूरी करके भारतीय तिरंगा फहराया है। पर्वतारोही नरेंद्र कुमार ने अपनी इस उपलब्धि से हरियाणा ही नहीं बल्कि पूरे देशवासियों को गौरवान्वित किया है। पर्वतारोही नरेंद्र कुमार ने दुनिया की सबसे दुर्गम और यूरोप की सबसे ऊंची चोटी माउंट एल्ब्रुस जिसकी चढ़ाई 5,642 मीटर है, पर तिरंगा झंडा फहराने के साहसी अभियान की शुरुआत 07 जुलाई 2025 को शुरू किया और अपनी इस माउंटेनियरिंग को 12 जुलाई 2025 को सुबह 05ः30 बजे तिरंगा फहराया। उनकी इस उपलब्धि के लिए कैबिनेट मंत्री रणबीर गंगवा ने अपनी शुभकामनाएं दी। पर्वतारोही नरेंद्र कुमार ने अपनी माउंटेनियरिंग की यात्रा 2019 में अटल बिहारी इंस्टीट्यूट, मनाली से बेसिक कोर्स से शुरू की थी, और इसे 2021 में हिमालयन माउंटेनियरिंग इंस्टीट्यूट, दार्जिलिंग में एडवांस कोर्स से आगे बढ़ाया। पर्वतारोही नरेंद्र कुमार के पिता, सुभाष चंद्र, जो एक्साइज एंड टैक्सेशन ऑफिसर के पद से रिटायर हैं, ने हमेशा उनका समर्थन किया है।पर्वतारोही नरेंद्र कुमार की आज से पहले की महत्वपूर्ण उपलब्धियांपर्वतारोही नरेंद्र कुमार ने इससे पहले पर्वतारोहण में कई राष्ट्रीय और विश्व स्तरीय उपलब्धियां हासिल की हैं, जिनमें हाल ही 2025 में विश्व की सबसे खतरनाक चोटियों में से एक माउंट अन्नपूर्णा जिसकी ऊंचाई 8,091 मीटर है, पर तिरंगा झंडा फहरा कर हरियाणा का पहला पर्वतारोही बनने का गौरव हासिल करके एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की थी। माउंट किलिमंजारो पर 5 दिनों में 2 बार चढ़ाई करके विश्व रिकॉर्ड बनाना शामिल है। पर्वतारोही नरेंद्र कुमार हरियाणा के पहले व्यक्ति हैं जिन्होंने माउंट ल्होत्से (8516 मीटर) पर चढ़ाई की है ।

राष्ट्रीय लोक अदालत में 29 हजार केसों का निपटारा

एजेंसी

सिरसा। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा न्यायालय परिसर सिरसा, उपमंडल न्यायालय परिसर डबवाली व ऐलनाबाद में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया गया है। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव एवं मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी प्रवेश सिंगला ने बताया कि इस लोक अदालत में सभी तरह के न्यायालयों में विचाराधीन केस निपटारे के लिए रखे गये थे।

जिनमें मुख्यतः चेक बाउंस, बैंक रिकवरी, मोटर वाहन दुर्घटना, घरेलू विवाद, बिजली व पानी से संबंधित विवाद, दिवानी व फौजदारी विवाद आदि शामिल थे। इस लोक अदालत में न्यायालयों में विचाराधीन 31277 केसों में से 29501 केसों का निपटारा किया गया, जिनमें 18,05,75,897 की राशि समायोजित की गई। उन्होंने बताया कि नेशनल लोक अदालत में कुल 6 बैंचों का गठन किया गया,जिसमें अतिरिक्त प्रधान न्यायाधीश फैमिली कोर्ट सुमित गर्ग, अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश नवजीत क्लेयर,

न्यायिक दंडाधिकारी एवं प्रिंसिपल मजिस्ट्रेट जेजेबी/ अतिरिक्त सिविल जज (सीनियर डिविजन) राकेश कादयान, सिविल जज (जूनियर डिविजन) एवं उपमंडल न्यायिक दंडाधिकारी ऐलनाबाद आशीष आर्य द्वारा लोक अदालत लगाई गई। उन्होंने बताया कि लोक अदालत की प्रक्रिया बड़ी सरल एवं संक्षिप्त है, क्योंकि इसमें दोनों पक्षों को आमने-सामने बैठाकर बातचीत द्वारा समझौता करवाया जाता है, जिससे

NAME CHANGE

I, Jyoti D/o Subhash R/o House No-2285, Ward No-11, Near I P S School , Nehru Colony ,Rohtak, Haryana-124001 hereby undertake that I Jyoti want to change my name to Mihir and gender as male. I Jyoti henceforth be known as Mihir S/o Subhash

NAME CHANGE

I hitherto known as ANUJ S/o YAJVENDER SINGH, residing at H.NO.500, Kharkara, Khar Khara (127), Hisar Haryana-125033, have changed my name and shall hereafter be known as Anuj Bamel.

मुख्यमंत्री के दौरे को लेकर डीसी ने किया जुलाना का दौरा

एजेंसी

जींद। आगामी 19 जुलाई को मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के जिला के उपमंडल जुलाना व गांव नंदगढ़ में प्रस्तावित दौरे को लेकर डीसी मोहम्मद इमरान रजा ने जुलाना व नंदगढ़ का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने जुलाना के विश्राम गृह में अधिकारियों के साथ बैठक की। उन्होंने कहा कि संबंधित विभाग प्रस्तावित दौरे को लेकर सभी तैयारियां मुक्कमल रखें। इसी दिन दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता का उनके पैतृक गांव नंदगढ़ में ग्रामीणों के साथ जन्मदिन मनाने का कार्यक्रम भी प्रस्तावित है। डीसी मोहम्मद इमरान रजा ने सबसे पहले जुलाना की अनाज मंडी में बनाए जाने वाले हेलीपैड वाले स्थान का

निरीक्षण करके सुरक्षा की दृष्टि से आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उसके बाद अग्रसेन भवन जिसका उद्घाटन प्रस्तावित है, वहां का जायजा लिया। डीसी ने जुलाना की स्वामी गौरक्षानंद गौशाला में पहुंच कर निरीक्षण किया। यहां पर भी मुख्यमंत्री के आगमन का कार्यक्रम प्रस्तावित है। डीसी ने इसके बाद गांव नंदगढ़ में पहुंच कर स्टेडियम में कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर किए जा रहे पुख्ता इंतजामों की फीडबैक ली और अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे इस कार्यक्रम को देखते हुए गंभीरता से कार्य करें। वाहन की पार्किंग, पेयजल की व्यवस्था तथा अन्य मूलभूत इंतजाम समय रहते पूरे हो जाने चाहिएं। उन्होंने नंदगढ़ स्टेडियम के हॉल में ग्रामीणों से कार्यक्रम के बारे में चर्चा की।

NAME CHANGE

I, VIKAS GUPTA S/o DEVI PRASAD GUPTA R/o 141/28, Chaudhary Colony, Near Geeta Bhawan, Jyoti Park, Gurgaon, Haryana-122001, have changed the name of my minor daughter CHAVI GUPTA aged 14 years and she shall be hereafter known as ASHVI GUPTA.

ताइवान-वियतनाम की कंपनियां भारत में 'फुटवियर' क्षेत्र में करेंगी निवेश

कंपनियों को सरकारी समर्थन की जरूरत

नई दिल्ली ।

भारत का गैर-चमड़ा फुटवियर उद्योग विदेशी निवेश के एक नए अवसर की ओर बढ़ रहा है। ताइवान और वियतनाम की प्रमुख कंपनियां इस क्षेत्र में निवेश को इच्छुक हैं। चमड़ा निर्यात परिषद (सीएलई) के एक अधिकारी ने बताया कि इन देशों की कंपनियां भारत में उत्पादन इकाइयां स्थापित करना चाहती हैं, लेकिन इसके लिए सरकार से नीति और लॉजिस्टिक सहयोग जरूरी होगा। इन कंपनियों को चीन से सोल, सांचे, मशीनरी और कपड़े जैसे उत्पाद आयात करने पड़ते हैं। ऐसे में भारत सरकार को इनके आयात को सुगम बनाने की दिशा में काम करना चाहिए। अे धिकारी ने बताया कि भारत का फुटवियर निर्यात 2024-25 में 5.75 अरब डॉलर रहा और 2025-26 तक इसे 7 अरब डॉलर तक पहुंचाने का लक्ष्य रखा गया है। अमेरिका इस क्षेत्र का सबसे बड़ा बाजार है, जहां 20 फीसदी भारतीय निर्यात जाता है, इसके बाद ब्रिटेन (11 फीसदी) और जर्मनी आते हैं। उन्होंने अमेरिका के साथ व्यापार समझौते की वकालत करते हुए कहा कि वर्तमान 18.5 फीसदी शुल्क को कम कर बाजार हिस्सेदारी बढ़ाई जा सकती है। उन्होंने सरकार से फुटवियर क्षेत्र के लिए केंद्रित उत्पाद योजना शुरू करने की मांग भी की। ग्रोमोर इंटरनेशनल लिमिटेड के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि तमिलनाडु में पहले ही कुछ ताइवानी कंपनियां निवेश कर चुकी हैं और उत्तर प्रदेश-बिहार जैसे राज्यों में किफायती श्रम बल को देखते हुए यहां भी निवेश की भारी संभावना है। विदेशी तकनीक के सहयोग से घरेलू उत्पाद की गुणवत्ता बढ़ेगी और रोजगार के अवसर भी सृजित होंगे।

हुडको ने एमपी सरकार के साथ 1 लाख करोड़ का करार किया

- शेयर की कीमत 230 रुपए के आसपास

नई दिल्ली ।

हाउसिंग एंड अर्बन डेवलपमेंट कॉरपोरेशन लिमिटेड (हुडको) ने मध्य प्रदेश अर्बन डेवलपमेंट कंपनी लिमिटेड (एमपीयूडीसीएल) के साथ 1 लाख करोड़ का मेमोरेंडम ऑफ अंडरस्टैंडिंग (एमओयू) साइन किया है। इस करार के तहत हुडको अगले पांच वर्षों में राज्य में हाउसिंग और इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करेगा। इसके अलावा कंपनी कंसल्टेंसी और निर्माण कार्य में भी सहयोग करेगी। इस समझौते पर हस्ताक्षर समारोह हाल ही में इंदौर में आयोजित हुआ, जिसमें मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, मंत्री कैलाश विजयवर्गीय और हुडको के सीएमडी संजय कुलश्रेष्ठ मौजूद थे। यह करार शहरी विकास को गति देने और नागरिक सुविधाएं बेहतर बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम माना जा रहा है। हुडको ने वित्त वर्ष 2024-25 की चौथी तिमाही में शानदार प्रदर्शन किया। कंपनी का शुद्ध मुनाफा 4 फीसदी बढ़कर 728 करोड़ रुपए रहा, जबकि नेट इंटरेस्ट इनकम में 26 फीसदी की बढ़त दर्ज की गई। एयूएम में 35 फीसदी की वृद्धि और ग्रॉस एनपीए घटकर

1.67 फीसदी हो गया। कंपनी ने 1.05 रुपए प्रति शेयर का फाइनल डिविडेंड देने की सिफारिश की है। शुक्रवार को बीएसई पर हुडको का शेयर 230.65 पर बंद हुआ, जिसमें 0.28 फीसदी की मामूली गिरावट रही।

बीते सप्ताह घरेलू तेल-तिलहन के दामों में मजबूती, सावन में मांग बढ़ी

- कच्ची घानी मिलों की मांग बढ़ने से सरसों तेल-तिलहन के दाम मजबूत हुए

नई दिल्ली ।

बीते सप्ताह घरेलू तेल-तिलहन बाजार में विदेशी बाजारों में खाद्य तेलों की कीमतों में सुधार और सावन के मौसम में बढ़ी मांग के कारण सरसों, मूंगफली, सोयाबीन, कच्चा पामतेल (सीपीओ), पामोलीन और बिनौला तेल के दामों में मजबूती देखने को मिली। हालांकि, सोयाबीन तिलहन की कीमतें कमजोर मांग के चलते गिरावट के साथ बंद हुईं। बाजार सूत्रों के अनुसार सावन के मौसम में पारंपरिक तौर पर खाद्य तेलों की मांग बढ़ती है, जिससे घरेलू बाजार में तेल-तिलहन के दाम सुधरे। खासतौर पर कच्ची घानी मिलों की मांग बढ़ने से सरसों तेल-तिलहन के दाम मजबूत हुए। सरकार के पास मौजूद सरसों के स्टॉक को संभलकर बेचना होगा, क्योंकि नई फसल आने में अभी 7-8 महीने का समय बचा है। विशेषज्ञों का सुझाव है कि सरकार को स्टॉकिस्टों के बजाय तेल मिलों को सरसों बेचनी चाहिए ताकि वे पेराई के बाद तेल को बाजार में उतारने की गारंटी दें। सोयाबीन डी-आयल्ड केक के दाम ऊंचे होने से उसकी मांग

कमजोर रही, जिससे सोयाबीन तिलहन के दाम गिरावट के साथ बंद हुए। वहीं, सोयाबीन तेल की कीमतों में सुधार रहा क्योंकि इसकी कीमतें आयातकों के लागत से कम हैं और सरसों- सूरजमुखी तेल की तुलना में सस्ती हैं। मूंगफली के दाम एमएसपी से करीब 15 प्रतिशत नीचे हैं, लेकिन निर्यात की उम्मीद और व्रत के कारण मूंगफली तेल की मांग बढ़ी है। बीते सप्ताह सरसों दाने का थोक भाव 7,050-7,100 रुपये प्रति क्विंटल, सरसों तेल का भाव 15,450 रुपये प्रति क्विंटल पर पहुंच गया। सोयाबीन दाने और लूज के दाम गिरावट के साथ 4,350-4,400 रुपये और 4,050-4,150 रुपये पर बंद हुए। मूंगफली तिलहन और तेल के दामों में भी सुधार दर्ज हुआ। सरकार को खाद्य तेलों के खुदरा दामों पर नियंत्रण के लिए एक पोर्टल बनाने पर विचार करना चाहिए, जिससे एमआरपी की जानकारी पारदर्शी हो और कीमतों में तेजी को रोका जा सके।

भारत में अब कई प्रीमियम और खास इलेक्ट्रॉनिक उत्पाद भी बनने लगे

- डिक्सन टेक्नोलॉजीज यूरेका फोर्ब्स के साथ मिलकर भारत में ही बना रही रोबोट वैक्यूम क्लीनर

नई दिल्ली। भारत में अब सिर्फ स्मार्टफोन या टीवी ही नहीं, बल्कि कई प्रीमियम और खास इलेक्ट्रॉनिक उत्पाद भी बनने लगे हैं। इनमें रोबोट वैक्यूम क्लीनर, कॉफी मेकर, बिल्ट-इन रेफ्रिजरेटर और एयर फ्रायर जैसे उपकरण शामिल हैं, जो पहले पूरी तरह से विदेशों से मंगाए जाते थे। यह बदलाव सरकार की नई नीति, खासकर बीआईएस (ब्यूरो आफ इंं डियन स्टैंडर्ड) के क्वालिटी कंट्रोल ऑर्डर (क्यूसीओ) के कारण आया है। क्यूओसी का मकसद है कि भारत में बनने वाले इलेक्ट्रॉनिक सामानों की गुणवत्ता अंतरराष्ट्रीय स्तर की हो, और विदेशी कंपनियों से आने वाले सामानों पर नियंत्रण लगाया जा सके। इन नियमों के चलते अब इन उत्पादों को भारत में बेचने से पहले बीआईएस से प्रमाणन लेना जरूरी हो गया है। इससे स्थानीय निर्माण को बढ़ावा मिल रहा है। इसी दिशा में डिक्सन टेक्नोलॉजीज ने यूरेका फोर्ब्स के साथ मिलकर भारत में ही रोबोट वैक्यूम क्लीनर बनाना शुरू किया है। डिक्सन के मैनेजिंग डायरेक्टर का कहना है कि बीआईएस के नियमों से प्रीमियम ब्रांड भी अब छोटे बाजारों के बावजूद भारत में निर्माण पर विचार कर रहे हैं। यह कंपनियों के लिए एक अच्छा अवसर है। जर्मनी की कंपनी ने औरंगाबाद में बिल्ट-इन रेफ्रिजरेटर बनाने का प्लांट शुरू किया है, जबकि भारत में इसकी वार्षिक बिक्री केवल 14,000-15,000 यूनिट है। कंपनी को उम्मीद है कि अगले पांच साल में यह बाजार एक लाख यूनिट तक पहुंच जाएगा। देश की बड़ी घरेलू कंपनियां जैसे हैवेल्स और क्राम्पटन ग्रीव्स भी अब इम्पोर्ट घटाकर भारत में निर्माण को प्राथमिकता दे रही हैं। हालांकि हर एक कैटेगरी का बाजार अभी छोटा है, लेकिन कुल मिलाकर यह करीब 12,000ङ्क13,000 करोड़ का है। विशेषज्ञों का मानना है कि बीआईएस के नियमों से भारत में प्रीमियम इलेक्ट्रॉनिक्स का निर्माण तेज़ी से बढ़ेगा और देश आत्मनिर्भरता की ओर एक और मजबूत कदम बढ़ाएगा।

व्यापार वार्ता, तिमाही नतीजे और मुद्रास्फीति आंकड़े तय करेंगे शेयर बाजार की दिशा

- वैश्विक संकेतक और विदेशी निवेशकों की गतिविधियां भी बाजार की चाल को प्रभावित करेंगी

मुंबई ।

आगामी सप्ताह भारतीय शेयर बाजार के लिए अहम रहने वाला है, जिसमें निवेशकों की नजर कई बड़ी कंपनियों के तिमाही नतीजों, भारत-अमेरिका व्यापार वार्ता और प्रमुख मुद्रास्फीति आंकड़ों पर रहेगी। विशेषज्ञों का मानना है कि इन घटनाक्रमों के साथ-साथ वैश्विक संकेतक और विदेशी निवेशकों की गतिविधियां बाजार की चाल को प्रभावित करेंगी। एक वित्तीय सेवा प्रदाता कंपनी के वरिष्ठ विश्लेषक के अनुसार भारत-अमेरिका व्यापार समझौते को लेकर जारी अनिश्चितता के चलते निवेशक सतर्क हैं। जब तक इस वार्ता से कोई ठोस नतीजा सामने नहीं आता, बाजार में सकारात्मक रुख बनना मुश्किल है। इसके अलावा कंपनियों के पहली तिमाही के वित्तीय नतीजे भी बाजार की दिशा तय करेंगे। इस सप्ताह एचसीएल टेक, टेक महिंद्रा, एक्सिस बैंक, विप्रो और जेएसडब्ल्य स्टील जैसी दिग्गज कंपनियों के नतीजे आएंगे। पिछले सप्ताह बाजार में गिरावट देखी गई, जो निराशाजनक नतीजों की शुरुआत और वैश्विक व्यापार शुल्क संबंधी चिंताओं के कारण हुई थी। बाजार के जानकारों ने कहा कि 14 जुलाई को जारी होने वाले थोक मूल्य सूचकांक और खुदरा मुद्रास्फीति के आंकड़े भी बाजार के लिए निर्णायक रहेंगे। इसके अलावा, वैश्विक स्तर पर अमेरिकी मुद्रास्फीति और चीन के सकल घरेलू उत्पाद के आंकड़ों पर भी निवेशकों की नजर रहेगी। उनका कहना है कि तिमाही नतीजों के चलते कुछ शेयरों में तेज उतार-चढ़ाव देखने को मिल सकता है। उन्होंने कहा कि व्यापार वार्ता की अनिश्चितता बाजार पर दबाव बनाए रख सकती है। निवेशकों को फिलहाल सतर्क रहने और प्रमुख घटनाक्रमों पर नज़र बनाए रखने की सलाह दी जा रही है।

ट्रंप ने मेक्सिको और ईयू पर लगाया 30 फीसदी टैरिफ

- ट्रंप ने तांबे पर 50 फीसदी टैरिफ लगाने की बात भी कही

वाशिंगटन । अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप ने 1 अगस्त से मेक्सिको यूरोपीय यूनियन (ईयू) से आने वाले सभी सामानों पर 30 फीसदी टैरिफ लगाने का फैसला किया है। यह फैसला दोनों पक्षों के बीच कई हफ्तों तक चली व्यापारिक बातचीत के विफल रहने के बाद लिया गया। ट्रंप ने इस जानकारी को अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'ट्रुथ सोशल' के जरिए साझा किया। इससे पहले ट्रंप जापान, दक्षिण कोरिया, कनाडा और ब्राजील जैसे देशों पर भी टैरिफ लगाने की घोषणा कर चुके हैं। उन्होंने तांबे पर 50 फीसदी टैरिफ लगाने की बात भी कही है। ट्रंप के इन फैसलों से अमेरिकी सरकार को आर्थिक लाभ हुआ है। अमेरिकी ट्रेजरी विभाग के अनुसार, जून तक के वित्तीय वर्ष में सीमा शुल्क से 100 अरब डॉलर से अधिक की कमाई हुई है। हालांकि, विशेषज्ञों का मानना है कि यह कदम अमेरिका के व्यापारिक साझेदारों के साथ रिश्तों में तनाव बढ़ा सकता है। मेक्सिको और ईयू दोनों ही जवाबी कदम उठाने की तैयारी में हैं, जिससे एक और ट्रेड वॉर की आशंका बढ़ गई है।

NLC INDIA
CREATING WEALTH FOR WELLBEING
NLC INDIA LIMITED
Navratna - Government of India Enterprise

एनएलसी इंडिया लिथियम आपूर्ति के लिए रूस की कंपनी संग करेगी साझेदारी

- माली के एक लिथियम ब्लॉक में इक्विटी भागीदारी को लेकर चल रही चर्चा

नई दिल्ली । सार्वजनिक क्षेत्र की एक कंपनी एनएलसी इंडिया लिमिटेड अफ्रीका के माली देश में स्थित लिथियम खदान में हिस्सेदारी के लिए रूस की एक सरकारी कंपनी के साथ बातचीत के अंतिम चरण में है। यह कदम भारत द्वारा स्वच्छ ऊर्जा की बढ़ती मांग को ध्यान में रखते हुए लिथियम जैसे रणनीतिक खनिजों की दीर्घकालिक आपूर्ति सुनिश्चित करने की व्यापक रणनीति का हिस्सा है। सूत्रों के अनुसार एनएलसी इंडिया और रूस की कंपनी के बीच माली के एक लिथियम ब्लॉक में इक्विटी भागीदारी को लेकर चर्चा चल रही है। भारत सरकार का उद्देश्य लिथियम के घरेलू उत्पादन के साथ-साथ विदेशी स्रोतों को भी सुरक्षित करना है, ताकि इलेक्ट्रिक वाहनों और बैटरियों के निर्माण में निर्बाध आपूर्ति बनी रहे। एनएलसी इंडिया का प्रमुख कारोबार कोयला और लिग्नाइट खनन व बिजली उत्पादन रहा है। हाल के वर्षों में कंपनी ने नवीकरणीय ऊर्जा, कोयला खनन, और रणनीतिक खनिजों के क्षेत्र में अपना दायरा बढ़ाया है। नीलामी के पांचवें दौर में एनएलसी ने छत्तीसगढ़ में दो महत्वपूर्ण खनिज ब्लॉक फॉस्फोराइट और चूना पत्थर हासिल किए। एनएलसी का यह कदम भारत को खनिज आत्मनिर्भरता की दिशा में ले जाने में मदद करेगा और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में देश की स्थिति को मज़बूत करेगा।

अरुणाचल प्रदेश में 18,000 मेगावाट पनबिजली परियोजनाओं पर तेजी से काम

- 2,620 मेगावाट की पांच परियोजनाएं शा मिल

नई दिल्ली । अरुणाचल प्रदेश में कुल 18,000 मेगावाट की पनबिजली परियोजनाओं पर काम चल रहा है, जिसमें एक लाख करोड़ रुपये से अधिक का निवेश किया जाएगा। यह जानकारी राज्य के मुख्यमंत्री पेमा खांडू ने दी। मुख्यमंत्री ने बताया कि इन परियोजनाओं में से 2,620 मेगावाट की पांच परियोजनाएं नॉर्थ ईस्टर्न इलेक्ट्रिक पावर कॉरपोरेशन लिमिटेड (नीपको) को, 5,097 मेगावाट की पांच परियोजनाएं सतलज जल विद्युत निगम लिमिटेड (एसजेवीएन) को और 3,800 मेगावाट की दो परियोजनाएं एनएचपीसी को आवंटित की गई हैं। मुख्यमंत्री खांडू ने कहा कि पहले ये परियोजनाएं निजी कंपनियों को दी गई थीं, लेकिन वे विभिन्न कारणों से शुरू नहीं हो सकीं। इसलिए राज्य सरकार ने सार्वजनिक उपक्रमों को इन्हें संभालने का निर्देश दिया। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री बनने के बाद उन्होंने सभी परियोजनाओं की समीक्षा कर पुरानी योजनाएं रद्द कर दीं और केंद्र सरकार से कहा कि पनबिजली जैसे बड़े निवेश वाले क्षेत्र में केवल सरकार को ही पहल करनी चाहिए। राज्य सरकार ने प्रधानमंत्री के साथ बैठक के बाद एनएचपीसी, नीपको और एसजेवीएन के साथ बेसिन-आधारित समझौते किए। इनमें से लोअर सुबनसिरी परियोजना 2,000 मेगावाट क्षमता की है, जो अगले साल से बिजली उत्पादन शुरू कर देगी। इसके अलावा, 2,880 मेगावाट की दिबांग बहुउद्देशीय परियोजना 2032 तक चालू होने की उम्मीद है, जिसमें देश का सबसे ऊंचा बांध भी शामिल होगा।

सेंसेक्स की प्रमुख आठ कंप नियों का मार्केट कैप 2.07 लाख करोड़ घटा

- सेंसेक्स की शीर्ष 10 कंपनियों में रिलायंस इंडस्ट्रीज पहले स्थान पर बरकरार

नई दिल्ली ।

पिछले सप्ताह सेंसेक्स की प्रमुख 10 सबसे कीमती कंपनियों में से आठ के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) में कुल 2.07 लाख करोड़ रुपये की गिरावट आई है। इस दौरान टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) और भारती एयरटेल सबसे अधिक नुकसान में रहीं। टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज का बाजार पूंजीकरण 56,279.35 करोड़ रुपये घटकर 11,81,450.30 करोड़ रुपये रह गया। जून तिमाही के कमजोर नतीजों के कारण टीसीएस के शेयर में शुक्रवार को करीब 3.5 प्रतिशत की गिरावट देखी गई। भारती एयरटेल का बाजार मूल्यांकन भी 54,483.62 करोड़ रुपये घटकर 10,95,887.62 करोड़ रुपये हो गया। रिलायंस इंडस्ट्रीज की बाजार पूंजीकरण में 44,048.2 करोड़ रुपये की गिरावट आई और यह 20,22,901.67 करोड़ रुपये पर आ गई। इन्फोसिस का मूल्यांकन 18,818.86 करोड़ रुपये घटकर 6,62,564.94 करोड़ रुपये रह गया। आईसीआईसीआई बैंक का बाजार पूंजीकरण भी 14,556.84 करोड़ रुपये घटकर 10,14,913.73 करोड़ रुपये पर आ गया। भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) के बाजार मूल्यांकन में 11,954.25 करोड़ रुपये की कमी आई, जिससे इसका मूल्य 5,83,322.91 करोड़ रुपये रह गया। एचडीएफसी बैंक के बाजार पूंजीकरण में 4,370.71 करोड़ रुपये की गिरावट आई और यह

15,20,969.01 करोड़ रुपये रह गया। वहीं भारतीय स्टेट बैंक का बाजार मूल्यांकन 2,989.75 करोड़ रुपये घटकर 7,21,555.53 करोड़ रुपये पर पहुंचा।

इस गिरावट के बीच, हिंदुस्तान यूनिलीवर और बजाज फाइनेंस ने बढ़त दिखाई। हिंदुस्तान यूनिलीवर का बाजार पूंजीकरण 42,363.13 करोड़ रुपये बढ़कर 5,92,120.49 करोड़ रुपये हो गया, जिसके साथ उसके शेयर में लगभग 5 प्रतिशत की तेजी आई। बजाज फाइनेंस का मूल्यांकन भी 5,033.57 करोड़ रुपये बढ़कर 5,80,010.68 करोड़ रुपये पहुंच गया। सेंसेक्स की शीर्ष 10 कंपनियों में रिलायंस इंडस्ट्रीज पहले स्थान पर बनी हुई है, इसके बाद एचडीएफसी बैंक, टीसीएस, भारती एयरटेल, आईसीआईसीआई बैंक, भारतीय स्टेट बैंक, इन्फोसिस, एलआईसी, बजाज फाइनेंस और हिंदुस्तान यूनिलीवर का स्थान है।

शहरों में सस्ते प्रोडक्ट्स की धूम, गांवों में ब्रांडेड कंप नियों का जलवा

- वित्त वर्ष 2025 में शहरी भारत में बिना ब्रांड वाले प्रोडक्ट्स की वॉल्यूम ग्रोथ 8.4 फीसदी रही

मुंबई । भारत के एफएमसीजी (फास्ट मूविंग कंज्यूमर गुड्स) बाजार में शहरी और ग्रामीण उपभोक्ताओं की पसंद में बड़ा बदलाव देखने को मिल रहा है। एक रिपोर्ट के अनुसार जहां शहरी उपभोक्ता महंगाई और डिजिटल प्लेटफॉर्म्स की वजह से बिना ब्रांड वाले प्रोडक्ट्स और डिजिटल-फर्स्ट ब्रांड्स की ओर झुक रहे हैं, वहीं ग्रामीण भारत में पारंपरिक और भरोसेमंद ब्रांड्स जैसे नेस्ले, डाबर और हिंदुस्तान यूनिलीवर (एचयूएल) की लोकप्रियता तेजी से बढ़ी है। ग्रामीण इलाकों में पहले बिना ब्रांड वाले प्रोडक्ट्स ज्यादा चलते थे, लेकिन अब बड़े ब्रांड्स ने मजबूत डिस्ट्रीब्यूशन नेटवर्क और बेहतर पहुंच के जरिए अपनी पकड़ मजबूत की है। रिपोर्ट के मुताबिक, वित्त वर्ष 2025 में शहरी भारत में बिना ब्रांड वाले प्रोडक्ट्स की वॉल्यूम ग्रोथ 8.4 फीसदी रही, जबकि ग्रामीण भारत में यह केवल 2.3 फीसदी रही। वहीं लिस्टेड एफएमसीजी ब्रांड्स की वॉल्यूम ग्रोथ गांवों में 5.1 फीसदी रही, जो कि शहरों के 2.1 फीसदी के मुकाबले कहीं अधिक है। विशेषज्ञों का मानना है कि ग्रामीण क्षेत्रों में इस ग्रोथ के पीछे अच्छा मानसून, सरकारी सहयोग और आय में सुधार प्रमुख कारण हैं। इसके विपरीत, शहरी उपभोक्ता महंगाई के दबाव के चलते छोटे पैक और किफायती विकल्पों की ओर बढ़ रहे हैं। साथ ही, डिजिटल-फर्स्ट ब्रांड्स जैसे स्लर्प फार्म भी शहरी बाजार में तेजी से जगह बना रहे हैं।

हिंदुस्तान यूनिलीवर की महिला बनी सीईओ, शेयरों में आया 5 फीसदी उछाल

-बजाज फाइनेंस और हिंदुस्तान यूनिलीवर के बाजार मूल्यांकन में हुई बढ़ोतरी

नई दिल्ली।

बीते सप्ताह बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 932.42 अंक यानी 1.11 फीसदी के नुकसान में रहा। इस दौरान सेंसेक्स की शीर्ष 10 सबसे मूल्यवान कंपनियों में से आठ के मार्केट कैप में कुल 2.07 लाख करोड़ रुपए (2,07,501.58 करोड़) की गिरावट आई। सबसे ज्यादा नुकसान टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) और भारती एयरटेल को हुआ। शीर्ष 10 में से केवल बजाज फाइनेंस और हिंदुस्तान यूनिलीवर के बाजार मूल्यांकन में बढ़ोतरी हुई। इस रुख के उलट हिंदुस्तान यूनिलीवर लिमिटेड का मूल्यांकन 42,363.13 करोड़ रुपए बढ़कर 5,92,120.49 करोड़ पर पहुंच गया। हिंदुस्तान यूनिलीवर लिमिटेड के शेयर में शुक्रवार को करीब 5 फीसदी का उछाल आया। हिंदुस्तान यूनिलीवर ने प्रिया नायर को कंपनी की पहली महिला सीईओ और एमडी नियुक्त करने की घोषणा की है।

बजाज फाइनेंस की मूल्यांकन 5,033.57 करोड़ बढ़कर 5,80,010.68 करोड़ रुपए पर पहुंच गया।

पिछले हफ्ते टाटा ग्रुप की आईटी कंपनी टीसीएस का मार्केट कैप 56,279.35 करोड़ से घटकर 11,81,450.30 करोड़ रुपए पर आ गया था। कंपनी के जून तिमाही के नतीजे निवेशकों को उत्साहित करने में विफल रहे। शुक्रवार को टीसीएस के शेयर में करीब 3.5 फीसदी की गिरावट आई। इस तरह भारती एयरटेल का मूल्यांकन 54,483.62 करोड़ रुपए से घटकर 10,95,887.62 करोड़ पर आ गया। रिलायंस इंडस्ट्रीज की बाजार हैसियत 44,048.2 करोड़ रुपए घटकर 20,22,901.67 करोड़ पर आ गई।

इन्फोसिस के मूल्यांकन में 18,818.86 करोड़ रुपए की गिरावट आई और यह 6,62,564.94 करोड़ रुपए रहा। आईसीआईसीआई बैंक का बाजार पूंजीकरण 14,556.84 करोड़ रुपए घटकर 10,14,913.73 करोड़ रुपए पर आ गया। एलआईसी का मूल्यांकन 11,954.25 करोड़ से घटकर 5,83,322.91 करोड़ रुपए पर आ गया।

इलेक्ट्रॉनिक्स व दवा क्षेत्रों ने पीएलआई वितरण में मारी बाज़ी

- 2024-25 में 70 फीसदी हिस्सेदारी

नई दिल्ली । भारत सरकार की उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना के तहत वित्त वर्ष 2024-25 में कुल 10,114 करोड़ रुपए का वितरण किया गया, जिसमें से 70 फीसदी से अधिक हिस्सा केवल दो क्षेत्रों, इलेक्ट्रॉनिक्स और फार्मास्युटिकल्स को मिला। यह योजना 2021 में 1.97 लाख करोड़ रुपये के परिव्यय के साथ 14 प्रमुख क्षेत्रों में घरेलू विनिर्माण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से शुरू की गई थी। इलेक्ट्रॉनिक्स क्षेत्र को सबसे अधिक 5,732 करोड़ प्राप्त हुए, जबकि दवा क्षेत्र की कंपनियों को 2,328 करोड़ का प्रोत्साहन मिला। इससे इन दोनों क्षेत्रों की बढ़ती ताकत और निर्यात क्षमताओं को बल मिला है। 2023-24 में कुल पीएलआई वितरण 9,721 करोड़ था, जो इस वर्ष और अधिक बढ़ गया। अन्य क्षेत्रों को भी प्रोत्साहन दिया गया, जैसे दूरसंचार (840 करोड़), खाद्य प्रसंस्करण (448 करोड़), वाहन (322 करोड़), चिकित्सा उपकरण (77 करोड़), एसी-फ्रिज (210 करोड़), विशेष इस्पात (48 करोड़), कपड़ा (40 करोड़), ड्रोन (35 करोड़) और थोक दवा (22 करोड़)। इलेक्ट्रॉनिक्स निर्यात में भी जोरदार वृद्धि देखी गई। 2021-22 में यह 15.7 अरब डॉलर था, जो 2024-25 में बढ़कर 38.58 अरब डॉलर हो गया यानी 32.46 फीसदी की सालाना वृद्धि दर।

स्विगी पर ग्राहक और डिलीवरी स्टाफ की होती है रैंकिंग

- फ्रॉड ग्राहकों पर रहती है खास निगरानी

मुंबई । ऑनलाइन फूड और क्विक-कॉमर्स प्लेटफॉर्म स्विगी अपने ग्राहकों और डिलीवरी स्टाफ की गोपनीय रैंकिंग करता है, जिसका सीधा असर सेवा की गुणवत्ता और इंसेंटिव्स पर पड़ता है। एक कस्टमर सपोर्ट एग्जीक्यूटिव के अनुसार हर ग्राहक और डिलीवरी पार्टनर की एक खास रैंक होती है। ग्राहकों को उनकी खरीदारी की आदतों के आधार पर तीन श्रेणियों में बांटा जाता है हाई-वैल्यू, मीडियम-वैल्यू और लो-वैल्यू। हाई-वैल्यू ग्राहक नियमित ऑर्डर करने वाले होते हैं, जिन्हें तेज सपोर्ट और बेहतर रिफंड पॉलिसी मिलती है। लो-वैल्यू ग्राहक वे होते हैं जो नए होते हैं या कम ऑर्डर करते हैं। इसके अलावा बार-बार रिफंड मांगने वाले ग्राहकों को 'फ्रॉड यूजर' के तौर पर चिह्नित किया जा सकता है।

टैरिफ युद्ध अमेरिका पर ही भारी पड़ सकता है

प्रहलाद सबनानी

श्री ट्रम्प द्वारा कई बार यह घोषणा की गई है कि भारत के साथ द्विपक्षीय व्यापार समझौता शीघ्र ही सम्पन्न किया जा रहा है। अमेरिका एवं भारत के बीच द्विपक्षीय व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने के उद्देश्य से भारतीय प्रतिनिधि मंडल अमेरिका में गया था तथा निर्धारित समय सीमा से अधिक समय तक वहां रहा एवं ऐसा कहा जा रहा है कि द्विपक्षीय समझौते के अंतिम रूप को अमेरिकी राष्ट्रपति के समक्ष प्रस्तुत किया जा चुका है परंतु अभी तक अमेरिका द्वारा अमेरिका एवं भारत के बीच द्विपक्षीय व्यापार समझौते की घोषणा नहीं की जा रही है।

अमेरिका में श्री डानल्ड ट्रम्प के दूसरी बार राष्ट्रपति बनने के साथ ही दुनिया के लगभग समस्त देशों के साथ ट्रम्प प्रशासन द्वारा टैरिफ युद्ध की घोषणा कर दी गई है। अमेरिका में विभिन्न देशों से होने वाले आयात पर भारी भरकम टैरिफ लगाकर एवं टैरिफ की दरों में बार बार परिवर्तन कर तथा इन टैरिफ की दरों को लागू करने की तिथि में परिवर्तन कर ट्रम्प प्रशासन टैरिफ युद्ध को किस दिशा में ले जाना चाह रहा है, इस सम्बंध में अब स्पष्टता का पूर्णतः अभाव दिखाई देने लगा है। अब तो विभिन्न देशों को ऐसा आभास होने लगा है कि अमेरिकी प्रशासन विभिन्न देशों पर टैरिफ की दरों के माध्यम से अपना दबाव बनाने का प्रयास कर रहा है ताकि ये देश अमेरिका के साथ द्विपक्षीय व्यापार समझौते को अमेरिकी शर्तों पर शीघ्रता के साथ सम्पन्न करें।

श्री ट्रम्प द्वारा कई बार यह घोषणा की गई है कि भारत के साथ द्विपक्षीय व्यापार समझौता शीघ्र ही सम्पन्न किया जा रहा है। अमेरिका एवं भारत के बीच द्विपक्षीय व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने के उद्देश्य से भारतीय प्रतिनिधि मंडल अमेरिका में गया था तथा निर्धारित समय सीमा से अधिक समय तक वहां रहा एवं ऐसा कहा जा रहा है कि द्विपक्षीय समझौते के अंतिम रूप को अमेरिकी राष्ट्रपति के समक्ष प्रस्तुत किया जा चुका है परंतु अभी तक अमेरिका द्वारा अमेरिका एवं भारत के बीच द्विपक्षीय व्यापार समझौते की घोषणा नहीं की जा रही है। हालांकि, इस बीच अमेरिका द्वारा कई देशों के विरुद्ध टैरिफ की दरों को बढ़ा दिया गया है। विशेष रूप से जापान एवं दक्षिणी कोरिया से अमेरिका को आयात होने वाली वस्तुओं पर 1 अगस्त 2025 से 25 प्रतिशत की दर से टैरिफ लगाया जाएगा। इसी प्रकार, 12 अन्य देशों से अमेरिका में होने वाले आयात पर भी टैरिफ की बढ़ी हुई नई दरें लागू किये जाने का प्रस्ताव किया गया है। इस सम्बंध में अमेरिकी राष्ट्रपति ने इन 14 देशों के राष्ट्राध्यक्षों को पत्र भी लिखा है। इस सूची में भारत का नाम शामिल नहीं है।

पूर्व में अमेरिका द्वारा चीन से आयात होने वाले उत्पादों पर भारी भरकम टैरिफ की घोषणा की गई थी। चीन ने भी अमेरिका से होने वाली आयातित वस्तुओं पर लगभग उसी दर पर टैरिफ लागू करने की घोषणा कर दी थी। साथ ही, चीन ने विभिन्न देशों को दुर्लभ खनिज पदार्थों (रेयर अर्थ मिनरल) के निर्यात पर रोक लगा दी थी। अमेरिका में चीन के इस निर्णय का बहुत गहरा प्रभाव पड़ा था। जिसके दबाव में अमेरिका ने चीन के साथ व्यापार समझौता करते हुए चीन से आयात होने वाली विभिन्न वस्तुओं पर टैरिफ की दरों को तुरंत कम कर दिया। अमेरिका द्वारा इसी प्रकार का एक द्विपक्षीय व्यापार समझौता ब्रिटेन के साथ भी सम्पन्न किया जा चुका है। पूर्व में, ट्रम्प प्रशासन ने 90 दिवस की अवधि में 90 देशों के साथ द्विपक्षीय व्यापार समझौते करने की बात कही थी तथा 90 दिवस की समयावधि 9 जुलाई को समाप्त होने के पश्चात भी केवल दो देशों ब्रिटेन एवं चीन के साथ ही द्विपक्षीय व्यापार समझौता सम्पन्न हो सका है। भारत के साथ द्विपक्षीय व्यापार समझौते को अंतिम रूप दिया जा चुका है परंतु इसकी अभी तक घोषणा नहीं की गई है। द्विपक्षीय समझौते के लिए शेष देशों पर दबाव बनाने की दृष्टि से ही इन देशों से अमेरिका को होने वाले आयात पर टैरिफ की दरों को एक बार पुनः बढ़ाये जाने का प्रस्ताव है और इन बढ़ी हुई दरों को 1 अगस्त 2025 से लागू करने की योजना बनाई गई है।

वैश्विक स्तर पर अमेरिका द्वारा छेड़े गए इस टैरिफ युद्ध से निपटने के लिए भारत एक विशेष रणनीति के अंतर्गत कार्य करता हुआ दिखाई दे रहा है। भारत ने वैश्विक मंच पर न तो अमेरिका के टैरिफ की दरों में वृद्धि सम्बंधी निर्णयों की आलोचना की है और न ही भारत में अमेरिका से आयातित वस्तुओं पर टैरिफ बढ़ाने की धमकी दी है। बल्कि, भारत ने तो अमेरिका से आयात होने वाली कुछ विशेष वस्तुओं पर टैरिफ को कम कर दिया है। दरअसल, भारत इस समय विकास के उस चक्र में पहुंच गया है जहां पर भारत को अपना पूरा ध्यान आर्थिक क्षेत्र को आगे बढ़ाने पर केंद्रित करने की आवश्यकता है। भारत को यदि वर्ष 2047 तक विकसित राष्ट्रों की श्रेणी में शामिल करना है तो आगे आने वाले लगभग 20 वर्षों तक लगातार लगभग 8 प्रतिशत की आर्थिक विकास दर को बनाए रखना अति आवश्यक है। इसलिए भारत एक विशेष रणनीति के अंतर्गत अपने आर्थिक विकास पर अपना ध्यान केंद्रित करता हुआ दिखाई दे रहा है। भारत के रूस के साथ भी अच्छे सम्बंध हैं तो अमेरिका से भी अपने सम्बन्धों को सामान्य बनाए रखने के लिए प्रयत्नशील है। भारत के इजराईल के साथ भी अच्छे सम्बंध हैं तो ईरान के साथ भी भारत के व्यापारिक सम्बंध हैं। रूस एवं यूक्रेन युद्ध के बीच भी भारत ने दोनों देशों के साथ अपना संतुलित व्यवहार बनाए रखा है। इसी कड़ी में, चीन के साथ भी आवश्यकता अनुसार बातचीत का दौर जारी रखा जा रहा है, बावजूद इसके कि कई बार अंतरराष्ट्रीय मंचों पर चीन अप्रत्यक्ष रूप से भारत के विरुद्ध कार्य करता हुआ दिखाई देता है।

अभी हाल ही में चीन ने भारत को दुर्लभ खनिज पदार्थों (रेयर अर्थ मिनरल) की आपूर्ति पूर्णतः रोक दी है। साथ ही, मानसून का मौसम भारत में प्रारम्भ हो चुका है एवं भारत में कृषि क्षेत्र में गतिविधियां अपने चरम स्तर पर पहुंच गई हैं, ऐसे अत्यंत महत्वपूर्ण समय पर चीन द्वारा भारत को उर्वरकों की आपूर्ति पर परेशनियां खड़ी की जा रही हैं। चीन द्वारा समय समय पर भारत के लिए खड़ी की जा रही विभिन्न समस्याओं के हल हेतु भारत ने विश्व के पूर्वी देशों एवं विश्व के दक्षिणी भाग में स्थित देशों की ओर रूख किया है। अभी हाल ही में भारत के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने घाना, नामीबिया, अर्जेंटीना, ब्राजील, त्रिनिदाद एवं टोबैगो जैसे देशों की यात्रा इस उद्देश्य से सम्पन्न की है ताकि दुर्लभ खनिज पदार्थों की आपूर्ति सुनिश्चित की जा सके। इन देशों में दुर्लभ खनिज पदार्थ पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध है।

भारत में 140 करोड़ नागरिकों का विशाल बाजार उपलब्ध है, जिसे अमेरिका एवं चीन सहित विश्व का कोई भी देश नजर अन्दाज नहीं कर सकता है। यदि अमेरिका एवं चीन भारत के साथ अपने सम्बन्धों को किसी भी कारण से बिगाड़ने का प्रयास करते हैं तो लम्बी अवधि में इसका नुक्सान इन्हीं देशों को अधिक होने जा रहा है है क्योंकि ऐसी स्थिति में वे भारत के विशाल बाजार से वंचित हो जाने वाले हैं। भारत तो वैसे भी पिछले लम्बे समय से आत्मनिर्भर होने का लगातार प्रयास कर रहा है एवं कई क्षेत्रों में भारत आज आत्मनिर्भर बन भी गया है। अतः भारत की निर्भरता अन्य देशों पर अब कम ही होती जा रही है। भारत आज फार्मा, ऑटो, कृषि, इंजीनीयरिंग, टेक्नॉलोजी, स्पेस तकनीकी, सूचना प्रौद्योगिकी, आदि क्षेत्रों में बहुत आगे निकल चुका है। आज भारत विकास के उस पड़ाव पर पहुंच चुका है, जिसकी अनदेखी विश्व का कोई भी देश नहीं कर सकता है। भारत को हाल ही में अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह में कच्चे तेल के अपार भंडार होने का भी पता लगा है। एक अनुमान के अनुसार, यह भंडार इतने विशाल हैं कि आगामी 70 वर्षों तक भारत को कच्चे तेल की आपूर्ति होती रहेगी। इसी प्रकार, भारत में कर्नाटक स्थित कोलार स्वर्ण खदानों में भी एक बार पुनः खुदाई का कार्य प्रारम्भ किया जा रहा है। आरम्भिक अनुमान के अनुसार, प्रतिवर्ष लगभग 750 किलोग्राम स्वर्ण की आपूर्ति भारत को इन खदानों से हो सकती है।

पूरे विश्व में आज केवल भारत ही युवा देश की श्रेणी में गिना जा रहा है क्योंकि भारत की 65 प्रतिशत से अधिक आबादी 35 वर्ष से कम आयुवर्ग में हैं तथा लगभग 40 प्रतिशत आबादी 15 से 35 वर्ष के आयुवर्ग में शामिल हैं। अतः एक तरह से भारत आज विश्व के लिए श्रम का आपूर्ति केंद्र बन गया है। लम्बे समय से रूस एवं यूक्रेन के बीच चल रहे युद्ध के बाद जब इन देशों में आधारभूत सुविधाओं को पुनर्विकसित करने का कार्य प्रारम्भ होगा तो इन्हें भारतीय श्रमिकों एवं इंजीनियरों की आवश्यकता पड़ने जा रही है, एक अनुमान के अनुसार अकेले रूस द्वारा में लगभग 10 लाख भारतीयों की मांग की जा सकती है। इसी प्रकार, इजराईल एवं हम्मास तथा ईरान के बीच युद्ध की समाप्ति के पश्चात इन देशों में भी बुनियादी ढांचे को पुनः मजबूत करने का कार्य जब प्रारम्भ होगा तो इन देशों को भी भारतीय नागरिकों की आवश्यकता पड़ेगी। इजराईल, जापान सिंगापुर एवं ताईवान आदि देशों द्वारा तो पूर्व में भी भारतीय इंजिनीयरों की मांग की जाती रही है। अमेरिका, ब्रिटेन एवं अन्य यूरोपीय देशों में तो डॉक्टर एवं इंजीनियरों की भारी मांग पूर्व से ही बनी हुई है। अतः आज भारत पूरे विश्व में डॉक्टर, इंजीनियर तथा श्रमिक उपलब्ध कराने के मामले बहुत आगे है। अतः भारत की इस ताकत की अनदेखी आज कोई भी देश नहीं कर सकता है।

संपादकीय

सही हो नीयत

आतंकवाद के खतरे से निपटने के लिए दक्षिण एशियाई देशों के दरम्यान क्षेत्रीय सहयोग बढ़ाने की तत्काल आवश्यकता पर विशेषज्ञों ने जोर दिया। नेपाल अंतरराष्ट्रीय सहयोग एवं सहभागिता संस्थान की तरफ से आयोजित ह्यदक्षिण एशिया में आतंकवाद : क्षेत्रीय शांति व सुरक्षा के लिए चुनौतियांह्न विषयक संगोष्ठी में यह कहा गया। सीमापार आतंकवादी गतिविधियां रोकने, धनशोधन पर अंकुश लगाने के साथ ही दक्षिण एशिया के आतंकवादी कृत्यों की निंदा की गई। लश्कर-ए-तैयबा और जैश-ए-मोहम्मद जैसे आतंकवादी संगठनों के नेपाल को पारगमन के तौर पर प्रयोग करने पर भी चिंता व्यक्त की गई। आतंकवाद केवल एशियाई देशों की विकराल समस्या नहीं है। यह वैश्विक संकट है। ताकतवर देशों से ऐसी नीतियां लागू करने को कहा जा रहा है, जिनके बल पर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आतंकवादी संगठनों से निपटा जा सके। आतंकवादियों के हमले दिनोंदिन घातक होते जा रहे हैं। वे न केवल तकनीकी और अत्याधुनिक प्रशिक्षण देते हैं, बल्कि संगठित रूप से नौजवानों को बरगला कर संगठन में शामिल करते हैं। वैश्विक स्तर पर किए गए अध्ययन मानते हैं कि बीते छह सालों में आतंकवादी घटनाओं में 32% इजाफा हुआ है। अकेले 2021 के दौरान दुनिया भर में पांच हजार से ज्यादा आतंकी घटनाएं दर्ज की गई जिनमें हजारों मासूम जानें तो जाती ही हैं, दहशत की माहौल भी बढ़ता है। ढेरों परिवार उजड़ जाते हैं। 2018-21 के दरम्यान अकेले भारत में आठ हजार के करीब जान गई। दक्षिण एशियाई देश यूं भी आर्थिक तौर पर समृद्ध नहीं हैं। यहां सीमापार उग्रवाद को रोकना बड़ी चुनौती है। खासकर भारत के लिए पाकिस्तान जैसे मुल्क में चल रहे आतंकी संगठनों से बड़ा खतरा है, जो बड़ी संख्या में आतंकियों को घुसपैठ कराने का जाल मजबूत करता रहता है। भूलना नहीं चाहिए कि आतंकियों को कानूनी भय नहीं दिखाया जा सकता। उसके लिए बगैर किसी राजनीतिक हस्तक्षेप के सेना व स्थानीय पुलिस को काम करने की आजादी दी जानी जरूरी है। धनशोधन को लेकर भी पर्याप्त सतर्कता जरूरी है। जब तक आतंकियों को मिलने वाली आर्थिक मदद की कड़ी नहीं तोड़ी जाती, उनके हौंसले परास्त करने में दिक्कत आती रहेगी। आतंकवादियों के प्रत्यर्पण को लेकर भी दुनिया भर की सरकार को आपसी सहमति व लचीलेपन का रुख इख्तियार करना होगा।

चिंतन-मनन

दूसरों के दुख से अपना दुख ज्यादा बेहतर

एक कहावत है राजा दुखी, प्रजा दुखी सुखिया का दुख दुना। कहने का अर्थ यह है कि संसार में जिसे देखो वह अपने को दुखी ही कहेगा। राजा का अपना दुख है, प्रजा का अपना और जिसे आप सुखी माने बैठें हैं उससे पूछ कर देंखेंगे तो वह भी अपने दुखों की पोटरी खोलकर अपनी व्यथा गाने लगेगा। लेकिन अगर आपके पास यह विकल्प हो कि आप अपना दुख किसी और को देकर दूसरे का दुख खुद स्वीकार कर लें तब आप कहेंगे कि अपना ही दुख भला है। इस संदर्भ में एक कथा है कि किसी गांव में एक फकीर आये। उनकी विशेषता यह थी कि वे किसी की भी समस्या दूर कर देते थे। उनकी इस विशेषता के बारे जिसे भी पता चला, वह उनके पास दौड़ा आया। अच्छी खासी भीड़ जमा हो गई और लोग जल्दी से जल्दी अपनी समस्या फकीर को बताने की जुगत भिड़ाने लगे। नतीजा यह हुआ कि हर कोई बोलने लगा। कोलाहल मच गया। फकीर ने सभी को चुप होने के लिए कहा। सभी लोग चुप हो गये तब फकीर ने कहा, मैं सबकी समस्या दूर कर दूंगा। आप सब लोग एक-एक कागज पर अपनी समस्या लिखकर लाएं और मुझे दे दें। कुछ ही देर में कागजों का ढेर लग गया। फकीर ने कागजों को एक टोकरी में रखा और उसे सबके बीच में रख दिया। एक आदमी की तरफ इशारा करके फकीर मे कहा, यहां से शुरू करके सब बारी-बारी से आएंगे और एक-एक कागज उठा लें। ध्यान रहे किसी को अपना कागज नहीं उठाना है। लोग एक-एक कर आए कागज उठा-उठा कर अपनी-अपनी जगह बैठ गए। फकीर ने कहा, अब इस कागज में लिखी किसी दूसरे की समस्या पढ़ो। अगर चाहो तो मैं तुम्हारी समस्या दूर कर दूंगा पर उसके बदले कागज पर लिखी समस्या तुम्हारी हो जाएगी। तुम्हें लगता है कि तुम्हारी समस्या बड़ी है तो उसे दूर करवाकर कागज पर लिखी दूसरे की छोटी-सी समस्या अपना लो। चाहो तो आपस में कागज बदल लो।...

आइजोल को आजादी के 75 साल बाद ट्रेन की मिलेगी सौगात

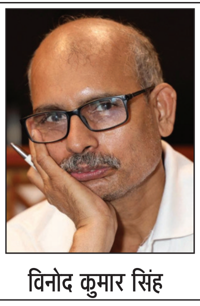

विनोद कुमार सिंह

आजादी के 75 साल बाद ट्रेन की सौगात जल्दी ही मिलने जा रही है। बैराबी-सायरांग रेलवे प्रोजेक्ट अब पूरी तरह से तैयार है। रेलवे की 51. 38 किलोमीटर लंबी नई रेल लाइन के जरिए अब मिजोरम की राजधानी आइजोल को देश के अन्य हिस्सों से जोड़ दिया गया है।रेलवे की यह बन कर तैयार है।वह सुःखद पल जल्द ही मिजोरम के लोगों को यह क्षण का बर्षो से इंतजार था। रेलवे अधिकारी के अनुसार,ट्रेनें इस ट्रैक पर 110 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चलेंगी व रेलवे का नेटवर्क आने वाले वर्षो में इस नेटवर्क को म्यांमार बॉर्डर जो यहाँ से लगभग 232 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। फिलहाल इस परियोजना का सर्वक्षण कार्य चल रही है।रेलवे के इस नवनिर्मित नए रूट में मिजोरम के भीतर बैराबी, कुर्तिकी,कावंपुई, मुलखांग और सायरांग जैसे स्टेशन शामिल हैं। इस प्रोजेक्ट को 2008 में शुरू किया जाना था , लेकिन इसे असली रफ्तार सन् 2014 में केन्द्र में मोदी सरकार आने के बाद मिली थी। मोदीने प्रोजेक्ट की आधारशिला रखी गई थी।इसमें करीब 5,022 करोड़ रुपयों की लागत से बने इस परियोजना में चार प्रमुख रेलवें स्टेशन शामिल हैं तथा पुल नंबर 144,जो मूलखांग और सायरांग के बीच बना है।यानी दिल्ली के कुतुब मीनार से भी 42 मीटर ऊँचा है।रेलवे के परियोजना के प्रमुख इंजीनियर विनोद कुमार के अनुसार,इस परियोजना में कुल 154 छोटे-बड़े पुल समेत 48 टनल का निर्माण ऐसी तकनीकों से डिजाइन किया गया है कि जिससे यह कम से कम 100 साल तक बिना किसी परेशानी और खराबी के चलाए जा सके।यह क्षेत्र अर्थक्वेक जोन 5 में आता है,मगर आई आई टी कानपुर और आई आई टी गुवाहाटी की मदद से इस रेल लाइन को तकनीकी रूप से बेहद मजबूत और टिकाऊ बनाया गया है।आपके मन में मिजोरम व आइजोल के बारे में जिज्ञासा होगी।मै स्पष्ट कर दूँ कि आइजोल की स्थापना सन 1890 में ब्रिटिश शासन के दौरान हुई थी। लुशाई पहाड़ियों में स्थानीय सरदारों को अंग्रेजों द्वारा पराजित करने के बाद, इसकी शुरूआत एक छोटी सैन्य चौकी के रूप में हुई थी,तथा ईसाई मिशनरियों की स्थापना के साथ शाथ शिक्षा व स्वास्थ्य सेवा प्रणाली की शुरूआत हुई,कालान्तर इस शहर का विकास हुआ। सन 1960 के दशक में मिजो नेशनल फ्रंट के विद्रोह में भी इसने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।वर्षों की अशांति के बाद,सन1986 के मिजोरम शांति समझौते के साथ यहाँ शांति स्थापित हुई।मिजोरम की भौगोलिक वसांस्कृतिक,साथ यह स्थान सामरिक रूप से अत्यंत महत्वपूर्ण है।पुरवोत्तर का यह प्रदेश बांग्लादेश और म्यांमार सेअन्तर्राष्ट्रीय सीमाएं से सटी हुई है,वही प्रदेश की सीमाएं असम,मणिपुर और त्रिपुरा से पुरबोत्तर राज्यों से लगती हैं।मिजोरम राज्य को पहले असम के लुशाई हिल्स के नाम से जाना जाता था।इसके बाद साल 1954 में यहां का नाम बदल कर मिजो हिल्स रख दिया गया जिसे सन1972 में यह एक केंद्र शासित राज्य घोषित किया गया है।अंत में 20 फरवरी 1987 को इसे भारत के पूर्ण राज्य का दर्जा दिया गया।मिजोरम भारत के तीन ईसाई बहुल राज्यों में से एक है,जहाँ 87% से अधिक आबादी ईसाई,बौद्ध धर्म (8.51%), हिंदू (2.75%) व इस्लाम(1.35%)भी मौजूद हैं।स्थानीय संस्कृति और खानपानयहाँ की मिजो संस्कृति को सरलता और प्रकृति के प्रति प्रेम की मिसाल माना जाता है।मिजोरम का मुख्य भोजन चावल मांस,मछली और सब्जियों के साथ खाया जाता है।यहाँ आप को जगह जगह बास के कोमल कोपल (स्पेदअंकुर),जंगली मशरूम और स्थानीय जड़ी-बूटियां यहां के व्यंजनों की खास पहचान है।यहाँ के निवासी की वेशभुषा,संस्कृति व उत्सव व जीवन शैली की विशेष पहचान है।यहाँ की प्राकृतिक फिजाओं में वायु प्रदुषण व ध्वनि प्रदुषण नगण्य है।यातायात व्यवस्था हार्न फ्री के शांत शहर के नाम से जाना जाता है। यहाँ की प्राकृतिक फिजाओं में वायु प्रदुषण व ध्वनि प्रदुषण नगण्य है।यातायात व्यवस्था हार्न फ्री के शांत शहर के नाम से जाना जाता है। भौगोलिक दृष्टि कोण से ऊंची व घुमादार पहाड़ियों की तलहटीयों पर बसी मिजोरम,समुद्री तल से लगभग 1,132 मीटर (3,715 फीट) की ऊंचाई पर स्थित है,जिससे यहाँ सड़क मार्ग से सामान और लोगों की आवाजाही चुनौती पूर्ण रही है।ऐसे में भारतीय रेलवे के द्वारा रेलवे की यह परियोजना क्रान्तिकारी कदम है।वर्तमान में असम के बदरपुर से कथकल होते हुए भैरवी तक रेल का संचालन हो रहा है।मिजोरम में 51.38 किलोमीटर लंबा ट्रैक तैयार किया गया है,जो भैरवी,कुर्तिकी, मुलखांग और सायरांग स्टेशनों को जोड़ता है।जल्द ही इस मार्ग पर विस्टाडोम ट्रेनों का परिचालन भी शुरू होने वाला है,जिससे पर्यटकों को पहाड़ी दृश्यों का शानदारअनुभव मिलेगा।राष्ट्रीय सुरक्षा और व्यापार दोनों का विकास इस प्रस्तावित नए ट्रैक के जरिए न सिर्फ स्थानीय लोगों को सुविधाएं मिलेंगी,बल्कि सीमा व राष्ट्रीय सुरक्षा से सैन्य तैनाती,आपात कालीन सामग्री और निगरानी में भी तेजी लाई जा सकेगी।

पूर्वोत्तर भारत में रेलवे के बदलाव की बयार असली कहानी सिर्फ रेल की पटरियाँ व सुरंग,पुल ही नहीं कह रहे,बल्कि इसका असर काफी गहरा है।ये परियोजनाएं स्थानीय लोगों के जीवन शैली पर सीधा असर डाल रही हैं जो पहले खुद को उपेक्षित समझते थे।नया रेल नेटवर्क पूर्वोत्तर की जीवन रेखा बन गई है।जैसे-जैसे भारत 5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थ व्यवस्था की ओर बढ़ रहा है,पूर्वोत्तर की भागीदारी भी बढ़ रही है और देश के विकास में अंहम भूमिका निभा रही है।

प्रदूषणः सुचारू हो सार्वजनिक परिवहन सेवा

अतुल कनक

वाहनों के कारण बढ़ते प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए दुनिया भर में जीवाश्म ईंधन अर्थात पेट्रोल और डीजल के उपयोग को धीरे-धीरे कम करके वैकल्पिक ऊर्जा के अपयोग को बढ़ावा देने की नीति अपनाई जा रही है। वाहनों के कारण वातावरण में घुलने वाला प्रदूषण आम जन की सेहत का दुश्मन हो गया है, और इसे समाप्त करने के प्रभावशाली उपाय किए ही जाने चाहिए। अधिकतर देशों में जीवाश्म ईंधन के स्थान पर बिजली-चालित वाहनों को प्रोत्साहित किया जा रहा है, लेकिन क्या बिजली से चलने वाले वाहनों का उपयोग पूरी तरह प्रदूषण पर रोक लगा सकेगा?

इंटरनेशनल एनर्जी एजेंसी की पिछले दिनों जारी एक रिपोर्ट के अनुसार, भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा बिजली उत्पादक देश बन गया है। भारत में बिजली उत्पादन की कुल स्थापित क्षमता 4,67,885 मेगावॉट है। यह क्षमता किसी भी महाशक्ति के नखरों को मुंह चिढ़ाने के लिए पर्याप्त है, लेकिन भारत की जनसंख्या और क्षेत्रफल को देखते हुए इस क्षमता को अभी कई गुना बढ़ाया जाना आवश्यक है। अभी भी आबादी के बड़े हिस्से को उसकी आवश्यकताओं के अनुसार बिजली की आपूर्ति नहीं हो पाती। मांग-आपूर्ति का अंतर खासकर ग्रामीण इलाकों में अभी भी सरकारों के लिएचिंता का विषय है।

यदि यह विकल्प वाहनों के कारण होने वाले प्रदूषण को प्रभावी हद तक रोक देता तो व्यापक जनहित में इसे स्वीकार किया जाना चाहिए। लेकिन धरातल पर स्थितियों के कुछ अन्य पक्ष भी सामने आते हैं, निश्चित रूप से हमारे नीति- नियंताओं ने उन्हें अनदेखा नहीं किया होगा। लेकिन उन पक्षों पर पर्याप्त चर्चा के प्रमाण नहीं मिलते। इनमें प्रमुख है कि जिस बिजली के उपयोग से वाहनों द्वारा होने वाले प्रदूषण पर नियंत्रण स्थापित किए जाने की बात की जा रही है, उस बिजली का उत्पादन पूरी तरह प्रदूषण-मुक्त नहीं है। भारत में बिजली उत्पादन का बड़ा हिस्सा आज भी ताप विद्युत गृहों से प्राप्त होता है। जून, 2024 के आंकड़ों के अनुसार भारत में कोयले से प्राप्त बिजली 2,10,969 मेगावॉट थी। मार्च, 2014 में यह आंकड़ा 1,39,663 मेगावॉट था। भारत को बिजली उत्पादन की क्षेत्र में बड़ी ताकत बनाने में ताप विद्युत गृहों का महत्त्वपूर्ण योगदान है, लेकिन कोयला किसी भी अन्य ऊर्जा स्रोत की तुलना में अधिक प्रदूषण उत्सर्जित करता है। विशेषज्ञों के मुताबिक, कोयले से बिजली उत्पादन के दौरान प्रति यूनिट बिजली पर करीब एक लीटर कार्बन डाई ऑक्साइड़ निकलती है। यह आंकड़ा बताता है कि कोयले से बिजली बनाना पर्यावरण संरक्षण की दृष्टि से कितना असुरक्षित है। परमाणु ऊर्जा अपेक्षाकृत प्रदूषण-मुक्त मानी जा सकती है, लेकिन परमाणु ऊर्जा संयंत्रों की स्थापना की अपनी सीमा है। अभी पवन चक्कियों, सोलर पैनल आदि से बिजली का उत्पादन उतना नहीं हो सका है कि ऊर्जा की मांग के अनुरूप उल्लेखनीय योगदान कर सके।

ऐसे में वाहनों से होने वाले प्रदूषण को रोकने के लिए इलेंट्रिक वाहनों के उपयोग की सख्ती करना भी आसमान से गिर कर खजूर पर अटकने की तरह होगा। होना तो यह चाहिए कि वाहनों से प्रदूषण के उत्सर्जन पर प्रभावी निगरानी हो। निर्धारित सीमा से अधिक प्रदूषण फैलाने वाले वाहनों को तुरंत जब्त कर स्क्रैप करने की नीति बनाई जा सकती है (हालांकि इस नीति को लागू करने पर भ्रष्टाचार पनपने का नया रास्ता खुल सकता है, इस बात के खतरे हैं)। लेकिन सबसे महत्त्वपूर्ण पहल यह होगी कि अक्षय ऊर्जा से चलने वाले सार्वजनिक परिवहन तंत्र को इतना विकसित और मजबूत कर दिया जाए कि लोग सार्वजनिक परिवहन का उपयोग वैसे ही करें जैसे आम मुंबईकर स्वेच्छा से लोकल का इस्तेमाल करता है। एक तरीका यह भी हो सकता है कि समाज में सेलिब्रिटी माने जाने वाले लोग स्वयं सार्वजनिक परिवहन का प्रयोग करें तो भीड़ उनका अनुकरण करने लगेगी। सार्वजनिक परिवहन की सुलभता इसलिए भी महत्त्वपूर्ण है कि अभी तो हम इलेक्ट्रिक वाहनों के उपयोग को बेहतर मान रहे हैं, लेकिन कुछ वर्षों बाद जब उनकी बैटरियां दम तोड़ने लगेंगी तब उस कचरे का क्या होगा? आखिर, इतनी बड़ी संख्या में निकलने वाली बैटरियों के निस्तारण की नीति और कार्ययोजना हमें अभी से ही सोचनी होगी न!

माड़ीपुर रेलवे ओवरब्रिज हुआ जर्जर, कई जगह आए क्रैक्स

-अभियंताओं की टीम ने किया निरीक्षण, जल्द मरम्मत कराने की कही बात

मुजफ्फरपुर (एजेंसी)। मालगाड़ी के टकराने से टूटा माड़ीपुर रेलवे ओवरब्रिज कई जगहों से जर्जर हो गया है। अभियंताओं की टीम ने निरीक्षण के बाद विशेषज्ञ से इसका आडिट कराने की अनुशंसा की है। बता दें 1970 में इस पुल का निर्माण कराया गया था। रेलवे और पथ निर्माण विभाग द्वारा बनाया गया यह पुल काफी अहम है। 2013 में एक मालगाड़ी के टकराने से यह पुल बीच से टूट गया था। 2014-15 में मरम्मत के बाद इस पर फिर परिचालन शुरू हो गया था। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पुल की स्थिति का अभियंताओं की टीम ने एक जुलाई को निरीक्षण किया था। रिपोर्ट में कहा गया कि पांच सौ मीटर लंबे और करीब 7.5 मीटर चौड़े इस पुल के पाए का प्लास्टर झड़ रहा है। इसके अलावा इसके कैप का कंक्रीट भी झड़ रहा है। इससे इसका छड़ दिख रही है। इसमें जंग लग गया है। सुपरस्ट्रक्चर स्लैब के 100 फिट भाग का आरसीसी भी डैमेज पाया गया। इसके छड़ में भी जंग लग गया है। पुल की रेलिंग में क्रैक्स पाए गए हैं। इसे देखते हुए इस ओवरब्रिज की स्थिति अच्छी नहीं है। इसकी जल्द ही मरम्मत कराना जरूरी है। अभियंताओं ने इसका आडिट कराने या अन्य निर्णय के लिए डीएम से मार्गदर्शन मांगा है। रिपोर्ट में कहा गया है कि पुल पर रात में मालवाहक एवं भारी वाहनों का परिचालन होता है। शहर के मुख्य बाजार एवं बाबा गरीबनाथ मंदिर जाने का भी यह अहम रास्ता है।

भारी बारिश में रीवा एयरपोर्ट की दीवार गिरी, 500 करोड़ से किया गया था निर्माण

रीवा (एजेंसी)। मध्य प्रदेश के रीवा में 24 घंटे की बारिश में हाल ही बने एयरपोर्ट की बाउंड्री वॉल गिर गई। इस एयरपोर्ट के निर्माण में करीब 500 करोड़ रुपए खर्च किए गए थे। 15 फरवरी 2023 को शिलान्यास के बाद एयरपोर्ट करीब डेढ़ साल में बनकर तैयार हुआ था। पीएम मोदी ने 20 अक्टूबर 24 को इसका वर्चुअल लोकार्पण किया था। इस एयरपोर्ट को बनाने में करीब पांच गांवों की 323 एकड़ जमीन को 99 साल के लिए भारतीय विमान प्राधिकरण को दी गई है। राज्य में भोपाल, जबलपुर, खजुराहो, इंदौर और ग्वालियर के बाद रीवा 6वां एयरपोर्ट है, जिसे डायरेक्टर जनरल ऑफ सिविल एविएशन (डीजीसीए) ने लाइसेंस दिया है। यह जिला मुख्यालय से करीब 12 किमी दूर बना है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक भारी बारिश की वजह से एयरपोर्ट एरिया की जमीन धंस गई, जिससे दीवार का एक हिस्सा भरभरा कर गिर गया।

छांगुर बाबा के 18 खातों में 68 करोड़, 7 करोड़ विदेश से फंडिंग

- ईडी को हवाला और मनी लॉन्ड्रिंग की आशंका

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के बलरामपुर में कथित धर्मांतरण गिरोह चलाने वाले जमालुद्दीन उर्फ छांगुर बाबा की मुश्किलें लगातार बढ़ती जा रही हैं। अब इस मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की एंट्री हो चुकी है और जांच में कई चौंकाने वाले खुलासे सामने आए हैं। ईडी को बाबा के कुल 30 बैंक खातों में से अब तक 18 की जानकारी मिली है, जिनमें लगभग 68 करोड़ रुपए का लेन-देन हुआ है। सबसे हैरानी की बात यह है कि केवल बीते तीन महीनों में ही इन खातों में करीब 7 करोड़ की विदेशी फंडिंग दर्ज हुई है। यह फंडिंग विभिन्न देशों से कई ट्रांजेक्शन के जरिए की गई, जिससे ईडी को हवाला और मनी लॉन्ड्रिंग की आशंका है। सूत्रों के अनुसार यह रकम बाबा के कथित आध्यात्मिक कार्यों के नाम पर भेजी गई, लेकिन असल में इसका उपयोग किस उद्देश्य से हुआ, इसकी जांच जारी है। ईडी अब उनकी संपत्तियों, आयकर रिटर्न, लेन-देन और फर्जी ट्रस्टों के माध्यम से संपत्ति खरीद की गहराई से जांच कर रही है। ऐसा संदेह है कि छांगुर बाबा ने कई संपत्तियाँ अपने सहयोगियों और ट्रस्टों के नाम पर खरीदीं, जिनके पीछे वही असली मालिक हैं। बाकी 12 बैंक खातों की जानकारी मिलने के बाद जांच और तेज़ हो जाएगी। फिलहाल छांगुर बाबा यूपी एटीएस की रिमांड में हैं और ईडी की नजर अब उनके नेटवर्क, विदेशी फंडिंग के स्रोत और धन के उपयोग पर है। आने वाले दिनों में इस मामले में और बड़े खुलासे होने की संभावना है।

दिल्ली में नशे में कार चालक ने फुटपाथ पर सो रहे पांच लोगों को कुचला

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के वसंत विहार इलाके में शनिवार देर रात एक दिल दहला देने वाला हादसा हुआ। शिवा कैंप के पास फुटपाथ पर सो रहे पांच लोगों को एक तेज रफ्तार सफेद ऑडी कार ने कुचल दिया। हादसे में एक आठ साल की बच्ची समेत सभी घायल हो गए। घायल लोगों को नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनका इलाज जारी है। पुलिस के अनुसार आरोपी चालक का नाम उत्सव शेखर है, जो 40 वर्ष का और द्वारका का निवासी है। वह नोएडा से द्वारका लौट रहा था और शराब के नशे में गाड़ी चला रहा था। मेडिकल जांच में भी यह बात साबित हुई है। हादसे के बाद आरोपी भागने की कोशिश में एक ट्रक से टकरा गया, जिससे कार पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। चश्मदीदों ने बताया कि करीब 15 लोग फुटपाथ पर सो रहे थे, जिनमें से पांच लोग इस हादसे का शिकार बने। घायल राजस्थान के रहने वाले हैं, जिनमें लाढ़ी (40), उनकी बेटी बिमला (8), पति सबामी उर्फ चिर्मा (45), रामचंदर (45) और उनकी पत्नी नारायणी (35) शामिल हैं। ये सभी मजदूरी करते हैं और भीख मांगकर जीवन यापन करते हैं। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर आरोपी ड्राइवर को गिरफ्तार कर उसकी कार जब्त कर ली है। आरोपी के खिलाफ लापरवाही से वाहन चलाने और जानलेवा हमला करने का मामला दर्ज किया गया है। डीसीपी (दक्षिण पश्चिम) ने बताया कि सभी घायल लोगों की हालत फिलहाल स्थिर है और मामले की गहराई से जांच की जा रही है। सीसीटीवी फुटेज खंगाली जा रही है ताकि हादसे के वक्त की सही परिस्थितियों का पता लगाया जा सके।

कोचिंग सेंटर कल्चर खतरनाक, यह बच्चों के विकास में रुकावट पैदा कर रहा: धनखड़

कोटा (एजेंसी)। कोटा में उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने कहा कि कोचिंग सेंटर कल्चर राष्ट्रीय एजुकेशन पॉलिसी के खिलाफ है। यह कल्चर खतरनाक है। कोचिंग सेंटर राष्ट्रीय शिक्षा नीति को फॉलो नहीं कर रहे हैं। ये उच्च दबाव के क्षेत्र में है, जो बच्चों के विकास में रुकावट पैदा करते हैं। विशेषकर कोटा का युवा यहां के कोचिंग सेंटर की वजह से आगे देखने में असमर्थ है।

मीडिया रिपोर्अ के मुताबिक रानपुर स्थित ट्रिपल आईटी के दीक्षांत समारोह में शनिवार को उपराष्ट्रपति ने कहा कि मैं आश्वस्त हूं कि यह हमेशा के लिए नहीं है। समय बदलेगा और बड़ी संख्या में लोगों के माइंडसेट को बदलने का काम करेगा। उन्होंने कहा कि राजस्थान के शिक्षा मंत्री यहां मौजूद मैं कहना चाहूंगा कि स्कूल-कॉलेज में स्टूडेंट्स की संख्या ज्यादा बढ़े, ऐसी पॉलिसी पर विचार करना चाहिए। धनखड़ ने शिक्षा को फैक्ट्री की तरह संचालित करने की प्रवृत्ति का विरोध करते हुए कहा कि हमें इस असेंबली-लाइन संस्कृति को समाप्त करना होगा, क्योंकि यह हमारी शिक्षा के लिए खतरनाक है। उन्होंने कोचिंग सेंटरों की ओर से विज्ञापनों पर भारी खर्च की आलोचना की और कहा कि विज्ञापन और होर्डिंग्स पर भारी पैसा बहाया जाता है। यह पैसा उन छात्रों से आता है, जो कर्ज लेकर या बड़ी कठिनाई से अपनी पढ़ाई करते हैं। यह पैसे का उपयुक्त उपयोग नहीं है। ये विज्ञापन भले ही आकर्षक लगे लेकिन हमारी आत्मा के लिए आंखों की किरकिरी बन गए हैं।

उप राष्ट्रपति ने कहा कि हम गुरुकुल की बात कैसे न करें? हमारे संविधान की 22 दृश्य-प्रतिमाओं में एक गुरुकुल की छवि भी है। हम सदैव ज्ञान-दान में विश्वास रखते हैं। कोचिंग सेंटर को अपने ढांचे का उपयोग कौशल केंद्रों में परिवर्तित करने के लिए करना चाहिए। उन्होंने लोगों, समाज और जनप्रतिनिधियों से आग्रह किया कि इस समस्या की गंभीरता को समझें और शिक्षा में आत्म नियंत्रण लाने के लिए एकजुट हों।

डिजिटल युग में बदलती वैश्विक शक्ति संरचनाओं की ओर इशारा करते हुए उन्होंने कहा- 21वीं सदी का युद्ध क्षेत्र अब भूमि या समुद्र नहीं है। पारंपरिक युद्ध अब अतीत की बात हो गई है। आज हमारी शक्ति और प्रभाव 'कोड, क्लाउड और साइबर' से तय होते हैं। समारोह में 189 स्टूडेंट्स को डिग्रियां दी गई। अंकुर अग्रवाल को कंप्यूटर साइंस इंजीनियरिंग और ध्रुव गुप्ता को इलेक्ट्रॉनिक्स कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग में गोल्ड मेडल दिया गया। इससे पहले संस्थान में उपराष्ट्रपति ने एक पेड़ पिता के नाम और एक पेड़ मां के नाम लगाया।

सत्ता और पावर में आते ही लोग अहंकारी हो जाते है : नितिन गडकरी

नागपुर (एजेंसी)। यहां एक सम्मेलन में प्राचार्यों और शिक्षकों को संबोधित करते हुए केंद्रीय परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि सत्ता, धन, ज्ञान और सुंदरता प्राप्त करने वाले लोग अक्सर अहंकारी हो जाते हैं। उन्होंने कहा कि एक बार जब लोग यह मानने लगते हैं कि वे सबसे बुद्धिमान हैं, तो उनकी दृढ़ता दूसरों पर प्रभुत्व में बदल सकती है। उन्होंने जोर देकर कहा, लेकिन कोई भी खुद को थोपकर महान नहीं बनता।

इतिहास देखिए, जिन्हें अपने लोगों ने स्वीकार किया है उन्हें कभी किसी पर खुद को थोपना नहीं पड़ा। गडकरी ने नेताओं के बीच अहंकार के इस जाल पर दुख जताया। उन्होंने चुटकी लेते हुए कहा, मैं सबसे बुद्धिमान हूं। मैं साहब बन गया हूं... मैं दूसरों की गिनती भी नहीं करता। उन्होंने चेतावनी दी कि ऐसा अहंकार सच्चे नेतृत्व को कमजोर कर देता है। गडकरी ने शिक्षा विभाग में भ्रष्टाचार पर भी तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा, मैं जानता हूं कि यहां तक कि शिक्षक नियुक्तियों में भी घूस ली जाती है। यह बेहद शर्मनाक है। उन्होंने व्यंग्य करते हुए पूछा, इतनी भ्रष्ट व्यवस्था में सड़कें कैसे बनती हैं? उन्होंने कहा कि कुछ लोग चुनौतियों को अवसर में बदलते हैं, जबकि कुछ मौके बर्बाद कर देते हैं। गडकरी ने सही नेतृत्व की परिभाषा देते हुए कहा कि किसी भी संस्था की ताकत, चाहे वह राजनीति हो, समाज सेवा हो या कॉर्पोरेट, मानवीय रिश्तों में निहित होती है। उन्होंने कहा, आप अपने अधीनस्थों से कैसे व्यवहार करते हैं, यही असली नेतृत्व है। सम्मान मांगने से नहीं मिलता, वह कर्मों से अर्जित होता है। उनकी टिप्पणियों को विपक्ष ने भाजपा के शीर्ष नेतृत्व पर परोक्ष हमला बताया। कांग्रेस नेता और पूर्व महाराष्ट्र मंत्री नितिन राऊत ने कहा, गडकरी जी का बयान भाजपा के अंदर फैले अहंकार और आत्मकेंद्रित रवैये पर सीधा इशारा करता है।

महिलाओं के नेतृत्व में होने वाला विकास जम्मू-कश्मीर में शांति व समृद्धि की कुंजी: एलजी

नई दिल्ली(एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने कहा कि आतंकवाद और नशे की लत जैसी चुनौतियों पर काबू पाने तथा एक शांतिपूर्ण व समृद्ध केंद्र शासित प्रदेश बनाने के लिए महिलाओं के नेतृत्व में विकास महत्वपूर्ण है।

सिन्हा दक्षिण कश्मीर के शोपियां के बालापुर में स्थित आर्मी गुडविल स्कूल में महिलाओं के व्यावसायिक प्रशिक्षण पाठ्यक्रम के समापन समारोह में शामिल हुए। उन्होंने स्कूल और पुलवामा, कुलगाम, बडगाम, अनंतनाग और पंपोर में पांच अन्य उद्यमिता और आजीविका संवर्धन केंद्रों में व्यावसायिक प्रशिक्षण और संवर्धन कौशल पाठ्यक्रम पूरा करने वाली महिला प्रशिक्षुओं को सम्मानित किया।

उपराज्यपाल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में जम्मू-कश्मीर में महिला सशक्तीकरण एक जन आंदोलन में तब्दील हो गया है। उन्होंने कहा, 'महिलाओं का सामाजिक व आर्थिक उत्थान हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता रही है। मेरा दृढ़ विश्वास है कि महिलाओं के नेतृत्व में होने वाला विकास आतंकवाद, नशाखोरी और अन्य सामाजिक बुराइयों पर विजय पाने और एक शांतिपूर्ण व समृद्ध जम्मू-कश्मीर बनाने में हमारी मदद करेगा।

हरिद्वार में कांवड़ लेने पहुंच रहे शिव भक्त, अब तक 6 लाख ने भरे कावड़

–डीएम ने की अपील कांवड़िए पटरी का ही करें उपयोग ताकि परेशानी न हो

हरिद्वार (एजेंसी)। सावन के महीने में हरिद्वार में चल रहे कांवड़ मेले में शिवभक्तों की श्रद्धा देखने को मिल रही है। देश के कई राज्यों से आए श्रद्धालु गंगाजल भरकर अपने-अपने गंतव्यों को जा रहे हैं। मेला प्रशासन के मुताबिक शुक्रवार को करीब 4 लाख शिवभक्तों ने गंगाजल भरकर यात्रा शुरू की, जबकि शनिवार को कांवड़ यात्रियों की संख्या 6 लाख पहुंच गई। जो अब तक के आंकड़ों में सबसे बड़ी संख्या बताई जा रही है। हरिद्वार में कांवड़ यात्रियों की संख्या गुरु पूर्णिमा से शुरू हो गई थी। गुरुपूर्णिमा पर 3.90 लाख शिवभक्तों ने हरकी पैड़ी समेत कई घाटों से गंगाजल एकत्र कर जलाभिषेक के लिए प्रस्थान किया था। अब कांवड़ मेले में दिन-प्रतिदिन शिवभक्तों की संख्या में तीव्र वृद्धि हो रही है।

गंगाजल भरने के लिए श्रद्धालुओं की लंबी कतारें लगी है। पुलिस और प्रशासन द्वारा भीड़ नियंत्रण के लिए व्यापक व्यवस्थाएं की गई हैं। जिलाधिकारी और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में जिला और मेला नियंत्रण कक्ष लगातार सक्रिय है। एसएसपी के मुताबिक शुक्रवार व शनिवार करीब दस लाख शिवभक्तों ने जल भरा। सुरक्षा की दृष्टि से ड्रोन कैमरों से निगरानी, जगह-जगह चेक पोस्ट और ट्रैफिक डायवर्जन की प्रभावी व्यवस्था लागू की गई है। महिला सुरक्षा को लेकर भी महिला पुलिस कर्मियों को कई संवेदनशील स्थलों पर तैनात किया है।

जिलाधिकारी ने श्रद्धालुओं से अपील की है कि वे कांवड़ यात्रा के दौरान अनुशासन बनाए रखें और किसी भी स्थिति में नियमों का उल्लंघन न करें। किसी भी समस्या की स्थिति में कांवड़ नियंत्रण कक्ष के हेल्पलाइन नंबरों पर कॉल करें। प्रशासन की ओर से जो मार्ग व दिशा निर्देश दिए गए हैं उन्हीं के अनुसार चले। कांवड़ पटरी का ही उपयोग करें। कांवड़ पटरी पर सभी प्रकार की सुविधाएं उपलब्ध हैं। कांवड़ मेले के दृष्टिगत शनिवार को डीएम व एसएसपी ने मेला क्षेत्र का भ्रमण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। जिलाधिकारी ने बताया कि कांवड़ पटरी पर पेयजल, शौचालय, स्वास्थ्य की सुविधा सुचारू है। शनिवार उन्होंने नहर पटरी बहादराबाद, धनौरी, कलियर होते हुए वापस सिटी कंट्रोल रूम तक निरीक्षण किया। कई स्थानों पर कांवड़ यात्रियों से भी बातचीत की। कंट्रोल रूम में सीसीटीवी कैमरों से मेला क्षेत्र की मॉनिटरिंग की जा रही है। बता दें शंकराचार्य चौक और ऋषिकुल तिराह के बीच कांवड़ पटरी के किनारे चद्द को उखाड़कर और लोहे के एंगिल तोड़कर कांवड़िए हाईवे पर आ गए। यह क्रम शनिवार की सुबह से दोपहर तक चलता रहा। दोपहर में जब जिलाधिकारी और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक निरीक्षण के लिए पहुंचे तो उनकी नजर में यह घटनाक्रम आया। जिलाधिकारी ने कहा कि कांवड़ियों द्वारा पटरी के किनारे जो हिस्सा तोड़ा गया है, उसे सही कराया जा रहा है, जिससे हाईवे पर आने वाला रास्ता बंद हो सके। कांवड़ यात्रियों के लिए कांवड़ पटरी को पूरी तरह से सुरक्षित और सुविधा युक्त बनाया गया है।

पत्नी बिना ठोस कारण के पति से अलग रहती है तो भरण-पोषण की हकदार नहीं

–इलाहाबाद हाईकोर्ट ने सुनाया अहम फैसला, केस वापस फैमिली कोर्ट को भेजा

प्रयागराज (एजेंसी)। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने भरण-पोषण को लेकर एक अहम फैसला सुनाया। कोर्ट ने साफ कहा कि अगर पत्नी बिना किसी ठोस कारण के पति से अलग रहती है, तो वह पति से गुजारा भत्ता मांगने की हकदार नहीं है। यह फैसला मेरठ की एक फैमिली कोर्ट के आदेश को रद्द करते हुए दिया गया, जिसमें पत्नी को पांच हजार रुपए प्रतिमाह भरण-पोषण देने का आदेश दिया गया था।

बता दें मेरठ के रहने वाले विपुल अग्रवाल ने फैमिली कोर्ट के फैसले के खिलाफ इलाहाबाद हाईकोर्ट में पुनरीक्षण याचिका दायर की थी। फैमिली कोर्ट ने 17 फरवरी 2025 को आदेश दिया था कि पति विपुल अपनी पत्नी को 5,000 और नाबालिग बच्चे को 3,000 प्रति माह भरण-पोषण के रूप में दें। न्यायमूर्ति सुभाष चंद्र शर्मा की पीठ ने सुनवाई करते हुए कहा कि फैमिली कोर्ट के फैसले में स्पष्ट विरोधाभास है।

ट्रायल कोर्ट ने माना था कि पत्नी पर्याप्त कारणों के बिना पति से अलग रह रही है, फिर भी भरण-पोषण देने का आदेश दे दिया गया, जो सही नहीं है। अगर पत्नी बिना वैध कारण के पति से अलग रहती है, तो वह भरण पोषण की हकदार नहीं है। अगर ट्रायल कोर्ट खुद मानता है कि पत्नी के पास अलग रहने का कोई उचित कारण नहीं है, तो फिर भरण-पोषण देना कैसे सही ठहराया जा सकता है? इससे न्यायिक प्रक्रिया में असंगति आती है।

पत्नी और राज्य सरकार के वकीलों ने कहा कि पत्नी पति की उपेक्षा के कारण अलग रह रही है, इसलिए उसे भरण-पोषण मिलना चाहिए, लेकिन कोर्ट ने कहा कि ट्रायल कोर्ट का फैसला और उसमें दिए गए तर्क आपस में मेल नहीं खाते हैं। हाईकोर्ट ने मामला फिर से विचार के लिए फैमिली कोर्ट को वापस भेज दिया है। जब तक ट्रायल दोबारा पूरी नहीं हो जाती, तब तक पति को अंतरिम राहत के तहत पत्नी को 3,000 प्रति माह, बच्चे को 2,000 प्रति माह देना होगा। यह फैसला साफ करता है कि सिर्फ अलग रहना ही भरण-पोषण का आधार नहीं हो सकता। महिला को यह साबित करना होगा कि वह उचित कारण से पति से अलग रह रही है।

गडकरी पीएम पद के लिए सही च्वॉइस, बीजेपी करे संघ प्रमुख के बयान का सम्मान

–कांग्रेस विधायक ने मोहन भागवत के 75 साल वाले बयान का समर्थन कर की मांग

बेंगलुरु (एजेंसी)। कांग्रेस के एक विधायक ने नितिन गडकरी को पीएम बनाने की मांग की है। उन्होंने इसके लिए संघ प्रमुख मोहन भागवत के रिटायरमेंट वाले बयान का हवाला दिया है। कांग्रेस विधायक बेलूर गोपालकृष्णा कर्नाटक की सागर विधानसभा से विधायक हैं। उन्होंने भागवत के बयान का स्वागत करते हुए कहा कि अगर इसके हिसाब से नरेंद्र मोदी पीएम पद से रिटायर होते हैं तो गडकरी को पीएम बनना चाहिए। वह इस पद के लिए सही च्वॉइस होंगे।

बता दें मोहन भागवत ने कहा था कि 75 साल की उम्र पूरी होने के बाद नेताओं को सत्ता से इस्तीफा दे देना चाहिए। इसके बाद कांग्रेस ने निशाना साधते हुए कहा था

कि मोहन भागवत का इशारा पीएम मोदी के लिए है। पीएम मोदी इस साल 75 साल के होने वाले हैं।

विधायक गोपालकृष्णा ने अपने बयान में कहा है कि अगर भागवत के 75 साल में रिटायरमेंट वाली बात के हिसाब से पीएम मोदी पद से हटते हैं तो नितिन गडकरी को अगला पीएम बनाना चाहिए। उन्होंने कहा कि गडकरी पीएम पद के लिए सही च्वॉयस होंगे। उन्होंने कहा कि गडकरी को देश के गरीब लोगों की ज्यादा चिंता है। गोपालकृष्णा ने कहा कि बीजेपी ने 75 साल का होने के बाद बीएस येदियुरप्पा को इस्तीफा देने पर मजबूर किया। उस वक्त उनकी आंखों में आंसू भरे हुए थे। अब बीजेपी को संघ चीफ की इच्छा का सम्मान करना चाहिए और यही फॉर्मूला पीएम पद भी लागू होना चाहिए। उन्होंने कहा कि देश गरीब लोगों की संख्या बढ़ रही है। अमीर और अमीर होता जा रहा है। उन्होंने कहा कि देश का धन कुछ लोगों के हाथ में जा रहा है। इसको देखते हुए नितिन गडकरी पीएम पद के लिए सबसे योग्य इंसान हैं। बीजेपी हाईकमान को इस बारे में सोचना चाहिए।

चुनाव आयोग का खुलासा, बिहार की मतदाता सूची में नेपाल, म्यांमार और बांग्लादेश जैसे देशों के नागरिकों के नाम

पटना (एजेंसी)। बिहार विधानसभा चुनाव से पहले चुनाव आयोग द्वारा कराए जा रहे मतदाता सूची विशेष पुनरीक्षण (एसआईआर) के दौरान बड़ा खुलासा हुआ है। निर्वाचन आयोग के अनुसार, राज्य की मतदाता सूची में नेपाल, म्यांमार और बांग्लादेश जैसे देशों के विदेशी नागरिकों के नाम शामिल पाए गए हैं। दरअसल घर-धर जाकर किए जा रहे सत्यापन के दौरान यह बात भी सामने आई है कि इन विदेशी नागरिकों के पास वोटर आई कार्ड, आधार कार्ड और राशन कार्ड जैसे दस्तावेज भी हैं। इस खुलासे ने न केवल प्रशासन को, बल्कि सियासी हलकों में भी हलचल पैदा कर दी है। चुनाव आयोग ने साफ किया है कि ऐसे अवैध मतदाताओं के नाम अंतिम मतदाता सूची में शामिल नहीं किए जाएंगे। आयोग के मुताबिक, एसआईआर अभियान का मकसद ही फर्जी और गैरकानूनी मतदाताओं को पहचान कर सूची से हटाना है। चुनाव आयोग के सूत्रों के अनुसार, 1 अगस्त 2025 के बाद उचित जांच के पश्चात ऐसे नामों को 30 सितंबर 2025 को प्रकाशित होने वाली अंतिम सूची में शामिल नहीं किया जाएगा। आयोग ने संकेत दिया है कि फाइनल लिस्ट के साथ इन विदेशी मतदाताओं की संख्या भी सार्वजनिक की जाएगी। फिलहाल मतदाता गणना फॉर्म जमा करने का कार्य अंतिम चरण में है। अब तक 80 फीसदी से अधिक मतदाताओं ने अपना नाम, पता, जन्मतिथि, आधार नंबर, और वोटर आई कार्ड की जानकारी देकर फॉर्म जमा कर दिया है। निर्वाचन आयोग ने इसके लिए 25 जुलाई 2025 की अंतिम तिथि तय की है, लेकिन संभावना है कि तय समय से पहले ही यह प्रक्रिया पूरी कर ली जाएगी। आपको बता दें कि बांग्लादेश और नेपाल की सीमा से सटे बिहार के किशनगंज, अररिया, कटिहार और पूर्णिया को सीमांचल नाम से पुकारा जाता है।

सीमांचल में अवैध घुसपैठियों के कारण पूरी तरह बदल गई डेमोग्राफी

सीमांचल में अवैध घुसपैठियों के कारण इस इलाके की डेमोग्राफी पूरी तरह बदल गई है। 1951 से 2011 तक देश की कुल आबादी में मुसलमानों की हिस्सेदारी जहां चार प्रतिशत बढ़ी है, वहीं सीमांचल में यह आंकड़ा करीब 16 प्रतिशत है। किशनगंज बिहार का ऐसा जिला है, जहां हिंदू अल्पसंख्यक हो चुके हैं। दिलचस्प बात तो यह है कि सरकारी दस्तावेज में अवैध घुसपैठियों के भारतीय नागरिक के रूप में उनका नाम-मुकाम भी दर्ज हो जा रहा। इसी आधार पर वे तमाम योजनाओं के हकदार भी बन जा रहे हैं। सीमांचल में अवैध बांग्लादेशी घुसपैठियों का दबदबा इस कदर बढ़ गया है कि वहां के हिंदू पलायन करने को मजबूर हो गए हैं। सीमांचल कहलाने वाले बिहार के किशनगंज, अररिया, कटिहार और पूर्णिया जिलों में बांग्लादेशी और रोहिंग्याओं के कारण बड़े पैमाने पर जनसांख्यिकीय बदलाव हुए हैं, जिनके कारण इन इलाकों में हिंदू अल्पसंख्यक हो गए हैं।

सीमांचल में मुस्लिम आबादी 38 फीसदी से 68 फीसदी तक

बिहार के किशनगंज, कटिहार, अररिया और पूर्णिया जिलों में मुस्लिम आबादी 38 फीसदी से 68 फीसदी तक है। कुछ लोग मानते हैं कि अधिक संख्या में आधार कार्ड बांग्लादेशी घुसपैठियों के लिए बनाए गए हैं। उनका दावा है कि स्थानीय नेताओं और कट्टरपंथी समूहों ने इसमें मदद की है। हाल ही में हुई जातिगत जनगणना से पता चला है कि किशनगंज में मुस्लिम आबादी 68 फीसदी, अररिया में 50 फीसदी, कटिहार में 45 फीसदी और पूर्णिया में 39 फीसदी हो गई है। केंद्र सरकार सीमांचल में हो रहे इन बदलावों को लेकर चिंतित है। रिपोर्ट के मुताबिक

बिहार के इन जिलों में मुसलमानों की आबादी करीब 40 से बढ़कर करीब 70 फीसदी हो गई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार सीमांचल के कई ऐसे जिले हैं, जहां हिंदू अल्पसंख्यक हो गए और बाद में प्रताड़ना से तंग आकर वहां से पलायन कर गए। अररिया जिले के रानीगंज प्रखंड के रामपुर गांव के हिंदू पलायन कर दोगांछी गांव चले गए। यहां हिंदुओं की आबादी थोड़ी अधिक है।

बिहार में मतदाता गणना फॉर्म जमा करने का कार्य अंतिम चरण में

बहरहाल बिहार में मतदाता गणना फॉर्म जमा करने का कार्य अंतिम चरण में है। अब तक 80 प्रतिशत से अधिक मतदाताओं ने अपना नाम, पता, जन्मतिथि, आधार नंबर, और वोटर आईडी की जानकारी देकर फॉर्म जमा कर दिया है। निर्वाचन आयोग ने इसके लिए 25 जुलाई 2025 की अंतिम तिथि तय की है, लेकिन संभावना है कि तय समय से पहले ही यह प्रक्रिया पूरी कर ली जाएगी।

जानकारी

चीज खाने के फायदे और नुकसान

अगर चीज को पनीर का आधुनिक रूप कहा जाए, तो गलत नहीं होगा। पनीर की तरह यह भी एक तरह का डेयरी पदार्थ है, जिसे दूध से बनाया जाता है। जहां पनीर को बनाने के लिए दूध में खटास का इस्तेमाल किया जाता है। वहीं, चीज के निर्माण के लिए दूध में बैक्टीरिया का इस्तेमाल किया जाता है। चीज दो तरह के होते है, सॉफ्ट और हार्ड चीज। यह दिखने में पनीर की तरह होता है, लेकिन स्वाद में पनीर से बिल्कुल अलग और मीठा होता है। यह कई तरह के पोषक तत्व से भरपूर होता है, जो कि आपके लिए लाभदायक हो सकता है। इसके पोषक तत्वों के बारे में हम आगे लेख में जिक्र करेंगे।

कैविटी

कैविटी के कारण दांतो के खराब होने की समस्या उत्पन्न हो सकती है। ऐसे में चीज के सेवन से दांतो में कैविटी होने के जोखिम को कम किया जा सकता है। चीज में कैरोस्टेटिक गुण पाए जाते हैं, जो कैविटी को कम करने का काम कर सकते हैं। साथ ही यह कैल्शियम का अच्छा स्रोत होता है, जो आपके दांत को लाभ पहुंचाने में फायदेमंद हो सकता है।

कैंसर

एक शोध के अनुसार, चीज का सेवन करने से कोलोरेक्टल व ब्रैस्ट कैंसर आदि से बचा जा सकता है। चीज में कैल्शियम व विटामिन-डी जैसे गुण पाए जाते हैं, जो कैंसर से हमारी रक्षा करते हैं ।

वजन बढ़ाने के लिए

अगर आप दुबले-पतले हैं, तो आपके वजन को बढ़ाने में चीज अहम भूमिका निभा सकता है। चीज में प्रोटीन, कैलोरी और वसा भरपूर मात्रा में पाए जाते हैं, जो आपके वजन को बढ़ाने में मददगार साबित हो सकते हैं ।

हड्डियों की मजबूती के लिए

चीज के लाभ हड्डियों के लिए भी हो सकते हैं। एक अध्ययन के अनुसार, चीज में भरपूर मात्रा में कैल्शियम पाया जाता है, जो हड्डियों को मजबूत करने का काम करता है। इसके कारण ऑस्टियोपोरोसिस जैसे हड्डियों से संबंधित रोगों को दूर रखने में भी मदद मिल सकती है ।ऑस्टियोपोरोसिस में हड्डियों कमजोर हो जाती है और उनके टूटने की आशंका बनी रहती है।

उच्च रक्तचाप के लिए

रक्तचाप बढ़ने से हृदय संबंधी विकार उत्पन्न हो सकते हैं। ऐसे में चीज का उपयोग इस समस्या को कम करने में सहायक हो सकता है। चीज़ को रक्तचाप को कम करने वाली डैश (DASH) डाइट में भी शामिल किया जाता है। दरअसल, चीज में सोडियम और प्रोटीन की मात्रा पाई जाती है, जो रक्तचाप को नियंत्रण करने का काम कर सकते हैं। इसलिए, चीज के लाभ उच्च रक्तचाप के लिए भी माने जा सकते हैं।

प्रेगनेंसी में लाभदायक

गर्भावस्था के दौरान चीज खाने को लेकर भी आपके मन में कुछ संशय जरूर होगा। अगर ऐसा है, तो यहां आपको इसका जवाब मिल जाएगा। गर्भावस्था के दौरान सॉफ्ट चीज के जगह हार्ड चीज का सेवन करना ज्यादा सुरक्षित हो सकता है ।चीज में कैल्शियम, विटामिन और मिनरल भरपूर मात्रा में होते हैं, जो भ्रूण की हड्डियों की संरचना में मदद कर सकते हैं। साथ ही जन्म दोष (रीढ़ की हड्डी और मस्तिष्क से संबंधित) की समस्या से भी छुटकार दिलाने का काम कर सकते हैं।

प्री मेंस्ट्रूएशन सिंड्रोम

लगभग हर युवती को प्री मेंस्ट्रूएशन सिंड्रोम से गुजरना पड़ता है। पीरियड्स से हफ्ते भर पहले होने वाले शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक बदलाव को प्री मेंस्ट्रूएशन सिंड्रोम कहा जाता है। इस अवस्था में युवती को चिड़चिड़ापन, पेट में दर्द व सिरदर्द हो सकता है। एक वैज्ञानिक रिसर्च के अनुसार, चीज के सेवन से प्री मेंस्ट्रूएशन सिंड्रोम के समय होने वाली थकान, अवसाद और खाने की लालसा को कम किया जा सकता है। यह चीज में पाई जाने वाली कैल्शियम की मात्रा के कारण संभव हो पाता है।

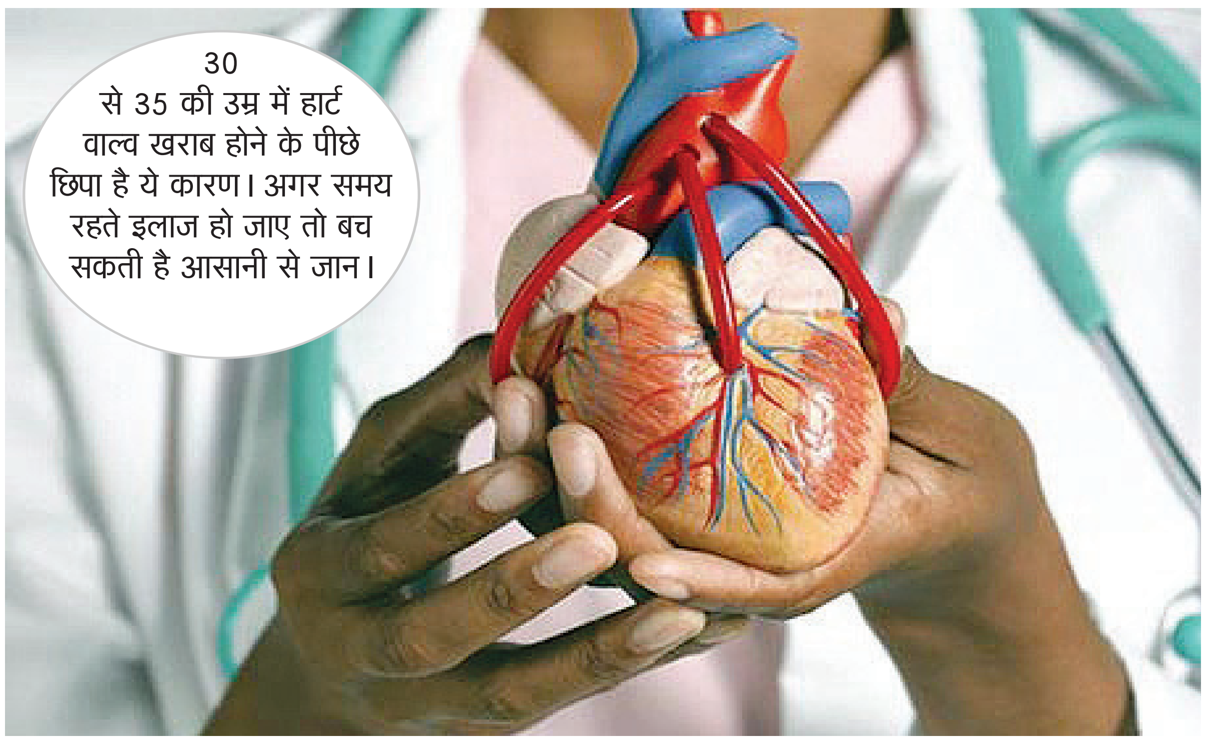

रूमेटिक हार्ट डिजीज क्या है

कॉडियोलॉजिस्ट से जानें इसके लक्षण, जोखिम और इलाज

रूमेटिक हार्ट डिजीज एक ऐसी स्थिति है, जिसमें रूमेटिक फीवर के कारण हार्ट के वाल्व स्थायी रूप से क्षतिग्रस्त हो जाते हैं। खराब गला या लाल बुखार जैसे स्ट्रेप्टोकॉकस संक्रमण का अगर इलाज न किया जाए या फिर इलाज अधूर छोड़ दिया जाए तो कुछ दिनों के भीतर ही हार्ट वॉल्व को नुकसान पहुंचना शुरू हो जाता है। प्रतिरक्षा प्रणाली में प्रतिक्रिया शरीर में इंफ्लेमेटरी स्थिति का कारण बनती है, जिसके परिणामस्वरूप वाल्व खराब हो सकता है और लोगों को हार्ट अटैक आ सकता है। रूमेटिक फीवर एक इंफ्लेमेटरी रोग है, जो शरीर के कई कनेक्टिव टिश्यू को प्रभावित करते हैं, विशेषकर हृदय, जोड़ों, स्किन और मस्तिष्क को। इस कारण हमारे हार्ट के वाल्व संक्रमित हो जाते हैं और समय के साथ-साथ खराब होते चले जाते हैं। संक्रमित होने के बाद करीब 10 वर्षों तक वाल्व पूरे तरीके से खराब हो जाते हैं और परिणामस्वरूप हार्ट फ्लेयोर हो जाता है।

डॉ. विवेक कुमार ने ओन्ली माई हेल्थ को बताया कि रूमेटिक फीवर किसी भी उम्र में हो सकता है लेकिन आमतौर पर ये 5 साल से 15 साल की उम्र के बच्चों में होता है। इस बीमारी को पूर्ण रूप लेने में कम से कम 10 साल का वक्त लगता है। ये सामान्य तौर पर अफ्रीका, मध्य एशिया, दक्षिण एशिया और गरीब देशों में होता है। वहीं भारत के बिहार, उड़ीसा, झारखंड और पड़ोसी देश नेपाल में इस रोग से सबसे ज्यादा लोग प्रभावित होते हैं। उन्होंने बताया कि अगर इस बीमारी का इलाज सही समय पर न किया जाए तो 30 से 35 साल तक की उम्र होते-होते किसी भी व्यक्ति की जान जा सकती है।

रूमेटिक हार्ट डिजीज से जोखिम किसको

अगर खराब गला या लाल बुखार जैसे स्ट्रेप्टोकॉकस संक्रमण का इलाज न किया जाए तो रूमेटिक हार्ट डिजीज का जोखिम बढ़ जाता है। वे बच्चे, जिनका गला बार-बार खराब होता है उनमें रूमेटिक फीवर और रूमेटिक हार्ट डिजीज का खतरा बहुत ज्यादा होता है।

रूमेटिक हार्ट डिजीज के लक्षण

गले में संक्रमण या रूमेटिक फीवर का इतिहास रूमेटिक हार्ट रोगों के निदान के लिए बहुत जरूरी है। रूमेटिक फीवर के लक्षण अलग-अलग होते हैं और आमतौर पर गला खराब होने के 1 से 6 सप्ताह बाद शुरू होते हैं। कुछ मामलों में संक्रमण को पहचानना बहुत मुश्किल होता है क्योंकि इसके लक्षण दिखाई नहीं देते।

रूमेटिक फीवर के आम लक्षण

बुखारः घुटनों और टखनों में सूजन, लालपन और बेहद ज्यादा दर्द।

त्वचा में गांठ बन जाना। छाती, पीठ और पेट पर रैशेज।

सांस लेने में दिक्कत और सीने में जकड़न। हाथ, पैर या मांसपेशियों में हलचल।

कमजोरी।

रूमेटिक हार्ट डिजीज के लक्षण वाल्व के क्षतिग्रस्त होने पर निर्भर करते हैं जैसे

- सांस लेने में दिक्कत,
- खासकर जब आप लेटे हुए हों।
- सीने में दर्द
- सूजन।

रूमेटिक हार्ट डिजीज का निदान

रूमेटिक हार्ट डिजीज से पीड़ति लोगों को या तो गले में संक्रमण होगा या उन्हें हाल ही में ऐसा हुआ होगा। संक्रमण की जांच के लिए ब्लड टेस्ट किया जा सकता है। इसके अलावा रूमेटिक हार्ट डिजीज की पहचान के लिए ये टेस्ट किए जा सकते हैं।

- इकोकार्डियोग्राम (इको)
- इलेक्ट्रोकार्डियोग्राम (ईसीजी)
- चेस्ट एक्स-रे
- कार्डियक एमआरआई
- ब्लड टेस्ट

कैसे होता है रूमेटिक हार्ट डिजीज का उपचार

इस रोग का उपचार इस बात पर निर्भर करता है आपके हृदय वाल्व को कितना नुकसान हुआ है। गंभीर मामलों में इलाज के दौरान क्षतिग्रस्त वाल्व को बदलने या उसे ठीक करने के लिए सर्जरी शामिल हो सकती है। रूमेटिक फीवर को रोकने का सबसे अच्छा उपचार है एंटीबायोटिक्स, जिन्हें आमतौर पर गले के संक्रमण के उपचार में लिया जाता है। एंटी-इंफ्लेमेटरी दवाओं का उपयोग सूजन को कम करने और हृदय को होने वाले नुकसान कम करने के लिए किया जा सकता है।

सेहत

हल्दी के फायदे

जैसा कि हम जानते हैं हल्दी में करक्यूमिन नामक अहम यौगिक होता है, जो अर्थराइटिस व कैंसर जैसी कई समस्याओं से हमें बचाता है। हल्दी के औषधीय गुण हमारे लिए कई प्रकार फायदेमंद हो सकते हैं, जो इस प्रकार हैं।

लिवर को करती है डिटॉक्सीफाई

हल्दी के औषधीय गुण के रूप में आप इसका इस्तेमाल शरीर को डिटॉक्सीफाई करने के लिए कर सकते हैं। मेरीलैंड मेडिकल सेंटर यूनिवर्सिटी के अनुसार, करक्यूमिन गाल ब्लैडर यानी पित्त मूत्राशय में बाइल (पित्त) के उत्पादन को बढ़ाता है। लिवर इस बाइल का प्रयोग विषैले जीवाणुओं को बाहर निकालने में करता है। इसके अलावा, बाइल के कारण लिवर में जरूरी सेल्स का निर्माण भी होता है, जो हानिकारक तत्वों को खत्म करने का काम करते हैं। करक्यूमिन की डिटॉक्सिफिकेशन प्रक्रिया इतनी प्रभावशाली है कि इसका इस्तेमाल मरकरी के संपर्क में आए व्यक्ति का इलाज करने तक में किया जा सकता है।

डायबिटीज

वैज्ञानिकों के अनुसार, करक्यूमिन रक्त में ग्लूकोज के स्तर को कम कर सकता है। इससे डायबिटीज से आराम मिल सकता है। एक अन्य शोध के तहत, डाबिटीज के मरीज को करीब नौ महीने तक करक्यूमिन को दवा के रूप में दिया गया। इससे मरीज में सकारात्मक परिणाम नजर आए। इन अध्ययनों के आधार पर वैज्ञानिकों ने माना कि हल्दी के सेवन से डायबिटीज से ग्रस्त मरीज का इम्यून सिस्टम बेहतर हो सकता है। डायबिटीज से ग्रस्त चूहों पर हुए अध्ययन में भी पाया गया कि करक्यूमिन सप्लीमेंट्स के प्रयोग से ऑक्सिडेटिव स्ट्रेस को कम किया जा सकता है। शरीर में ऑक्सिडेटिव स्ट्रेस का स्तर बढ़ने से हृदय संबंधी रोग भी हो सकते हैं। इस लिहाज से हल्दी खाने के फायदे में डायबिटीज को ठीक करना भी है।

प्रतिरोधक क्षमता में सुधार

हल्दी के गुण में इसका प्रतिरोधक क्षमता को बेहतर करना भी शामिल है। हल्दी में एंटीइंफ्लेमेटरी गुण होते हैं, जो प्रतिरोधक प्रणाली को बेहतर कर सकते हैं। वैज्ञानिक शोध में पाया गया है कि करक्यूमिन हृदय रोग व मोटापे का कारण बनने वाले सेल्स को बनने से रोकता है। साथ ही यह प्रतिरोधक प्रणाली को एक्टिव कर टीबी का कारण बनने वाले हानिकारक बैक्टीरिया को नष्ट कर सकता है। हल्दी में करक्यूमिनोइड्स नामक यौगिक भी होता है, जो टी व बी सेल्स (श्वेत रक्त कोशिकाएं) जैसे विभिन्न इम्यून सेल्स की कार्यप्रणाली को बेहतर करता है। इससे प्रतिरोधक क्षमता बेहतर होती है।

कैंसर

हल्दी में एंटी कैंसर गुण भी पाए जाते हैं। कई वैज्ञानिक शोधों में भी माना गया है कि कैंसर की रोकधाम में हल्दी का प्रयोग किया जा सकता है। शोध के दौरान पाया गया कि कुछ कैंसर ग्रस्त मरीजों को हल्दी देने से उनके ट्यूमर का आकार छोटा हो गया था। इतना ही नहीं कैंसर को खत्म करने में सक्षम इम्यून सिस्टम में मौजूद केमिकल भी एक्टिव हो जाते हैं। एक चाइनीज अध्ययन के अनुसार, करक्यूमिन ब्रेस्ट कैंसर का इलाज करने में भी कारगर है। इसलिए, कैंसर की रोकथाम के लिए हल्दी का उपयोग किया जा सकता है।

वजन नियंत्रण व मेटाबॉलिज्म

यह तो आप सभी जानते हैं कि मोटापा कई बीमारियों की जड़ है। इसके कारण न सिर्फ आपकी हड्डियां कमजोर होती हैं, बल्कि शरीर में कई जगह सूजन भी आ जाती है। इससे डायबिटीज व हृदय रोग जैसी समस्याएं भी हो सकती हैं। वहीं, हल्दी में एंटीइंफ्लेमेटरी व अन्य गुण होते हैं, जो इन समस्याओं से आपको राहत दिला सकते हैं। यह कोलेस्ट्रॉल व उच्च रक्तचाप को नियंत्रित कर सकती है। इन दो परिस्थितियों में भी वजन बढ़ने लगता है। हल्दी के गुण में वजन को नियंत्रित करना भी है। जब आपका वजन बढ़ता है, तो फैट टिशू फैल जाते हैं और नई रक्त वाहिकाओं का निर्माण होता है। ऐसे में करक्यूमिन इन नई रक्त वाहिकाओं को बनने से रोकता है, जिससे वजन कम हो सकता है। फिलहाल, यह शोध अभी तक सिर्फ चूहों पर किया गया है। यह मनुष्यों के लिए कितना कारगर है, उस पर रिसर्च किया जाना बाकी है।एक कोरियन स्टडी के अनुसार, हल्दी मेटाबॉलिज्म प्रणाली को बेहतर करती है और नए फैट को बनने से रोकती है। इसके अलावा, हल्दी कोलेस्ट्रॉल स्तर को भी नियंत्रित करती है, जिससे वजन का बढ़ना रुक सकता है। प्रोटीन से भी शरीर का वजन बढ़ता है, ऐसे में हल्दी अधिक प्रोटीन के निर्माण में बाधा पहुंचाती है। इस प्रकार कहा जा सकता है कि हल्दी वजन कम करने और मोटापे के कारण होने वाली बीमारियों से बचाने में हमारी मदद करती है। यहां स्पष्ट कर दें कि हल्दी फैट सेल्स को तो कम करती है, लेकिन भूख को किसी तरह से प्रभावित नहीं करती है। इसलिए, हल्दी का प्रयोग पूरी तरह से सुरक्षित है ।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पर प्रपंच में ना पड़कर काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। आलस्य का त्याग करें। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। शुभांक-2-5-7

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। दिमाग में निर्मूल तर्क-कुतर्क पैदा होंगे। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी व अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। शुभांक-5-6-7

मिथुन (का की कू घ ड छ के को हा): परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। शुभांक-5-6-9

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): किसी से वाद-विवाद अथवा कहासुनी होने का भय रहेगा। बुद्धि और धन का दुरूपयोग न करें व्यर्थ के आडम्बरों से बचें। अपनी परिसंपत्ति को संभालकर रखें। परिवार में किसी का स्वास्थ्य खराब हो सकता हैं। मानसिक तनाव में बढ़ोतरी होगी। बाहरी सहयोग की अपेक्षा रहेगी। शुभांक-1-6-7

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। कार्यसिद्धि होने में देर नहीं लगेगी। आर्थिक लाभ उत्तम रहेगा। ज्ञानार्जन का वातावरण बनेगा। शुभांक-2-5-6

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): शैक्षणिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। परिवार में कोई मांगलिक कार्य पर वार्ता होगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे। शुभांक-3-8-7

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): जमीन जायदाद का लाभ भी हो सकता है। आवास, मकान तथा वाहन की सुविधाएं मिलेंगी। कर्ज तथा रोगों से मुक्ति भी संभव है। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। रुपए पैसों की सुविधा मिल जाएगी। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। शुभांक-2-3-7

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा। यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। बनते हुए कार्यों में बाधा आएगी। धन से लाभ होने लगेगा। घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। शुभांक-2-6-8

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): बढ़ते घाटे से कुछ राहत मिलने लगेगी। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। मित्रों से सावधान रहें तो ज्यादा उत्तम है। ज्ञानार्जन का वातावरण बनेगा। धार्मिक स्थलों की यात्रा का योग बना है। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। शुभांक-4-8-9

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी): संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। शैक्षणिक क्षेत्र में उदासीनता रहेगी। मित्रों की उपेक्षा करना ठीक नहीं रहेगा। कार्यक्षेत्र में तनाव पैदा होगा। खान-पान में सावधानी रखें। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे है। शुभांक-5-6-8

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। मान-सम्मान बढ़ेगा। शुभांक-6-8-9

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। बुरी संगति से बचें। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। मान-सम्मान बढ़ेगा। शुभांक-3-6-8

काकुरो पहेली - 5010

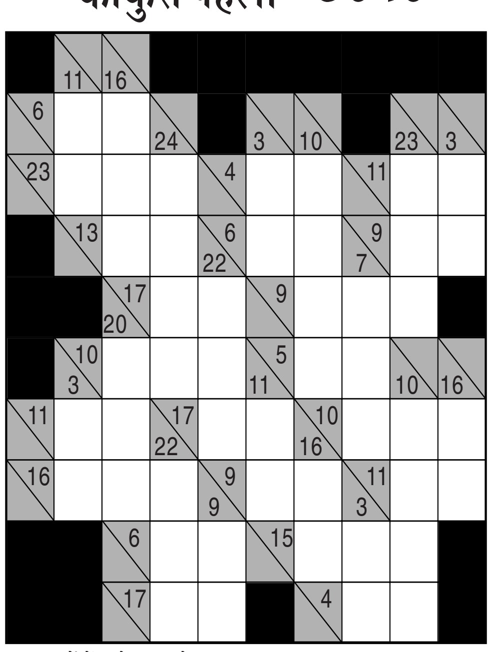

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

1 2 3 5 (11) ; 1, 2, 4 (7)

1+2+3+4+5+6=21
1+2+3+4+5+7=22
3+5+6+7+8+9=38
4+5+6+7+8+9=39

काकुरो - 5009 का हल

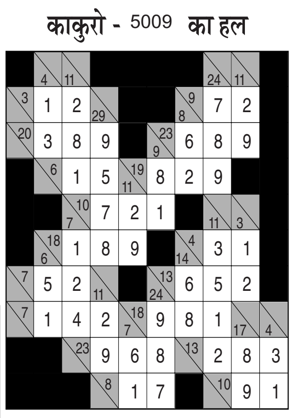

लॉफिंग ज़ोन

कई युवतियों को तंग कर चुका एक युवा अपने कॉलेज के लाइब्रेरियन के पास पहुँचा और बोला- क्या आप मुझे आत्महत्या पर कोई किताब दे सकते हैं। मैं शीघ्र ही आपको वापस कर दूँगा।

लाइब्रेरियन- नहीं दे सकता, आप लौटाएँगे नहीं।

□ □ □

एक व्यापारी को दूसरे व्यापारी से पैसे लेने थे, लेकिन पहले व्यापारी के बार-बार माँगने के बावजूद उसे पैसे नहीं मिल रहे थे। हार कर उसने दूसरे व्यापारी को एक पत्र भेजा। साथ में अपनी बेटी का फोटो भी भेजा।

पत्र में लिखा था- मुझे इस बच्ची की खातिर पैसे चाहिए।

□ □ □

एक खूबसूरत युवती डॉक्टर के पास गई और बोली- डॉक्टर साहब! मेरी स्कीन बहुत ही सेनसेटिव है। मेरी स्कीन हमेशा गोरी-गोरी रहे इसके लिए मुझे क्या करना चाहिए?

डॉक्टर साहब- अपने दरवाजे की कुंडी हमेशा लगाकर रखनी चाहिए।

□ □ □

फिल्म वर्ग पहेली- 5010

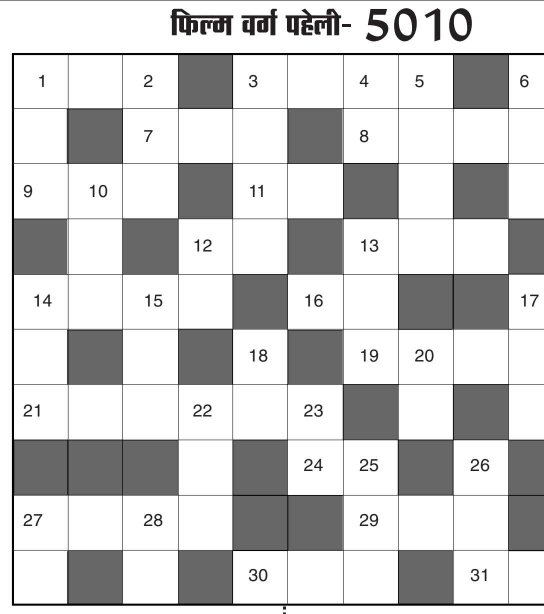

बायें से दायें:-

१. राजकुमार, राजेश खन्ना, माला की फिल्म-३
३. 'साथिन' की सच्ची घटना पर आधारित रघुवीर यादव, नंदिता की फिल्म-४
७. ऋषिकपूर, शाहरूख, दिव्या भारती की फिल्म-३
८. 'मेरे दिल ने जो मांगा मिल गया' गीत वाली फिल्म-४
९. बलराज, श्यामा की 'तारों की चूनर' गीत वाली फिल्म-२,१
११. 'क्या मैंने सोचा' गीत वाली संजय, अभिषेक, बिपाशा की फिल्म-२
१२. संजय, अभिषेक, जायेद, एशा, राइमा, शिल्पा की 'उन से पूछें' गीत वाली फिल्म-२
१३. 'सलमा को मिल' गीत वाली जैकी, पूनम की फिल्म-३
१४. ऋषिकपूर, जयाप्रदा की 'कोयल बोली दुनिया डोली' गीत वाली फिल्म-४
१६. 'दिल डूबा डूबा नीली' गीत वाली अमिताभ, अजय, अक्षय, ऐश्वर्याराय का फिल्म-२
१९. अक्षय, करिश्मा की 'माथे पे चमके' गीत वाली फिल्म-४
२१. 'ये चाँद सा' गीत वाली शम्मी, शर्मिला की फिल्म-३,१,२
२४. अरूण गोविल, साहिला की 'मेरी चढ़ती जवानी समझे' गीत वाली फिल्म-२
२७. 'मेरा कुछ सामान' गीत वाली शशिकपूर, नसीर, रेखा की फिल्म-४
२९. अक्षय, रवीना की 'सुबह से लेकर' गीत वाली फिल्म-३
३०. 'तू ने कहा जब से' गीत वाली अक्षय, करीना कपूर की फिल्म-३
३१. अजय, पूजा, सोनाली की 'हम यहाँ तुम यहाँ' गीत वाली फिल्म-२

ऊपर से नीचे:-

१. अमिताभ, वहीदा, जीनत की फिल्म-३
२. अशोक, बीना की 'जाता हूँ मैं' गीत वाली फिल्म-२,१
३. 'इश्क में दिल' गीत वाली नसीर, डिम्पल की फिल्म-४
४. सनी, शाहरूख, जूही की फिल्म-२
५. १९९४ में आई मिथुन, गोविंदा, योगिता की एक फिल्म-४
६. जीतेंद्र, बबीता की फिल्म-३
१०. 'आगे सुख तो' गीत वाली अनिल, विजया की फिल्म-३
१२. विवेक, दीया की 'दिल ही दिल में' गीत वाली फिल्म-२
१३. राजकुमार, मीना की फिल्म-३
१४. संजयदत्त, पूजा की 'जब जब प्यार' गीत वाली फिल्म-३
१५. 'घर आजा परदेसी' गीत वाली फिल्म-३
१७. राजेंद्रकुमार, वहीदा रहमान की 'ये मौसम भीगा भीगा है' गीत वाली फिल्म-३
१८. 'दो नैनों के पंख' गीत वाली फिल्म-२
२०. सनी, समीरा की 'नशा है आज' गीत वाली फिल्म-२
२२. 'गैर से अंख लड़ाई' गीत वाली फिल्म-३
२३. विनोद, डिम्पल की 'चंपई धूप के' गीत वाली फिल्म-२
२५. 'मेरा मन भंवरा' गीत वाली फिल्म-३
२६. मिथुन, अतुल, पूजा की फिल्म-३
२७. 'देखो देखो जानम हम' गीत वाली फिल्म-२
२८. सुनीलदत्त, आशा की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 5009

सूडोकु 5010

5	9			3			8	7
8	7		1		5			
		2			9			4
	6				2		3	5
3	8		4	1	7		2	9
2	4		6				1	
7			3			8		
			5		8		7	3
9	3			2			6	1

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु 5009 हल

7	4	8	3	9	2	1	5	6
2	6	9	5	7	1	8	4	3
3	1	5	4	8	6	7	2	9
5	7	4	8	6	9	3	1	2
8	9	1	2	3	4	6	7	5
6	3	2	1	5	7	4	9	8
4	8	7	6	2	5	9	3	1
9	2	6	7	1	3	5	8	4
1	5	3	9	4	8	2	6	7

शब्द पहेली 5010

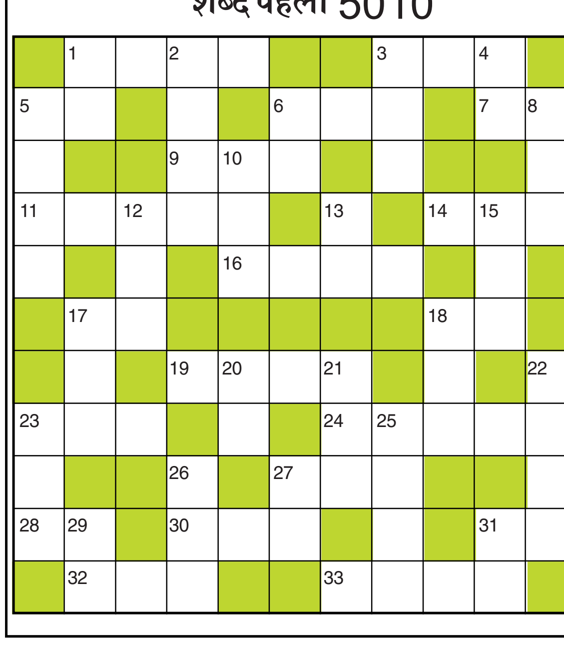

बाएँ से दाएँ

1.महीन व कीमती कपड़ा-4
3.गिरवी रखी वस्तु-3
5.चहा,पेय पदार्थ-2
6.ऐयार,गुप्तचर-3
7.संध्या,सांझ-2
9.रसद,किराणा सामग्री-3
11.करामात,करतब-5
14.विक्रय स्थल-3
16.कलाकार-4
17.चाहत,लगन-2
18.सद्,अच्छा-2
19.लंबा कोट-4
23.पानी की बूंद-3
24.कमर में पहना जाने वाला आभूषण-5
27.लोभ,लालसा-3
28.दौड़ना(अंग्रेजी-2)
30.रेखा,लाइन-3
31.अकुवा,आकड़ा-2
32.अव्यवस्थित भीड़-3
33.अचानक,सहसा-4

ऊपर से नीचे

1.शराब-2
2.सम्राट,शहंशाह-4
3.सांभर जैसा खाद्य-3
4.सरुर, मद-2
5.चापलूस-4
6.प्राण, जीवन तत्व-2
8.चिंतन-3
10.भद्र, कुलीन-3
12.अपराध-3
13.पिता का भाई-2
15.यात्री दल-3
17.प्रेम लगन-3
18.भ्रमर,जलावर्त-3
20.चमड़ी,त्वचा-2
21.अनुकृति-3
22.आर्द्रक-4
23.कटि,मध्यांग-3
25.हठ करना, जिद करना,रोना-4
26.साजन,सनम-3
27.थूक,लेस-2
29.भीगा हुआ-2
31.उम्मीद,आशा-2

शब्द पहेली - 5009 हल

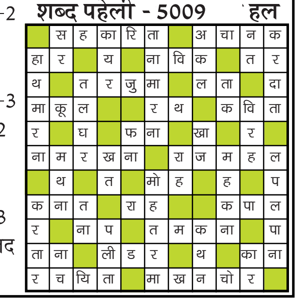

पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर से सक्रिय तीन आतंकियों की 3.2 करोड़ की अचल संपत्ति जब्त

एजेंसी

श्रीनगर। पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर से सक्रिय तीन आतंकियों की 3.2 करोड़ मूल्य की अचल संपत्ति गांदरबल पुलिस ने जब्त कर ली। यह कार्रवाई खीरभवनी पुलिस स्टेशन में गैरकानूनी गतिविधियाँ (रोकथाम) अधिनियम (यूएपीए) की धारा 13 के तहत दर्ज एफआईआर के संबंध में की गई। अधिकारियों के अनुसार संपत्तियाँ उचित कानूनी प्रक्रिया और अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश (एनआईए अधिनियम के तहत नामित विशेष न्यायाधीश) की अदालत के निर्देशों के बाद जब्त की गई। कुल 9 कनाल और 1.5 मरला जमीन की पहचान कर उसे जब्त किया गया है। पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर से सक्रिय जिन आतंकवादियों की संपत्तियाँ जब्त की गई हैं, ये सभी गांदरबल निवासी हैं। इनमें फ़ारूक अहमद राथर पुत्र अब्दुल अहद राथर निवासी कुराग, नूर मोहम्मद पर्रे पुत्र अब्दुल अहद पर्रे निवासी हटबुरा, मोहम्मद मकबूल सोफी पुत्र गुलाम मोहम्मद सोफी निवासी खुराहामा शामिल हैं। पुलिस के मुताबिक यह कदम आतंकवादियों के वित्तीय नेटवर्क को निशाना बनाने के उनके निरंतर प्रयासों का हिस्सा है, खासकर उन आतंकवादियों को जो सीमा पार से आतंकवादी गतिविधियों को अंजाम देने की कोशिश कर रहे हैं।

उदयपुर फाइल्स : दिवंगत कन्हैयालाल की पत्नी ने प्रधानमंत्री को लिखा पत्र

उदयपुर। कन्हैयालाल हत्याकांड पर आधारित फिल्म उदयपुर फाइल्स को लेकर दिवंगत कन्हैयालाल की पत्नी जशोदा देवी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को पत्र लिखकर उनसे मिलने का समय मांगा है। उदयपुर में 2022 में हुए कन्हैयालाल हत्याकांड पर आधारित फिल्म उदयपुर फाइल्स के प्रदर्शन पर रोक लगाए जाने को लेकर विवाद बढ़ता जा रहा है। दिल्ली उच्च न्यायालय ने फिल्म पर रोक लगाए जाने के बाद कन्हैयालाल की पत्नी जशोदा देवी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को पत्र लिखा है। जशोदा देवी के पुत्र ने यह पत्र पीएमओ को ईमेल के माध्यम से भेजा है। जशोदा देवी का कहना है कि वह प्रधानमंत्री से मिलकर पति की आत्मा की शांति और परिवार को न्याय दिलाने की मांग करना चाहती हैं। उन्होंने कहा कि जिस तरह की घटना उनके साथ घटी, वही फिल्म में दिखाया गया है, फिर उस पर रोक क्यों लगाई गई है? जशोदा देवी ने कहा कि यह फिल्म उनके पति की कहानी कहती है और इसका रिलीज़ होना न्याय की दिशा में एक कदम है। उन्होंने सवाल उठाया कि अब तक उन्हें न्याय क्यों नहीं मिला और कहा कि वह दोनों बच्चों के साथ प्रधानमंत्री से मिलेंगी और फिल्म को जल्द रिलीज़ करने की अपील करेंगी। उल्लेखनीय है कि 28 जून 2022 को उदयपुर में टेलर कन्हैयालाल साहू की बेरहमी से गला रेतकर हत्या कर दी गई थी, जिससे देशभर में आक्रोश फैल गया था।

महागठबंधन समन्वय समिति की बैठक में तेजस्वी के चेहरे पर विस चुनाव लड़ने पर बनी सहमति

पटना। राजधानी पटना में महागठबंधन समन्वय समिति की बैठक में तेजस्वी यादव के चेहरे पर विधानसभा (विस) चुनाव लड़ने पर सहमति बनी।बिहार विधानसभा नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव के पोलो रोड स्थित आवास पर आज दोपहर बाद हुई महागठबंधन समन्वय समिति की बैठक करीब चार घंटे तक चली। इस बैठक में सभी पार्टियों ने तेजस्वी यादव के चेहरे पर ही चुनाव लड़ने पर सहमति जताई। राजद की ओर से बैठक होने के बाद कहा गया कि तेजस्वी यादव के चेहरे पर गठबंधन में कोई संशय नहीं है, उन्हें मुख्यमंत्री का चेहरा मानने पर सभी (घटक दल) संतुष्ट हैं। राजद प्रवक्ता शक्ति यादव ने बैठक के बाद मीडिया से बातचीत में बताया कि नीतीश सरकार के पास कोई विजन नहीं है। उन्होंने कहा कि सत्ताधारी गठबंधन में जिसको जो सीट मिल जाए, वही सीट ले लेगा। मगर महागठबंधन में आंतरिक लोकतंत्र है।

स्वच्छ सर्वेक्षण में छत्तीसगढ़ के सात नगरीय निकायों को मिलेगा राष्ट्रीय पुरस्कार

रायपुर। स्वच्छ सर्वेक्षण-2024 में छत्तीसगढ़ के नगरीय निकायों ने राष्ट्रीय स्तर पर एक बार फिर धमक दिखाई है। नई दिल्ली में आगामी 17 जुलाई को आयोजित स्वच्छ सर्वेक्षण पुरस्कार समारोह में राज्य के 7 नगरीय निकायों को स्वच्छता के पैमानों पर खरे उतरने के लिए राष्ट्रीय पुरस्कारों से नवाजा जाएगा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ये पुरस्कार प्रदान करेंगी। केन्द्रीय आवास और शहरी कार्य मंत्री मनोहर लाल और केन्द्रीय आवास और शहरी कार्य राज्य मंत्री तोखन साहू भी पुरस्कार समारोह में शामिल होंगे। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु स्वच्छ सर्वेक्षण पुरस्कार समारोह में छत्तीसगढ़ के तीन नगरीय निकायों को पुरस्कार प्रदान करेंगी। स्वच्छता में उत्कृष्ट कार्यों के लिए बिलासपुर नगर निगम का 3 लाख से 10 लाख तक आबादी (बड़े शहर) की शहरों की श्रेणी में, कुम्हारी नगर पालिका को 20 हजार से 50 हजार जनसंख्या तक (छोटे शहर) की श्रेणी में और बिल्हा नगर पंचायत को 20 हजार से कम आबादी (बहुत छोटे शहर) वाले शहरों की श्रेणी में इसके लिए चयनित किया गया है।

कोचिंग सेंटर अब 'पोचिंग सेंटर' बन गए हैं- उपराष्ट्रपति, जगदीप धनखड़

एजेंसी

कोटा । भारत के उपराष्ट्रपति, जगदीप धनखड़ ने आज कहा, 'कोचिंग सेंटर अब 'पोचिंग सेंटर' बन चुके हैं। ये सुदृढ़ सांचों में प्रतिभा को जकड़ने वाले काले छिद्र बन गए हैं। कोचिंग सेंटर अनियंत्रित रूप से फैल रहे हैं, जो हमारे युवाओं के लिए, जो कि हमारे भविष्य हैं—एक गंभीर संकट बनता जा रहा है। हमें इस चिंताजनक बुराई से निपटना ही होगा। हम अपनी शिक्षा को इस तरह कलंकित और दूषित नहीं होने दे सकते।' धनखड़ ने आगे कहा, 'अब देश किसी सैन्य आक्रमण से नहीं, बल्कि विदेशी डिजिटल बुनियादी ढांचे पर निर्भरता से कमजोर और पराधीन होंगे। सेनाएं अब एल्गोरिद्म में बदल गई हैं। संप्रभुता की रक्षा का संघर्ष अब तकनीकी स्तर पर लड़ा जाएगा। उपराष्ट्रपति ने तकनीकी नेतृत्व को नई राष्ट्रभक्ति का आधार

बताते हुए कहा, 'हम एक नए युग में प्रवेश कर रहे हैं—एक नए राष्ट्रवाद के युग में। तकनीकी नेतृत्व अब देशभक्ति की नई सीमा रेखा है। हमें तकनीकी नेतृत्व में वैश्विक अगुवा बनना होगा। धनखड़ ने रक्षा जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में आयात-निर्भरता पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा, 'यदि हम रक्षा के क्षेत्र में बाहर से तकनीकी उपकरण प्राप्त करते हैं, तो वह देश हमें ठहराव की स्थिति में ला सकता है। डिजिटल युग में बदलती वैश्विक शक्ति संरचनाओं की ओर इशारा करते हुए उन्होंने कहा, 21वीं सदी का युद्धक्षेत्र अब भूमि या समुद्र नहीं है। पारंपरिक युद्ध अब अतीत की बात हो गई है। आज हमारी शक्ति और प्रभाव 'कोड, क्लाउड और साइबर' से तय होते हैं। भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान , कोटा, राजस्थान के चौथे दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में बोलते हुए श्री धनखड़ ने कहा, ÷हम गुरुकुल की बात कैसे न करें? हमारे संविधान की 22 दृश्य-प्रतिमाओं में एक गुरुकुल की छवि भी है। हम सदैव ज्ञानदान में विश्वास रखते आए हैं। कोचिंग सेंटर को अपने ढांचे का उपयोग कौशल केंद्रों में परिवर्तित करने के लिए करना चाहिए। मैं नागरिक समाज और जनप्रतिनिधियों से आग्रह करता हूं।

कोलकाता सोना आयात घोटाला - ईडी ने लिचेन मेटल्स और चार अन्य के खिलाफ कोर्ट में दायर की चार्जशीट

एजेंसी

कोलकाता । प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की कोलकाता क्षेत्रीय इकाई ने मनी लॉन्ड्रिंग रोकथाम अधिनियम (पीएमएलए), 2002 के तहत लिचेन मेटल्स प्राइवेट लिमिटेड और चार अन्य के खिलाफ 9 जुलाई को विशेष पीएमएलए कोर्ट, कोलकाता में अभियोजन शिकायत दाखिल की। ईडी की यह जांच केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) द्वारा भारतीय दंड संहिता और भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988 के तहत दायर एक आरोपपत्र के आधार पर शुरू हुई थी, जिसमें लिचेन मेटल्स प्राइवेट लिमिटेड (एलएमपीएल) और अन्य संदिग्ध व्यक्तियों और संस्थाओं को नामजद किया गया था। जांच में सामने आया कि एलएमपीएल के प्रतिनिधि श्याम सुंदर केडिया ने कोलकाता स्थित स्टेट ट्रेडिंग कॉरपोरेशन (एसटीसी) के शाखा प्रबंधक से 2,000 किलोग्राम सोने के शुल्क मुक्त आयात की अनुमति मांगी थी। हालांकि, यह मांग सिर्फ एक अनुमान थी और इसे विदेशी आपूर्तिकर्ताओं ने स्वीकार भी नहीं किया था, फिर भी एसटीसी के अधिकारियों ने षड्यंत्र के तहत इस मांग को दो हिस्सों में बांटकर (1,000-1,000 किलोग्राम) प्रस्तुत किया। इससे मंजूरी शाखा प्रबंधक के अधिकार क्षेत्र में आ गई और कॉर्पोरेट कार्यालय की अनुमति की आवश्यकता नहीं रही। इन फर्जी दस्तावेजों के आधार पर एसटीसी अधिकारियों ने भारतीय स्टेट बैंक से 100 मिलियन अमेरिकी डॉलर का अग्रिम विदेशी मुद्रा कवर प्राप्त कर लिया।

राहुल गांधी पर धर्मेंद्र प्रधान का पलटवार, 'कांग्रेस बांग्लादेशी घुसपैठियों की आड़ में जीत चाहती है'

एजेंसी

भुवनेश्वर । कांग्रेस नेता राहुल गांधी की टिप्पणी पर प्रतिक्रिया देते हुए केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने कहा है कि कांग्रेस बांग्लादेशी घुसपैठियों की आड़ में चुनाव जीतने का रास्ता खोजने की कोशिश कर रही है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि कई राज्यों में लगातार हार के बाद अब उन्हें (राहुल गांधी) बिहार में एक और हार का अहसास हो रहा है। वे इसे छिपाने की कोशिश कर रहे हैं। राहुल गांधी ने एक जनसभा को संबोधित करते हुए दावा किया था, महाराष्ट्र चुनाव में हेराफेरी की गई और बिहार में भी इसी तरह की अनियमितताओं की कोशिश की जा रही है। धर्मेंद्र प्रधान ने जवाब देते हुए राहुल गांधी के बयानों को 'गैर-जिम्मेदाराना और भ्रामक' बताया। उन्होंने कहा, 'राहुल गांधी निराधार आरोप सिर्फ इसलिए लगा रहे हैं, क्योंकि लोगों ने उन्हें और उनकी पार्टी को हर राज्य में बार-बार नकार दिया है, चाहे वह हरियाणा हो, महाराष्ट्र हो या दिल्ली।' केंद्रीय मंत्री ने कहा, 'चुनावी हार को विनम्रता से स्वीकार करने के बजाय कांग्रेस लोगों में भ्रम पैदा करने और चुनाव आयोग जैसी लोकतांत्रिक संस्थाओं को कमजोर करने की कोशिश कर रही है। धर्मेंद्र प्रधान ने राहुल गांधी

को याद दिलाया कि ये कांग्रेस पार्टी ही थी, जिसने कभी लोकतांत्रिक संस्थाओं को दबाने की कोशिश की। उन्होंने कहा, राहुल गांधी को याद रखना चाहिए कि कैसे उनकी दादी और तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी को चुनावी कदाचार के कारण न्यायपालिका ने अयोग्य घोषित कर दिया था। उनके परिवार की राजनीतिक विरासत संविधान की भावना के विरुद्ध है। उन्होंने आगे कहा कि राहुल गांधी की टिप्पणी उनकी हार के डर को छिपाने की एक कोशिश के अलावा और कुछ नहीं है। धर्मेंद्र प्रधान ने कहा, जब निश्चित हार का सामना करना पड़ रहा हो तो संवैधानिक संस्थाओं पर बेबुनियाद आरोप लगाना हताशा और राजनीतिक अपरिपक्वता को दर्शाता है।

सर्वे भवन्तु सुखिनः हिन्दू का मूल आदर्श : डॉ. कृष्ण गोपाल

एजेंसी

लखनऊ। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सह सरकार्यवाह डॉ. कृष्ण गोपाल ने कहा कि सर्वे भवन्तु सुखिनः हिन्दू का मूल आदर्श है। सभी का कल्याण हो सभी का शुभ हो। यह हिन्दू समाज की मान्यता है, जबकि अन्य मत पंथ मजहब केवल अपने सुख की कामना करते हैं। डॉ. कृष्ण गोपाल माधव सभागार निरालानगर में आयोजित समर्पण उत्सव को संबोधित कर रहे थे। डॉ. कृष्ण गोपाल ने कहा कि हर भाषा के लोग हमारे अपने हैं। सारा भारत तीर्थ है।

देश के सभी भागों में मंदिर एवं तीर्थ हैं। उत्तर के लोग दक्षिण, दक्षिण के लोग उत्तर, पूर्व के पश्चिम और पश्चिम के पूर्व भागों में स्थित मंदिरों का दर्शन करने जाते हैं। इन्हीं मंदिरों के कारण हमारे देश में एकत्व की भावना है। सह सरकार्यवाह ने कहा कि हिन्दू समाज से छुआछूत अभी खत्म नहीं हुआ है। अनेक संत महात्माओं एवं संघ कार्यकर्ताओं ने इसे दूर करने का काम किया किन्तु अभी भी

समाज में छुआछूत की समस्या विद्यमान है। शताब्दी वर्ष के दौरान राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने सामाजिक समरसता का आह्वान किया है। मंदिर, शमसान एवं जल के स्रोत सबके लिए खुले होने चाहिए। शताब्दी वर्ष में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के कार्यकर्ता प्रत्येक हिन्दू परिवारों में जाएंगे। डॉ. कृष्ण गोपाल ने कहा कि समस्त समस्याओं की कुंजी अध्यात्म है। हिन्दू समाज का संगठन समस्त समस्याओं का समाधान है। हिन्दू समाज की सामार्थ्य एवं शक्ति के बल पर अयोध्या में राम मंदिर का निर्माण हुआ।

संगठन शक्ति के कारण ही आज कोई हिन्दुत्व के खिलाफ बोलने की हिम्मत नहीं करता। इस अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, सह प्रान्त संघचालक सुनीत खरे, उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक, जल शक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह, प्रान्त प्रचारक कौशल, संघ के वरिष्ठ प्रचारक वीरेन्द्र सिंह, संयुक्त कुटुम्ब प्रबोधन प्रमुख ओमपाल सिंह, संघ के क्षेत्र सेवा प्रमुख युद्धवीर, क्षेत्र व्यवस्था प्रमुख जय प्रकाश व राज्यसभा सांसद डा. दिनेश शर्मा के अलावा विविध संगठनों के प्रान्तीय व क्षेत्र स्तर के पदाधिकारी उपस्थित रहे।

कोलकाता में फिर छात्रा से दरिंदगी

एजेंसी

कोलकाता । दक्षिण कोलकाता के कस्बा स्थित साउथ कलकत्ता लॉ कॉलेज (न्यू कैंपस) की एक लॉ छात्रा के साथ 25 जून की शाम को कॉलेज परिसर में बलात्कार की घटना हुई थी, इसी तरह रात को कोलकाता के दक्षिणी बाहरी इलाके जोका में प्रतिष्ठित भारतीय प्रबंधन संस्थान-कलकत्ता (आईआईएम-सी) के छात्रावास में एक युवती के साथ कथित बलात्कार की घटना सामने आई है। रात युवती ने संस्थान में पढ़ने वाले एक युवक पर यौन उत्पीड़न का आरोप लगाया है। पुलिस ने इस मामले में केस दर्ज कर आरोपी छात्र को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी महावीर टोप्पनवर उर्फ परमानंद जैन को 19 जुलाई तक पुलिस हिरासत में भेज दिया गया है। प्राप्त जानकारी के मुताबिक, पीड़िता आईआईएम की छात्रा नहीं है और अपनी सहेली के साथ हॉस्टल में ठहरी थी।पुलिस सूत्रों के अनुसार, पीड़िता को जॉब काउंसलिंग सेशन

के लिए बॉयज हॉस्टल में बुलाया गया था। दर्ज शिकायत के मुताबिक, वहां उसे पिज्जा और कोल्ड ड्रिंक सर्व किया गया, जिसे लेने के बाद उसकी तबीयत बिगड़ने लगी और वह बेहोश हो गई। होश में आने पर उसे यौन उत्पीड़न का अहसास हुआ।होश आने पर पीड़िता ने तुरंत अपनी सहेली से संपर्क किया और हरिदेवपुर पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई। इससे पहले वह ठाकुरपुकुर पुलिस स्टेशन गई थी, लेकिन मामला हरिदेवपुर थाने के अधिकार क्षेत्र में आने के कारण वहां शिकायत दर्ज नहीं हुई।पीड़िता ने बताया कि उसने आगंतुक रजिस्टर में हस्ताक्षर करने की कोशिश भी की थी, लेकिन आरोपी ने उसे रोक दिया। उसने यह भी दावा किया कि बेहोशी से पहले उसने आरोपी का विरोध किया, लेकिन उसने उसकी पिटाई की, जिसके बाद वह पूरी तरह बेहोश हो गई।शिकायत के बाद पुलिस ने परिसर से आरोपी को हिरासत में लिया और पूछताछ शुरू की। फिलहाल लड़की की मेडिकल रिपोर्ट का इंतजार किया जा रहा है।यह घटना दक्षिण कोलकाता के कस्बा स्थित साउथ कलकत्ता लॉ कॉलेज में 25 जून को हुई एक अन्य दुष्कर्म की घटना के एक महीने से भी कम समय बाद हुई है।हरिदेवपुर पुलिस स्टेशन के अधिकारियों ने बताया कि मामले की गहन जांच शुरू हो चुकी है। आरोपी की आधिकारिक पहचान अभी सार्वजनिक नहीं की गई है। पुलिस ने परिसर में कई लोगों से पूछताछ की और साक्ष्य जुटाने में जुटी है।

हैदराबाद में स्थापित होगा रेयर अर्थ मैग्नेट प्लांटः किशन रेड्डी

एजेंसी

हैदराबाद। केंद्रीय कोयला एवं खान मंत्री जी. किशन रेड्डी ने कहा कि केंद्र सरकार ने महत्वपूर्ण प्रौद्योगिकियों में आत्मनिर्भरता के लिए व्यापक प्रयास के तहत हैदराबाद में रेयर अर्थ मैग्नेट (दुर्लभ मृदा चुम्बक) का उत्पादन शुरू करने का फैसला किया है। उन्होंने कहा कि चीन की आपूर्ति पर अंकुश लगाने के लिए भारत दुर्लभ पृथ्वी चुंबक उत्पादन को बढ़ावा देगा। केंद्रीय कोयला एवं खान मंत्री जी. किशन रेड्डी ने यहां मीडिया को संबोधित करते हुए कहा कि चीन के दुर्लभ मृदा निर्यात नियंत्रण पर बढ़ती वैश्विक चिंताओं के बीच केंद्र सरकार ने हैदराबाद में दुर्लभ मृदा चुम्बकों का उत्पादन शुरू करने का निर्णय लिया है। इसके लिए भारत सरकार ने कुछ उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन (पीएलआई) योजनाएं भी शुरू की हैं। किशन रेड्डी ने कहा कि दुर्लभ पृथ्वी के स्थायी चुम्बकों के लिए हम 100 फीसदी चीन पर निर्भर थे। लेकिन हाल ही में चीन ने आपूर्ति करने से इनकार कर दिया है। इसी दृष्टि से भारत सरकार स्थायी चुम्बक निर्माण के लिए प्रयासरत है। उन्होंने बताया कि हैदराबाद स्थित खनन मंत्रालय के संस्थान ने प्रयास कर उपकरणों सहित एक स्थायी चुम्बक प्रसंस्करण इकाई तैयार कर ली है। 3-4 महीने बाद हम विभिन्न निजी कारखानों को तकनीक देकर स्थायी चुम्बक बनाने का प्रयास करेंगे।

भारतीय सेनाओं ने पाकिस्तान के आतंकी ठिकानों को तहस-नहस किया : राजनाथ सिंह

एजेंसी

लखनऊ। केन्द्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह अपने संसदीय क्षेत्र लखनऊ में कई कार्यक्रमों में शामिल हुए। राजनाथ सिंह मध्य विधानसभा क्षेत्र के मध्य मंडल चार में आयोजित प्रबुद्धजन संवाद कार्यक्रम में सम्मिलित हुए। इसके बाद काली जी मंदिर में नवनिर्मित भवन के लोकार्पण के अवसर पर राजनाथ सिंह ने कहा कि भारतीय सेनाओं पर मां काली की विशेष कृपा रही है। अभी ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भी भारतीय सेनाओं ने अद्भुत शौर्य, वीरता और पराक्रम का परिचय देते हुए पाकिस्तान की धरती पर मौजूद आतंकी ठिकानों को तहस-नहस करने में सफलता हासिल की। इस ऑपरेशन में महिला सैनिकों और पायलटों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और मां काली के एक स्वरूप से दुश्मनों के छक्के छुड़ा दिए। उन्होंने

कहा कि श्री बड़ी काली जी मंदिर लखनऊ की सांस्कृतिक और आध्यात्मिक चेतना का केंद्र है। जब लखनऊ, भी नहीं था तब भी यह मंदिर था और आज जब लखनऊ एक स्वरूप ले रहा है, तब भी यह मंदिर हम सबकी प्रेरणा शक्ति के रूप में मौजूद है। उन्होंने कहा कि लखनऊ में यह महाकाली मंदिर भी और भव्य एवं दिव्य स्वरूप ले, इसके लिए भी हम लोगों को मिलजुल कर प्रयास करना चाहिए। आपके सामने एक नहीं अनेक उदाहरण है। काशी-विश्वनाथ कॉरिडोर, महाकाल कॉरिडोर, सोमनाथ मंदिर का पुनर्निर्माण और अयोध्या में भगवान राम के भव्य मंदिर का निर्माण हमारे इसी मिशन का परिणाम है। लेकिन दुर्भाग्य से ऐसा हुआ नहीं। आजादी के बाद सोमनाथ मंदिर के पुनर्निर्माण तक का विरोध किया गया था और ये सोच दशकों तक देश पर हावी रही। इसका नतीजा ये हुआ कि देश, हीनभावना के गर्त में चला गया, अपनी विरासत पर गर्व करना भूल गया।

राजनाथ सिंह ने कहा कि अगर हम अपनी सांस्कृतिक पहचान को सम्मान देते, तो देश के भीतर एकजुटता और आत्मसम्मान का भाव मजबूत होता। गुलामी के कालखंड में जिन अत्याचारियों ने भारत को कमजोर करने के प्रयास किए, उन्होंने सबसे पहले हमारे इन आध्यात्मिक और सांस्कृतिक प्रतीकों और केंद्रों को ही निशाना बनाया था।

'विकसित भारत' का मार्ग, 'विकसित केरल' से होकर ही जाता है :केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह

तिरुवनंतपुरम। केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने केरल की राजधानी तिरुवनंतपुरम में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) केरल प्रदेश कार्यालय का उद्घाटन किया और विकसित केरल सम्मेलन को संबोधित किया। इस मौके पर उन्होंने केंद्र सरकार की ओर से किए जा रहे विकास कार्यों का उल्लेख किया और भाजपा कार्यकर्ताओं को 'विकसित केरलम' व 'विकसित भारत' की संकल्प को पूरा करने की दिशा में कार्य करने का आह्वान किया।केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने भाजपा के भव्य कार्यालय का उद्घाटन करते हुए उन सैकड़ों कार्यकर्ताओं को याद किया, जिन्होंने अपनी जान देकर भाजपा की विचारधारा के लिए सर्वोच्च बलिदान दिया। उन्होंने कहा कि भाजपा द्वारा किए गए कार्य , केरल में पार्टी के भविष्य की दिशा

का संकेत देते हैं। आज केरल में भाजपा के नवनिर्मित कार्यालय का भव्य उद्घाटन संपन्न हुआ। इस कार्यालय का भूमि पूजन भी मैंने ही किया था और आज इसका उद्घाटन भी मेरे ही द्वारा सम्पन्न हुआ। अमित शाह ने कहा कि कार्यालय का उद्घाटन उनके लिए व्यक्तिगत रूप से विशेष क्षण है, क्योंकि भारतीय जनसंघ के समय से लेकर आजतक की इस यात्रा में ऐसे कई पड़ाव आए हैं जो संगठनात्मक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण रहे हैं। यह कार्यालय केवल संगठन का केंद्र न बनकर, केरल में एनडीए की सरकार बनाने की दिशा में एक सशक्त शुरुआत होगी। उन्होंने कहा कि अन्य राजनीतिक दलों के लिए कार्यालय मात्र एक काम करने की जगह होता है, लेकिन भाजपा के लिए कार्यालय एक पवित्र स्थल होता है। भाजपा कार्यकर्ताओं के लिए यह मंदिर के समान होता है। कार्यालय के बिना पार्टी की विचारधारा कार्यकर्ताओं तक नहीं पहुंच सकती और विचारधारा के बिना भाजपा में एक कार्यकर्ता की कल्पना भी नहीं की जा सकती है। गृह मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री ने 'विकसित भारत' की संकल्पना देश के 140 करोड़ नागरिकों के समक्ष रखी है और इस 'विकसित भारत' का मार्ग, 'विकसित केरल' से होकर ही जाता है।

स्वच्छ सर्वेक्षण 2024 : इंदौर-उज्जैन समेत मप्र के आठ शहर होंगे राष्ट्रीय स्तर पर सम्मानित

एजेंसी

भोपाल। केन्द्र सरकार द्वारा शनिवार वर्ष 2024 के स्वच्छ सर्वेक्षण पुरस्कारों की घोषणा कर दी गई है। हर वर्ष की तरह मध्य प्रदेश ने इस वर्ष भी अपनी विजय पताका फहराई है। प्रदेश के 8 शहरों को इस राष्ट्रीय आयोजन में सम्मानित किया जाएगा। इन सम्मानों में स्वच्छता लीग सम्मान, राष्ट्रपति सम्मान, देश और राज्यों की विभिन्न श्रेणियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले निकायों को सम्मानित किया जाएगा। इसके लिये 17 जुलाई को नई दिल्ली स्थित विज्ञान भवन में एक गरिमामय आयोजन होगा। कार्यक्रम की अध्यक्षता राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू करेंगी। मध्य प्रदेश के 8 शहरों में सुपर लीग श्रेणी में इंदौर, उज्जैन और बुधनी हैं। इस श्रेणी में सिर्फ वे शहर शामिल किए जाते हैं, जिन्होंने पिछले तीन सालों में श्रेष्ठ प्रदर्शन किया हो और उत्तरोत्तर प्रगति की संभावनाएं सृजित की हों। इसी प्रकार राष्ट्रपति सम्मान प्राप्त करने वाले शहरों में भोपाल, देवास और शाहगंज शामिल हैं। इसके अलावा आवासन एवं शहरी कार्य मंत्री मनोहर लाल खट्टर द्वारा प्रदेश के जबलपुर और ग्वालियर को उनके उल्लेखनीय प्रयासों के लिये सम्मानित किया जाएगा। कचरा मुक्त शहरों की स्टार रेटिंग और ओडीएफ/ वॉटर प्लस के परिणाम भी उसी दिन जारी किए जाएंगे जनसम्पर्क अधिकारी मुकेश मोदी ने बताया कि प्रदेश से इस आयोजन में विभागीय मंत्री कैलाश विजयवर्गीय, राज्य मंत्री प्रतिमा बागरी के साथ विभागीय अधिकारी, जनप्रतिनिधियों की बड़ी टीम इस आयोजन में शिरकत करेगी।

महिलाओं और बच्चों के संपूर्ण सशक्तिकरण के लिए मप्र सरकार निरंतर प्रयासरत : निर्मला भूरिया

एजेंसी

भोपाल। मध्य प्रदेश अपनी जनजातीय बहुलता और भौगोलिक विविधता के बावजूद, महिलाओं और बच्चों के संपूर्ण सशक्तिकरण के लिये निरंतर प्रयासरत है। गुजरात के केवड़िया में केन्द्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्रालय द्वारा आयोजित पश्चिमी क्षेत्रीय राज्यों के जोनल सम्मेलन में मध्य प्रदेश की महिला एवं बाल विकास मंत्री निर्मला भूरिया ने राज्य में चल रहे योजनाओं, नवाचारों और जमीनी पहल का प्रभावशाली विवरण प्रस्तुत किया। बैठक केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री अन्नपूर्णा देवी की अध्यक्षता में आयोजित की गई। मंत्री निर्मला भूरिया ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं और सहायिकाओं की ऑनलाइन नियुक्ति प्रक्रिया शुरू की गई है, जिससे लगभग 19,500 पदों की पारदर्शी तरीके से पूर्ति हो रही है। यह प्रक्रिया हर छह माह में रिक्तियों के अनुसार नियमित रूप से संचालित की जाएगी। उन्होंने बताया कि प्रदेश में एम्स भोपाल के सहयोग से पोषण ट्रैकर डेटा की गुणवत्ता में सुधार किया गया है। कार्यकर्ताओं के लिए नेत्र परीक्षण अभियान भी चलाया जा रहा है, जिससे स्मार्टफोन आधारित ऐप संचालन में उन्हें सुविधा मिले।

उन्होंने जानकारी देते हुए बताया कि झाबुआ जिले में 'मोटी आई कार्यक्रम' और डिण्डौरी जिले में 'रेवा प्रोजेक्ट' जैसे नवाचारों के माध्यम से कुपोषण उन्मूलन में अद्भुत परिणाम मिल रहे हैं। उन्होंने बताया कि सशक्त वाहिनी कार्यक्रम के तहत अब तक 11,000 से अधिक बालिकाओं को निःशुल्क शारीरिक और शैक्षणिक प्रशिक्षण दिया गया है। कई बालिकाएं आज पुलिस, चिकित्सा एवं अन्य सेवाओं में चयनित होकर सेवा दे रही हैं। हेल्पलाइन 181 और 1098 का ईआरएसएस -112 से तकनीकी एकीकरण जुलाई 2024 में सफलतापूर्वक किया गया। विगत छह महीनों में 86,000 से अधिक मामलों में 91फीसदी से अधिक का समाधान हुआ है। शक्ति निवास' के माध्यम से कार्यरत महिलाओं को सुरक्षित आवास की सुविधा दी जा रही है। इंदौर में 100-बेड का नया शक्ति निवास तैयार है, प्रदेश के चार और शहरों में निर्माण जारी है। उन्होंने बताया कि 'मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना' के अंतर्गत हर माह 1.27 करोड़ महिलाओं को 1250 रुपये की आर्थिक सहायता दी जा रही है। अब तक 38,000 करोड़ से अधिक राशि वितरित की जा चुकी है। अटल पेंशन योजना से जोड़ने के लिए राज्य स्तर पर विशेष अभियान चलाया जा रहा है। 'मिशन वात्सल्य' के अंतर्गत चार बड़े जिलों में कंपोजिट शेल्टर होम का निर्माण कार्य प्रगति पर है।

लॉर्ड्स टेस्ट- इंग्लैंड की आधी टीम पवेलियन लौटी

सुंदर ने रूट को बोल्ड किया, फिफ्टी पार्टनरशिप ब्रेक की; भारत 154 रन से पीछे

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और इंग्लैंड के बीच एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी का तीसरा टेस्ट लॉर्ड्स स्टेडियम में खेला जा रहा है। रविवार को मैच का चौथा दिन है और दूसरा सेशन जारी है।

इंग्लैंड ने दूसरी पारी में 5 विकेट पर 154 रन बना लिए हैं। बेन स्टोक्स और जैमी स्मिथ नाबाद हैं। वॉशिंगटन सुंदर ने जो रूट (40 रन) को बोल्ड करके फिफ्टी पार्टनरशिप ब्रेक की।

हैरी ब्रूक (23 रन) को आकाश दीप ने बोल्ड कर दिया। नीतीश रेड्?डी ने जैक क्रॉली (22 रन) को कैच कराया। जबकि, मोहम्मद सिराज ने ओली पोप (4 रन) और बेन डकेट (12 रन) को पवेलियन भेजा।

इंग्लिश टीम ने आज 2/0 के स्कोर से खेलना शुरू किया था। पहली पारी में किसी टीम को बढ़त नहीं मिली, इनमें भारत और इंग्लैंड की टीमें एक समान 387-387 के स्कोर पर ऑलआउट हुईं

स्वियाटेक ने अनिसिमोवा को 6-0, 6-0 से रौंदकर पहला विंबलडन खिताब जीता

लंदन (एजेंसी)। पोलैंड की स्टार टेनिस खिलाड़ी इगा स्वियातेक शनिवार को धमाकेदार अंदाज में विंबलडन 2025 चैंपियन बन गईं। उन्होंने आल इंग्लैंड क्लब के ग्रास कोर्ट पर महिला सिंगल्स फाइनल में अमेरिका की अमांडा अनिसिमोवा को 6-0, 6-0 से रौंदा। स्वियातेक ने पहली बार टूर्नामेंट का खिताब जीता है। इस ग्रैंडस्लैम में लगातार आठवीं बार पहली महिला चैंपियन देखने को मिली है। इगा इससे पहले विंबलडन में क्वार्टर फाइनल से आगे तक नहीं बढ़ पाई थीं लेकिन इस बार गदर काट दिया और छठा ग्रैंड स्लैम अपने नाम किया। उन्होंने सेमीफाइनल में बेलिंडा बेनसिच को 6-2, 6-0 से हराने के बाद फाइनल में जगह बनाई थी।

पोलैंड की आठवीं वरीयता प्राप्त इगा ने शुरुआत से ही बढ़त बना ली और महज 57 मिनट में जीत दर्ज की। यह 114 सालों में विंबलडन का पहला महिला फाइनल था, जिसमें प्रतिद्वंद्वी खिलाड़ी एक भी गेम नहीं जीत सकी। स्वियातेक ओपन एरा में फाइनल में कोई भी गेम हारे बिना मेजर टाइटल जीतने वाली दूसरी खिलाड़ी बन गई हैं। उनसे पहले स्टेफी ग्राफ ने 1988 में आयोजित फ्रेंच ओपन में नतालिया ज्वेरेवा को हराया था। स्टेफी ग्राफ 32 मिनट में चैंपियन बनी थीं। बता दें कि 24 वर्षीय इगा फ्रेंच ओपन में चार और अमेरिकी ओपन में एक ट्रॉफी जीत चुकी हैं।

लॉर्ड्स टेस्ट: यह समय की बर्बादी का अब तक का सबसे अच्छा उदाहरण है, क्रॉली की रणनीति पर बोले वॉन

लंदन (एजेंसी)। इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल वॉन का मानना है कि मौजूदा तीसरे टेस्ट के तीसरे दिन के अंत में जैक क्रॉली की समय बर्बाद करने की रणनीति 'अब तक की सबसे अच्छी रणनीति' थी, लेकिन उन्होंने कहा कि भारत शिकायत नहीं कर सकता क्योंकि मेहमान टीम ने दूसरे दिन भी यही तरीका अपनाया था।

तीसरे दिन के अंत में उस समय गुस्सा भड़क गया जब इंग्लैंड के सलामी बल्लेबाज जैक क्रॉली की समय बर्बाद करने की रणनीति के बाद भारत एक और ओवर नहीं खेल पाया, जिस पर कप्तान शुभमन गिल की अगुवाई में मेहमान टीम ने तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की। भारतीय पारी तीसरे दिन 387 रन ढेर हो गई जो इंग्लैंड की पारी के समान थी। दिन का अंत इंग्लैंड ने मामूली 2 रन की बढ़त से किया।

387 रनों पर आउट होने के बाद भारत के पास तीसरे दिन के अंतिम सत्र में दो ओवर फेंकने का पर्याप्त समय था, लेकिन जसप्रीत बुमराह के शुरुआती ओवर के दौरान तीन बार चोट का बहाना बनाने और मैच से बाहर होने की क्रॉली की रणनीति के कारण मैच में देरी हुई। इसका मतलब था कि भारत के पास सिर्फ एक ओवर का समय था, जिससे मेहमान टीम नाराज हो गई क्योंकि इंग्लैंड ने तीसरे दिन अपनी दूसरी पारी में बिना किसी नुकसान के 2 रन बना लिए।

वॉन ने कहा कि यह दोनों टीमों के लिए बराबर था, 'यह समय की बर्बादी का अब तक का सबसे अच्छा उदाहरण है।' उन्होंने कहा, 'भारत शिकायत नहीं कर सकता क्योंकि कल गिल की हैमस्ट्रिंग में खिंचाव आ गया था, (केएल) राहुल मैदान से बाहर थे और वह पारी की शुरुआत नहीं कर पाते।' उन्होंने कहा, 'कोई भी टीम शिकायत नहीं कर सकता, लेकिन क्या शानदार ड्रामा था और क्या शानदार दिन था। हमें चौथे और पाँचवें दिन का सामना करना है जो शानदार होगा।'

इंग्लैंड के एक अन्य पूर्व कप्तान एलेस्टेयर कुक ने कहा कि 1-1 से बराबरी पर चल रही इस सीरीज को और रोमांचक बनाने के लिए इस तरह के ड्रामा की जरूरत थी। उन्होंने कहा, 'सभी बहुत दोस्ताना रहे हैं, लेकिन 5 मैचों की सीरीज में ऐसा हमेशा होता है। एक-दूसरे के खिलाफ कई बार खेलने के बाद कुछ छोटे-छोटे पल आते हैं।'

मिताली राज का रिकॉर्ड तोड़कर हरमनप्रीत कौर बनी नंबर-1, भारत ने अपने नाम की सीरीज

लंदन (एजेंसी)। भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने इंग्लैंड की सरजमीं पर इतिहास रचते हुए पहली बार इंग्लैंड में टी20 सीरीज अपने नाम की। भले ही टीम को 12 जुलाई को बर्मिंघम के एजबेस्टन मैदान पर खेले गए आखिरी टी20 मैच में हार झेलनी पड़ी लेकिन सीरीज भारत ने 3-2 से जीत ली।

इस ऐतिहासिक जीत की अगुवाई हरमनप्रीत कौर ने की। हालांकि,वे बल्ले से खास कमाल नहीं कर पाई लेकिन सिर्फ 15 रन बनाकर आउट हो गईं बावजूद इसके उन्होंने एक बड़ा इतिहास रच दिया।

हरमनप्रीत कौर ने भारत के लिए सबसे ज्यादा अंतर्राष्ट्रीय मैच खेलने वाली महिला क्रिकेटर बनने का रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया। उन्होंने ये उपलब्धि भारतीय महिला क्रिकेट की दिग्गज बल्लेबाज मिताली राज का रिकॉर्ड तोड़ते हुए हासिल की।

हरमनप्रीत कौर ने कुल 334 अंतर्राष्ट्रीय मैच खेले, जो कि महिला क्रिकेट में भारत के लिए सबससे ज्यादा है। उन्होंने महान बल्लेबाज मिताली राज का 333 मैचों का रिकॉर्ड तोड़ दिया। हरमनप्रीत अब विश्व की सबसे ज्यादा अंतर्राष्ट्रीय मैच खेलने वाली महिला खिलाड़ियों की लिस्ट में तीसरे स्थान पर हैं।

इस लिस्ट में न्यूजीलैंड की सुजी बेट्स (346 मैच) और ऑस्ट्रेलिया की एलिस पेरी (337 मैच) उनसे ऊपर हैं। 36 साल के हरमनप्रीत ने अब तक 8 शतक और 85 अर्धशतक लगाए हैं, जिसमें उनका सबसे ज्यादा व्यक्तिगत स्कोर 171 रन भी शामिल है जो महिला वनडे क्रिकेट में सबसे ज्यादा है।

जो रूट का कमाल जारी, सचिन तेंदुलकर की खास क्लब में बनाई जगह

लंदन (एजेंसी)। इंग्लैंड क्रिकेट टीम के बेहतरीन जो रूट लगातार रनों की अंबार खड़ा कर रहे हैं। बीते पांच साल में वह 20 शतक जमा चुके हैं। सचिन तेंदुलकर के सबसे ज्यादा टेस्ट रन के रिकॉर्ड को तोड़ने के रूट काफी करीब है और हाल ही में उन्होंने सचिन के साथ ही एक खास लिस्ट में अपना नाम भी लिखवा लिया है।

भारत और इंग्लैंड के बीच लॉर्ड्स में खेले जा रहे तीसरे टेस्ट मैच की दूसरी पारी में रूट ने ये मुकाम हासिल किया। इस मैच की पहली पारी में रूट के बल्ले से शतक निकला था जिसके दम पर मेजबान टीम ने 387 रनों का स्कोर खड़ा किया था। इस शतक से भी रूट ने कई रिकॉर्ड बनाए थे और दूसरी पारी में भी वह यही कर रहे हैं।

रूट ने इस मैच में बल्लेबाजी करते हुए नंबर-4 पर टेस्ट क्रिकेट में अपने 8000 रन पूरे कर लिए हैं। रूट से पहले इस नंबर पर सिर्फ चार ही बल्लेबाजों ने टेस्ट में 8000 या इससे ज्यादा रन बनाए हैं। इंग्लैंड दौरे से पहले टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेने वाले विराट कोहली ने भी लंबे समय तक नंबर-4 पर बल्लेबाजी की लेकिन वह भी इस मुकाम को नहीं छू पाए। कोहली के नाम तो टेस्ट में 10,000 रन भी नहीं हैं। टेस्ट में कोहली के नाम 123 मैचों में 9230 रन हैं। चौथे नंबर पर खेलते हुए कोहली ने 7564 रन बनाए हैं। इसके साथ ही रूट के नाम क्रिकेट के मक्का कहे जाने वाले लॉर्ड्स पर सबसे ज्यादा शतक जमाने का रिकॉर्ड है। उन्होंने इस मैदान पर कुल आठ शतक हैं। उनके बाद किसी का नंबर है जो इंग्लैंड के ही माइकल वॉन और ग्राहम गूज का। दोनों के नाम लॉर्ड्स में कुल 6-6 शतक हैं।

भारत की मिश्रित टीम निशानेबाजी विश्व कप के पदक दौर में जगह बनाने से चूकी

लोनाटो । लक्ष्य श्योराण (22,19,25) और नीरू ढांडा (25,24,25) तीसरी सीरीज में परफेक्ट स्कोर बनाने के बावजूद ट्रैप मिश्रित टीम स्पर्धा में पदक दौर में जगह बनाने से चूक गए जिसके साथ भारत का अभियान ङ्घस्स्न्न लोनाटो विश्व कप में समाप्त हो गया। लक्ष्य और नीरू ने क्वालीफाइंग दौर में संभावित 150 में से 140 अंक बनाए और 54 जोड़ियों में 10वें स्थान पर रहे। जोरावर सिंह संधू (21,23,24) और प्रीति रजक (23,24,23) की दूसरी भारतीय जोड़ी 138 अंक के साथ 22वें स्थान पर रही। एक दिन पहले महिला ट्रैप में चौथे स्थान पर रही नीरू ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए 75 में से केवल एक ही निशाना चूका जबकि लक्ष्य दूसरी सीरीज में लय में नहीं दिखे और छह निशाने चूक गए जिससे भारतीय जोड़ी की पदक दौर में जगह बनाने की संभावनाओं को झटका लगा। ऑस्ट्रेलिया, ग्रेट ब्रिटेन और स्पेन की दोनों टीम 143 अंक के समान स्कोर के साथ क्वालीफिकेशन में शीर्ष पर रहीं। पिछले निकोसिया शॉटगन विश्व कप की मिश्रित टीम स्पर्धा में काइनन चेनाई और सबीरा हारिस की भारतीय जोड़ी ने कांस्य पदक जीता था। यह स्पर्धा 2028 के लॉस एंजिलिस ओलंपिक में पहली बार आयोजित की जाएगी।

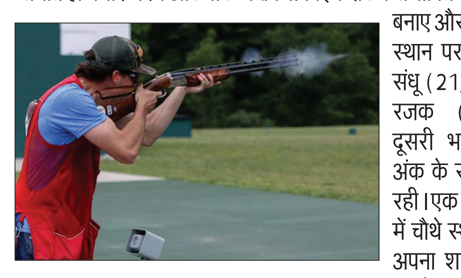

अभी रिटायरमेंट लेने का कोई इरादा नहीं : नोवाक जोकोविच

लंदन । विंबलडन टेनिस टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में हार के बाद नोवाक जोकोविच ने अपने प्रशंसकों को यह साफ संदेश दिया है कि वह अभी रिटायरमेंट लेने का कोई इरादा नहीं रखते। शुक्रवार को सेंटर कोर्ट पर दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी यानिक सिनर से सीधे सेटों में 6-3, 6-3, 6-4 से हार झेलने के बाद जोकोविच ने कहा कि यह उनका विंबलडन करियर खत्म करने वाला मैच नहीं था। 38 वर्षीय जोकोविच ने मैच के बाद कहा, 'मैं आज अपना विंबलडन करियर खत्म करने की योजना नहीं बना रहा हूं। मैं निश्चित रूप से कम से कम एक बार और वापसी की योजना बना रहा हूं।' उनकी इस हार ने न सिर्फ रोजर फेडरर के आठ विंबलडन खिताब के रिकॉर्ड की बराबरी करने बल्कि अपने 25वें ग्रैंड स्लैम खिताब की उम्मीदों को भी तोड़ दिया। क्वार्टर फाइनल के दौरान चोटिल होने के बाद जोकोविच सेमीफाइनल में पूरी लय में नजर नहीं आए। उन्होंने कहा कि वे अपनी चोट के बारे में विस्तार से बात नहीं करना चाहते, लेकिन प्रदर्शन से जरूर निराश हैं। मैच के दौरान तीसरे सेट से पहले जोकोविच ने अपने बाएं पैर के ऊपरी हिस्से के उपचार के लिए ट्रेनर को बुलाया और इसके बाद शुरुआती तीन गेम जीतने में सफल रहे। हालांकि, वे असहज महसूस करते रहे और आखिरी सात गेम में से छह हार गए। उनके प्रतिद्वंद्वी सिनर ने भी माना कि तीसरे सेट में जोकोविच की तकलीफ साफ दिख रही थी और वे सहज नहीं थे।

14 साल के वैभव सूर्यवंशी ने रचा इतिहास, आईपीएल से लेकर इंग्लैंड में मचाई धूम

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईपीएल 2025 से भारतीय क्रिकेट को एक नया सितारा मिल गया है। बिहार के समस्तीपुर में जन्मे महज़ 14 साल के वैभव सूर्यवंशी ने अपनी धमाकेदार बल्लेबाज़ी से सबको चौंका दिया है। आईपीएल से लेकर इंग्लैंड दौरे तक उन्होंने अपनी प्रतिभा का ऐसा जलवा दिखाया कि विशेषज्ञ भी उनकी तुलना सचिन तेंदुलकर और ब्रायन लारा जैसे दिग्गजों से करने लगे हैं। वैभव सूर्यवंशी आईपीएल खेलने वाले सबसे युवा खिलाड़ी बन गए। राजस्थान रॉयल्स ने उन्हें 2025 की नीलामी में 1.10 करोड़ रुपये में खरीदा। उन्होंने 14 साल और 23 दिन की उम्र में लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ जयपुर के सवाई मानसिंह स्टेडियम में डेब्यू किया। पहले ही मैच में 20 गेंदों पर 34 रन ठोक दिए।

आईपीएल-2025 में वैभव ने 7 मैच खेले और 36 की औसत से 252 रन बनाए। इस दौरान उनके बल्ले से एक शतक और एक अर्धशतक निकला। उन्होंने 24 छक्के और 18 चौके जड़ते हुए दिखा दिया कि उम्र महज एक नंबर है। राजस्थान के बाद, वैभव को भारत की अंडर-19 टीम में इंग्लैंड दौरे के लिए चुना गया। वहां भी उन्होंने मौके को हाथ से जाने नहीं दिया। पांच यूथ वनडे में उन्होंने 48, 45, 86, 143 और 33 रन की पारियां खेलीं। सबसे खास पारी रही चौथे वनडे में 143 रन की। उन्होंने महज 52 गेंदों में शतक पूरा किया और 78 गेंदों पर 10 छक्के और 13 चौके लगाते हुए 143 रन बनाए। इसी के साथ वैभव सूर्यवंशी यूथ वनडे में सबसे तेज शतक बनाने वाले खिलाड़ी बन गए। उन्होंने नजमुल हसन शांतो का रिकॉर्ड तोड़ा। वैभव ने 14 साल और 100 दिन की उम्र में यह कारनामा किया। इस मैच में उन्होंने विहान मल्होत्रा (129) के साथ 219 रन की साझेदारी कर भारत को 55 रन से जीत दिलाई।

वैभव के बारे में विशेषज्ञ कहते हैं कि उनमें सचिन तेंदुलकर की तकनीकी नजाकत और ब्रायन लारा जैसा अटैकिंग अंदाज नजर आता है। हालांकि कुछ कोच उन्हें पृथ्वी शॉ की गलतियों से सीखने की सलाह भी देते हैं। घरेलू क्रिकेट में भी वैभव ने रिकॉर्ड कायम किया। 13 साल 269 दिन की उम्र में लिस्ट-ए क्रिकेट खेलने वाले सबसे युवा भारतीय बने। बिहार की ओर से विजय हजारे ट्रॉफी 2024-25 में मध्य प्रदेश के खिलाफ डेब्यू किया। वह आधुनिक युग में प्रथम श्रेणी क्रिकेट खेलने वाले सबसे युवा भारतीय खिलाड़ी भी हैं। प्रथम श्रेणी क्रिकेट में वैभव ने 5 मैचों की 10 पारियों में 100 रन बनाए। छह लिस्ट-ए मैचों में 22 की औसत से 132 रन उनके नाम हैं। हालाँकि यह आंकड़े दिखाते हैं कि अभी उन्हें घरेलू क्रिकेट में और मेहनत करनी होगी। फिटनेस के लिए जरूरी यो-यो टेस्ट पास करना आधुनिक क्रिकेट का अहम हिस्सा है। विशेषज्ञ मानते हैं कि अगर वैभव अपनी फिटनेस और जज्बा बनाए रखें, तो वह भविष्य में भारतीय टीम के स्टार सलामी बल्लेबाज़ बन सकते हैं।

पेरिस ओलंपिक के बाद पहली बार डायमंड लीग में नीरज और अरशद में होगी प्रतिस्पर्धा

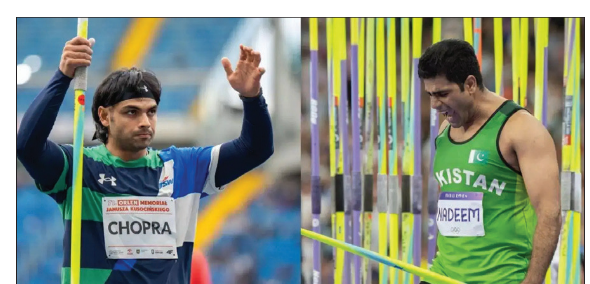

सिलेसिया । भारत के नीरज चोपड़ा और पाकिस्तान के अरशद नदीम के बीच 16 अगस्त को पोलैंड के सिलेसिया में होने वाली डायमंड लीग भाला फेंक (डीएल) स्पर्धा में टक्कर होगी। पेरिस ओलंपिक के बाद ये दोनो के बीच पहला मुकाबला होगा और ऐसे में सभी की नजरें इस पर लगी रहेंगी। अरशद ने पेरिस में 92.97 मीटर के शानदार थ्रो के साथ स्वर्ण पदक जबकि नीरज ने रजत पदक जीता था। नीरज टोक्यो ओलंपिक में स्वर्ण पदक विजेता होने के साथ ही विश्व चैम्पियन भी हैं। चोपड़ा को हालांकि पेरिस में 89.45 मीटर के सर्वश्रेष्ठ थ्रो के साथ रजत पदक से संतोष करना पड़ा था। विश्व एथलेटिक्स के एक बयान में कहा गया है कि चोपड़ा और नदीम सिलेसिया डायमंड लीग में पुरुषों की भाला फेंक स्पर्धा में प्रतिस्पर्धा करेंगे। सिलेशिया डायमंड लीग के आयोजकों ने भी नीरज और अरशद के बीच इस मुकाबले की पुष्टि करते हुए कहा कि यह नीरज के लिए पिछली हार का बदला लेने का अच्छा अवसर हो सकता है। आयोजकों ने प्रतिष्ठित डायमंड लीग स्पर्धा के प्रतिभागियों की घोषणा करते हुए कहा, 'पोलैंड के प्रशंसकों को नीरज और अरशद नदीम के मुकाबले का बेसब्री से इंतजार है।' आयोजकों ने कहा, 'अरशद यूरोपीय सर्किट में ज्यादा स्पर्धाओं में भाग नहीं लेते है ऐसे में उनके प्रदर्शन के बारे में ज्यादा जानकारी नहीं है। वह रज वहीं चोपड़ा हाल ही में 90 मीटर की बाधा पार करने वाले दुनिया के 26वें भाला फेंक खिलाड़ी बने हैं। चोपड़ा ने मई में दोहा डायमंड लीग में 90.23 मीटर के थ्रो के साथ रजत पदक जीता था। सिलेशिया डायमंड लीग के आयोजकों ने कहा, 'इस सत्र में वह 90 मीटर से अधिक थ्रो करने वाले इतिहास के 26वें खिलाड़ी बन गए हैं। वह निश्चित रूप से इसे और बेहतर करना चाहेगे।' पुरुषों की भाला फेंक में मौजूदा विश्व चैंपियन और मौजूदा ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता के बीच मुकाबला सिलेसिया डायमंड लीग के मुख्य आकर्षणों में से एक होने वाला है। चोपड़ा ने पेरिस खेलों के बाद कई प्रतियोगिताओं में भाग लिया है, जिसमें चार डायमंड लीग मीट, पोलैंड के चोरजो और चेक गणराज्य के ओस्ट्रावा में दो अन्य शीर्ष-श्रेणी की प्रतियोगिताएं भी शामिल है।

मैं अभी और टेस्ट क्रिकेट खेलना चाहता हूं, चयनकर्ताओं से संपर्क भी किया : रहाणे

नई दिल्ली (एजेंसी)। दो वर्षों से कोई टेस्ट मैच नहीं खेलने वाले 37 वर्षीय अजिंक्य रहाणे की भूख और जुनून अभी बाकी है। उन्होंने इस संबंध में चयनकर्ताओं से संपर्क करने की कोशिश भी की थी लेकिन उन्हें चयनकर्ताओं की ओर से कोई जवाब नहीं मिला। रहाणे इस समय लंदन में हैं और उन्हें स्काई स्पोर्ट्स में नासिर हुसैन और माइकल आथटर्न से बात करते हुए कहा, 'मैं अभी भी टेस्ट क्रिकेट खेलना चाहता हूं। मेरे अंदर टेस्ट क्रिकेट खेलने का जुनून बाकी है और इस समय मैं अपनी क्रिकेट का लुत्फ उठा रहा हूं। मैं यहां सिर्फ कुछ दिनों के लिए आया हूं और अपने ट्रेनिंग के कपड़े भी साथ लाया हूं ताकि मैं खुद को फिट रख सकूं। हमारा घरेलू सीजन शुरू होने वाला है इसलिए तैयारी अभी शुरू ही हुई है।'

जब रहाणे से पूछा गया कि विराट कोहली और रोहित शर्मा सरीखे सीनियर खिलाड़ियों के संन्यास के बाद भारतीय टीम युवा खिलाड़ियों पर ध्यान केंद्रित कर रही है ऐसे में उनके सामने टेस्ट में वापसी करने के लिए कैसी चुनौतियां हैं तो उन्होंने कहा कि उनका ध्यान सिर्फ उन चीजों पर है जिन पर उनका नियंत्रण है। नए कप्तान शुभमन गिल ने कोहली की जगह चौथे नंबर पर ले ली है, जबकि उप-कप्तान ऋषभ पंत पांचवें नंबर पर आ गए हैं।

पुराने खिलाड़ियों में से, केएल राहुल ही एकमात्र ऐसे खिलाड़ी हैं जो अभी भी चयनकर्ताओं की योजनाओं में मजबूती से शामिल हैं। कड़ी प्रतिस्पर्धा के बावजूद रहाणे बेफिक्र हैं और घरेलू क्रिकेट के प्रति अपने समर्पण के जरिए वापसी की कोशिश कर रहे हैं। टेस्ट टीम से बाहर होने के बाद से रहाणे ने लगातार दो रणजी ट्रॉफी सीजन में मुंबई का नेतृत्व किया है, जिसमें टीम ने 2023-24 में अपना 42वां खिताब जीता, जबकि 2024-25 में उपविजेता रही। वह सैयद मुश्ताक अली (टी20) खिताब जीतने वाली मुंबई टीम का भी हिस्सा थे।

रहाणे ने 2024-25 के रणजी सीजन में 14 पारियों में 35.92 की औसत से एक अर्धशतक और एक शतक सहित 467 रन बनाए। वह निराशाजनक IPL 2025 के दौरान कोलकाता नाइट राइडर्स (KKR) के लिए सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी थे, जहां उनकी टीम 10 टीमों में से आठवें स्थान पर रही। रहाणे ने 14 पारियों में 147.27 के स्ट्राइक रेट से 390 रन बनाए। रहाणे ने कहा, 'मैं सिर्फ उन्हीं चीजों पर ध्यान केंद्रित करना चाहता हूं जो मेरे नियंत्रण में हैं।

राहणे ने कहा, 'सच कहूं तो मैंने इस संबंध में चयनकर्ताओं से बात करने की कोशिश भी की लेकिन बतौर खिलाड़ी ऐसी चीजें मेरे नियंत्रण में नहीं होती। मुझे कोई जवाब नहीं मिला। एक क्रिकेटर के तौर पर मैं बस इतना ही कर सकता हूं कि मैं क्रिकेट खेलूं, खेल का आनंद लूं और हर मौके पर अपना सर्वश्रेष्ठ देने की कोशिश करूं। मुझे टेस्ट क्रिकेट खेलना बहुत पंसद है। खेल के प्रति मेरा प्रेम ही मुझे लगातार अच्छा करने के लिए प्रेरित करता है।'

बुमराह सबसे अधिक बार शून्य पर आउट होने वाले चौथे भारतीय खिलाड़ी बने, 35 वहीं बार खाता नहीं खोल पाये

लॉर्ड्स । भारतीय टीम के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमाराह अब तक इंग्लैंड दौरे में रनों के मामले में असफल रहे हैं। बुमराह ने अभी तक इस दौरे में तीन बार बल्लेबाजी की है और तीनो में ही वह अपना खाता नहीं खोल पाये। इस प्रकार बुमराह ने इस सीरीज में शून्य पर आउट होने की हैट्रिक लगायी है। पिछली 7 पारियों में वह 6 बार 0 पर आउट हुए हैं। इसी के साथ उन्होंने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे ज्यादा बार शून्य पर आउट होने वाले बल्लेबाजों की अनचाही सूची में सचिन तेंदुलकर और रोहित शर्मा को भी पछड़ दिया है। लॉर्ड्स टेस्ट में 0 पर आउट होने के बाद बुमराह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 35 वीं बार पहली ही गेंद पर आउट हुए हैं। वहीं सचिन तेंदुलकर और रोहित शर्मा 34-34 बार अपना खाता नहीं खोल पाये हैं। सबसे ज्यादा बार 0 पर आउट होने वाले बल्लेबाजों की सूची में बुमराह अब संयुक्त रूप से पांचवें पायदान पर हैं। उनके अलावा पूर्व कप्तान अनिल कुंबले भी 35 बार अपने करियर में 0 पर आउट हुए हैं।

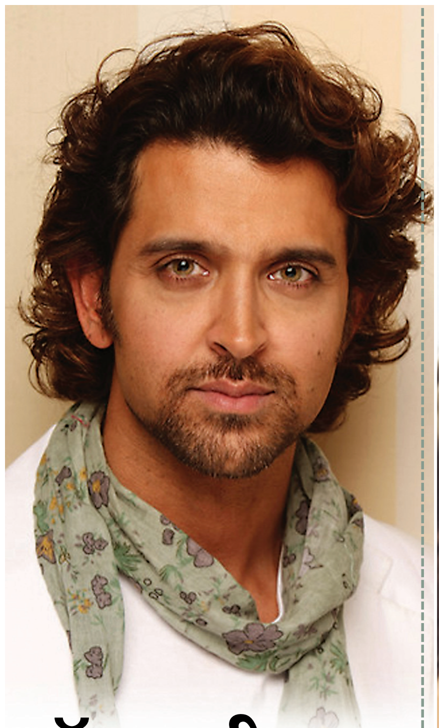

वॉर 2 की शूटिंग पूरी होने पर भावुक हुए ऋतिक रोशन

फिल्म वॉर 2 की शूटिंग पूरी हो गई है। इस फिल्म में ऋतिक रोशन एक बार फिर कबीर के रूप में वापसी कर रहे हैं। उनके अलावा फिल्म में साउथ सुपरस्टार जूनियर एनटीआर और अभिनेत्री कियारा आडवाणी भी हैं। फिल्म की शूटिंग पूरी होने पर ऋतिक रोशन भावुक महसूस कर रहे हैं। उन्होंने सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर किया है। ऋतिक रोशन ने अपने एक्स (पूर्व में ट्विटर) अकाउंट से आज मंगलवार को एक पोस्ट शेयर किया है। शूटिंग पूरी होने पर टीम ने केक काटा है। इसके साथ ऋतिक रोशन ने लिखा है, फिल्म वॉर 2 के लिए कैमरा बंद होने के बाद मिली-जुली भावनाएं महसूस हो रही हैं। 149 दिनों तक लगातार रोलिंग, एक्शन, डांस, ब्लड, पसीना, चोटें... और इस सबकी कीमत वसूल हुई है!

जूनियर एनटीआर और कियारा को कहा शुक्रिया

ऋतिक ने पोस्ट में जूनियर एनटीआर को टैग करते हुए लिखा है, सर, आपके साथ काम करना और साथ मिलकर कुछ विशेष बनाना मेरे लिए सम्मान की बात है। वहीं कियारा आडवाणी को टैग करके लिखा है, मैं बहुत उत्साहित हूं कि दुनिया आपके घातक पक्ष को देखे, आपके साथ स्क्रीन साझा करना शानदार अनुभव रहा।

अगस्त में रिलीज होगी फिल्म

ऋतिक रोशन ने आगे लिखा है, मैं बेसब्री से इंतजार कर रहा हूं कि आप सभी आदि और अयान के कमाल के सिनेमाई विजन को देखें। वॉर 2 के सभी कलाकारों और क्रू को, अपनी प्रतिभा को साझा करने और हर एक दिन अपना बेस्ट देने के लिए तहेदिल से शुक्रिया। आखिर में, कबीर के शूटिंग का खत्म होना कहना हमेशा कड़वा-मीठा अनुभव होता है। मुझे फिर से खुद जैसा महसूस करने में कुछ दिन लगेंगे। अब 14 अगस्त, 2025 को आप सभी के सामने अपनी फिल्म पेश करने की यात्रा पर निकल पड़े हैं।

स्पाई थ्रिलर फिल्म है वॉर 2

यह फिल्म साल 2019 में आई ऋतिक रोशन की फिल्म वॉर का ही सीक्वल है। अयान मुखर्जी ने सीक्वल का निर्देशन किया है। इसे यशराज फिल्म्स के बैनर तले आदित्य चोपड़ा प्रोड्यूस कर रहे हैं। यह स्पाई थ्रिलर फिल्म है। तेलुगु में वॉर 2 के डिस्ट्रीब्यूशन राइट्स पर नागा वामसी ने हासिल किए हैं।

बिना काम के 1 साल घर बैठी रहीं, इंडस्ट्री में एक्टर्स मदद नहीं करते...

एक्ट्रेस और कंटेंट क्रिएटर बरखा सिंह ने डिजिटल और फिल्म इंडस्ट्री में अपनी लगातार पहुंच के साथ बड़ा नाम बनाया है। वह फेमस वेब सीरीज क्रिमिनल जस्टिस 4 में पंकज त्रिपाठी के साथ लोगों का दिल जीत रही हैं। हालांकि, इंडस्ट्री के कई एक्टर्स की तरह, बरखा भी परेशान करने वाले अनुभवों का शिकार हुई हैं, जिनमें से एक कास्टिंग काउच से जुड़ा था, जो चौंकाने वाला था। इसके साथ ही, एक्ट्रेस ने नवभारत टाइम्स ऑनलाइन के साथ अपने करियर की जर्नी भी शेयर की है। बरखा सिंह ने एक घटना के बारे में बताया जिसमें एक दिन उनके इनबॉक्स में एक ईमेल आया था। हालांकि, उन्होंने ये भी कहा कि उन्हें कभी भी व्यक्तिगत रूप से ऐसे ऑफर्स का सामना नहीं करना पड़ा, फिर आगे कहा कि उन्हें एक बार एक साउथ फिल्म में रोल ऑफर करने के लिए एक ईमेल मिला था, जिसमें 'समझौता' करने की मांग की गई थी, लेकिन किसी का नाम नहीं बताया गया था।

बरखा सिंह के साथ कास्टिंग काउच

बरखा ने कहा, किसी ने इसे मेरे ईमेल में डाल दिया। मुझे लगता है कि यह साउथ फिल्म इंडस्ट्री के लिए था, और मेरे पास सबूत है, जहां उसने कहा था, इतने सारे शूटिंग के दिनों की जरूरत है और जरूरी चीजें कम से कम 36 होनी चाहिए, समझौता करना जरूरी है। आप इसे लिखित में दे रहे हैं, इसका मतलब है कि आप इससे बहुत सहमत हैं। नाम नहीं डाला कि किसके साथ समझौता किया जाएगा।

घर में एक्टिंग से कोई नाता नहीं

इसी के साथ बरखा ने करियर के बारे में बात करते हुए बताया कि उनके घर में एक्टिंग से दूर-दूर तक कोई लेना-देना नहीं है। कोई भी इस बैकग्राउंड से नहीं आता है। इसी इंटरव्यू में एक्ट्रेस ने ये भी कहा कि इंडस्ट्री में भले आपके दोस्त हों लेकिन वो आगे बढ़ने में कुछ खास मदद नहीं करते।

इंडस्ट्री में लोग नहीं करते मदद

उन्होंने कहा, गजराव राव से मैंने पूछा तो उन्होंने बताया था कि कहां जाकर ऑडिशन देना है लेकिन फैक्ट ये है कि एक्टर्स आपकी मदद नहीं करते हैं। ऑप कॉम्पटिशन में नहीं भी हो तो वो आपको आगे बढ़ने में मदद नहीं करते हैं। कुछ कुछ कर भी देते हैं लेकिन ज्यादा लोग हवा में बोलते हैं बस, मदद नहीं करते। एक साल घर बैठकर मैं इतजार करती रही। फिर धीरे-धीरे चीजें समझ आईं।

बरखा सिंह के व्लॉग्स

अभिनय के अलावा, बरखा एक फेमस ट्रैवल व्लॉगर और सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर भी हैं, जिन्होंने कैडबरी, अमेजन और कोका-कोला जैसे ब्रांडों के साथ सहयोग किया है। उन्होंने माधुरी दीक्षित की फिल्म मजा मा में भी अहम रोल किया था, जिसमें गजराज राव, ऋत्विक भौमिक, सृष्टि श्रीवास्तव और कई कलाकार थे।

वॉर 2 को लेकर उत्साहित हैं कियारा आडवाणी

ऋतिक रोशन, जूनियर एनटीआर और कियारा आडवाणी की फिल्म 'वॉर 2' लगातार चर्चा में बनी हुई है। फिल्म को लेकर दर्शकों को बेसब्री से इंतजार है और पहली बार जूनियर एनटीआर और ऋतिक रोशन का पर्दे पर क्लैश देखने के लिए दर्शक खासा उत्साहित हैं। हाल ही में फिल्म की शूटिंग पूरी हो गई है। जिसके बाद अभिनेता ऋतिक रोशन ने फिल्म की शूटिंग पूरे होने पर फिल्म के अपने अनुभवों को लेकर एक खास पोस्ट शेयर किया था। इसमें उन्होंने अपने को-एक्टर्स जूनियर एनटीआर और कियारा आडवाणी का भी जिक्र किया था। अब अभिनेत्री कियारा आडवाणी ने भी फिल्म को लेकर अपना उत्साह जाहिर किया है और फिल्म की शूटिंग पूरी होने पर एक पोस्ट शेयर किया है। कियारा ने अपने एक्स अकाउंट पर ऋतिक की पोस्ट को ही री-शेयर किया है। इसके साथ ही कियारा ने लिखा, उत्साह दोनों का एक जैसा ही है ऋतिक। आपके साथ स्क्रीन शेयर करना एक यादगार अनुभव रहा, जिसे कभी भूला नहीं जा सकता। आदी सर, तारक और हमारी शानदार टीम ने जो अद्भुत तैयार किया है, उसे लोगों के सामने लाने का इंतजार नहीं हो रहा। अपनी इस पोस्ट में कियारा ने ऋतिक और जूनियर एनटीआर को मेंशन भी किया है।

इससे पहले ऋतिक रोशन ने सोशल मीडिया पर फिल्म की शूटिंग पूरी होने पर केक काटते हुए एक फोटो शेयर की थी। इसके साथ ही उन्होंने फिल्म से जुड़े अपने अनुभवों को साझा करते हुए एक खास नोट भी लिखा था। इसमें उन्होंने फिल्म के अपने को-एक्टर्स कियारा, जूनियर एनटीआर को भी मेंशन करते हुए उनके साथ काम करने के अपने अनुभवों को जाहिर किया था।

14 अगस्त को रिलीज होगी 'वॉर 2'

'वॉर 2' यशराज के स्पाई यूनिवर्स का हिस्सा है और 2019 में आई फिल्म 'वॉर' का सीक्वल है। 'वॉर 2' में ऋतिक ने पहली फिल्म की तरह ही रॉ एजेंट कबीर की भूमिका निभाई है। फिल्म में जूनियर एनटीआर निगेटिव किरदार में नजर आएंगे, जबकि कियारा फीमेल लीड में दिखाई देंगी। अयान मुखर्जी द्वारा निर्देशित यह फिल्म 14 अगस्त को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।

एक बार फिर साथ काम करेंगे इमरान हाशमी और हिमेश रेशमिया

हिमेश रेशमिया और इमरान हाशमी की जोड़ी ने बॉलीवुड को कई बेहतरीन गाने और थ्रिलर फिल्में दीं हैं। अब यह जोड़ी एक बार फिर गनमास्टर जी9 में साथ में काम करने को तैयार हैं। फिल्म के निर्माताओं ने बुधवार को इसका टीजर रिलीज किया है। इस खबर से फैंस उत्साहित हैं। फिल्म निर्माता दीपक मुकुट ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया है। इस वीडियो में देखा जा सकता है कि एक रहस्यमई हाथ एक दूध भरी बाल्टी से निकलता है। इस दौरान इमरान हाशमी कहते हैं। मुझसे मचमच किया तो चलेगा। गलती से परिवार को छुआ तो याद रखना। धंधे से दूध वाला हूं, बंदा बारूद वाला हूं।

2026 में रिलीज होगी फिल्म

इस वीडियो के कैप्शन में लिखा है दूध से बारूद तक, सब्जी से गुंडा तक, गोली से पीटने तक, गनमास्टर जी9 तबाही के लिए तैयार है। टीम घातक है। दीपक मुकुट, नर मुकुट, सोहम रॉकस्टार एंटरटेनमेंट, इमरान हाशमी, आदित्य दत्त और हिमेश रेशमिया को वापस लाकर खुश है। इनके साथ जेनेलिया देशमुख और अपारशक्ति खुराना हैं। गनमास्टर जी9 सिनेमाघरों में 2026 को आएगी।

इमरान हाशमी और हिमेश ने साथ में किया काम

आपको बता दें कि हिमेश रेशमिया ने इमरान हाशमी की फिल्म आशिक बनाया आपने और अक्सर में काम किया है। हिमेश ने इमरान हाशमी के कई गानों को आवाज दी है जो हिट रहे हैं। इसमें झलक दिखला जा, आशिक बनाया आपने और आपकी कशिश जैसे गाने शामिल हैं।

18 साल बाद साथ काम करेंगे

2019 में रिलीज हुई इमरान की फिल्म द बॉडी में हिमेश का एक गाना था। वहीं 2007 में उन्होंने इमरान की फिल्म गुड बॉय बैड बॉय में बतौर म्यूजिक डायरेक्टर काम किया था। कह सकते हैं कि अब वे 18 साल बाद इमरान हाशमी की किसी फिल्म को म्यूजिक देंगे।

एक्टिंग का पेशा काफी डिमांडिंग है, आपको इंडस्ट्री के हिसाब से काम करना पड़ेगा

शरद केलकर उन फेमस एक्टर्स में से हैं, जो फिल्मों, ओटीटी और छोटे पर्दे तीनों पर पसंद किए गए हैं। बाहुबली में प्रभास की आवाज बनकर शोहरत बटोरने वाले शरद ने एक बार फिर छोटे पर्दे का रुख किया है, नए सीरियल तुम से तुम तक से। उनसे एक खास बातचीत।

एक समय था, जब आप हकलाया करते थे और वहां से लेकर आवाज की दुनिया का इतना बड़ा बनने का सफर कैसा था? इंडस्ट्री में आवाज के मामले में आप और अमिताभ बच्चन को ही मानक माना जाता है।

शाहरुख खान की फिल्म का डायलॉग है न कि किसी चीज को आप शिद्दत से चाहो, तो सारी कायनात उसमें लग जाती है, मगर मेरे लिए तो ये मरता क्या न करता वाली हालत थी। मैं तो पढ़ाई - लिखाई करके अच्छी-खासी नौकरी कर रहा था कि मुझे एक्टिंग के कीड़े ने काटा और मैं यहां आ गया, पर जब मैं यहां आया, तो मेरी उम्र अच्छी-खासी 28 साल की थी। मैं अपना ग्लोरी पीरियड खो चुका था। मुझे किसी भी हाल में इस क्षेत्र में पैर जमाने थे। चूंकि मैं दिखता अच्छा था, तो मुझे काम तो मिलता था, मगर मेरा काफी मजाक उड़ता था।

एक्ट्रेस कीर्ति से आपकी शादी को 20 साल हो गए, मगर एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री जिसे काजल की कोठरी कहा जाता है, उसमें आप दाग से बचे रहे, कभी आपका नाम किसी से नहीं जुड़ा?

ये जो नजरिया है न, ये आज की तारीख में पूरी तरह से गलत है। आज की डेट में सबसे सफेद कोठरी यही है। मुझे अगर किसी अच्छे दोस्त के साथ कॉफी पीने भी जाना हो, तो दस बार सोचना पड़ता है कि वहां मुझे देखकर पैप्स या मीडिया क्या दिखा दे या छाप दे पता नहीं। तो आज हमारी इंडस्ट्री में आप ऐसा-वैसा कुछ नहीं कर सकते। आज जो दूसरी इंडस्ट्री में हो रहा है, उसका पांच पर्सेंट भी हमारे यहां नहीं हो रहा। आप चाहे मेडिकल जगत देखें या कॉर्पोरेट वर्ल्ड, रिश्तों का करप्शन वहां हमारी इंडस्ट्री की तुलना में कहीं ज्यादा है। मेरे बहुत दोस्त हैं, जो बताते रहते हैं कि उनके कार्यक्षेत्र में क्या-क्या हो रहा है? असल में आज लोग बहुत ही फ्रस्ट्रेटेड हैं। काम के घंटे बढ़ गए हैं। तनाव बहुत ज्यादा है। इस स्ट्रेसफुल लाइफ में डिवोर्स बढ़ रहे हैं। एक्स्ट्रामेरिटल अफेयर्स हो रहे हैं, मर्डर्स तक हो रहे हैं।

आप एक ऐसे अदाकार हैं, जो एक ही समय में फिल्म, ओटीटी और टीवी पर काम कर रहे हैं, आप 8 घंटे की शिफ्ट के बारे में क्या सोचते हैं?

आप जिस फील्ड में हैं, उसे आपने चुना है, तो आप हर जॉब के प्रोज और कॉन्स जानते हैं। आपसे किसी ने जबरदस्ती नहीं की है। हमारा पेशा काफी डिमांडिंग है, तो आपको टाइम देना पड़ेगा कि ये 7 दिन आ रहा है या 5 दिन। आपको पता है कि आप मुंबई जैसे शहर में हैं, जहां आपको शूटिंग में पहुंचने के लिए ट्रैफिक का सामना करना पड़ता है और टाइम लग जाता है। आपको अपनी इंडस्ट्री के हिसाब-किताब से काम करना पड़ेगा। एक बार आप किसी मुकाम पर पहुंच जाएं, तो फिर आप अपने काम का पैमाना सेट कर सकते हैं। मगर ये प्रोफेशन है डिमांडिंग।इसमें आप शिकायत कैसे कर सकते हैं।

फिल्मों और ओटीटी पर सक्रिय रहते हुए आपने लंबे समय बाद टीवी पर वापसी की। कोई खास वजह?

मैं टीवी से गायब नहीं था। पिछला शो बैरी पिया (2010) था। मैं कमिटमेंट को लेकर बहुत सीरियस हूं और ओवर कमिटमेंट से बचता हूं। तभी किसी प्रोजेक्ट के लिए हां कहता हूं, जब उसे निभा सकूं। बैरी पिया के बाद टीवी के कई ऑफर थे, लेकिन फिल्में भी करनी थीं, इसलिए डेट्स को लेकर चुनना पड़ा। राजन शाही ने जब कुछ तो लोग कहेंगे ऑफर किया, तो वो हफ्ते में चार दिन आने वाला शो था। राजन जी तेज काम करते हैं और मैं भी। मैं उन एक्टर्स में से नहीं जो कॉस्ट्यूम बदलने में वक्त लें, मैं सेट पर ही कपड़े बदल लेता हूं। सोचता हूं, अगर बच्चन साहब ऐसा कर सकते हैं, तो मैं क्यों नहीं? टीवी पर मैंने सात फेरे, आदर्श दामाद, आदर्श बेटा, बैरी पिया जैसे रोल किए। एक वक्त के बाद उन्हीं जैसे किरदारों के ऑफर आने लगे। कुछ तो लोग कहेंगे में मच्योर लव स्टोरी की, फिर वैसे ही रोल आने लगे। एजेंट राघव किया तो पुलिस वाले रोल्स की भरमार हो गई। कोई लौट के आया में ब्लाइंड विलेन था, जिसे काफी सराहा गया।

आपका शो एज गैप वाली लव स्टोरी पर आधारित है, मगर आज प्यार-मोहब्बत के मामले में सिचुएशनशिप, घोस्टिंग, ब्रेड्क्रबिंग जैसे टर्म्स आ गए हैं, क्या कहना चाहेंगे इस पर?

अरे हां, मैंने तो पॉकेटिंग के बारे में भी सुना है। सिचुएशनशिप तो बहुत सुनता हूं। आखिरकार ये बला है क्या? मैं अभी इस लीग में आया नहीं हूं, क्योंकि मेरी बेटी अभी 10-11 साल की है। मैं पूछूंगा निहारिका (सीरियल की उनकी हीरोइन निहारिका चौकसे) से। अब मैं यही कहूंगा कि हमारे समय में टर्म्स नहीं थे, मगर ये चीजें तो तब भी थीं। डबल डेटिंग तो तब भी लोग करते ही थे। अब जहां तक प्यार की बात, तो इसे शब्दों में बयान कैसे करें, मगर इतना जरूर कह सकता हूं कि मेरे लिए प्यार का मतलब है खुशी।

सेहत और सौन्दर्य का रक्षक भुट्टा

भुट्टा जिसे कॉर्न या मकई सेहत के लिए बेहद फायदेमंद है. कई खतरनाक रोगों से रक्षा तो करता ही है सौन्दर्य को भी बरकरार रखता है. भुट्टा जिसे कॉर्न और मकई भी कहा जाता है, का प्रयोग तरह-तरह के व्यंजन बनाने में किया जाता है. यह ऐसा अनाज है जो स्वाद के साथ-साथ सेहत के लिए भी फायदेमंद होता है. मकई का आटा कोलोन कैंसर के खतरे को कम करता है.

दुरुस्त करता पाचन

कॉर्न में फाइबर यानी भरपूर रेशे होते हैं. ये रेशे भोजन को पचाने के लिए जरूरी हैं. यह कब्ज और पेट में होने वाले कैंसर की आशंका को कम करता है.

प्रचुर मात्रा में खनिज

कॉर्न के दानों में भरपूर मिनरल्स पाये जाते हैं. इसमें आयरन, मैग्नीशियम और कॉपर के अलावा फॉस्फोरस भी पाया जाता है. ये तत्व हड्डियों के लिए जरूरी है. इन तत्वों से हड्डियां मजबूत होती हैं. इसका सेवन किडनी को भी मजबूत करता है.

त्वचा को बनाता है चमकदार

कॉर्न लंबे समय तक त्वचा को कांतिमय रखने में मददगार होता है. एंटीऑक्सीडेंट्स की प्रचुरता के अलावा इसके तेल में लिनोलिक एसिड होता है.

एनीमिया से करता है बचाव

मक्के में आयरन होता है. आयरन की कमी से एनीमिया हो जाता है और इसके कारण लाल रक्त कणों की संख्या घट जाती है. मक्के में विटामिन-बी और फोलिक एसिड मौजूद होते हैं जो एनीमिया होने से बचाव करते हैं.

कंट्रोल करता है कोलेस्ट्रॉल

कोलेस्ट्रॉल ऐसा पदार्थ है, जो बढ़ने पर नुकसाद पहुंचाता है. कोलेस्ट्रॉल दो प्रकार के होते हैं गुड कोलेस्ट्रॉल (एचडीएल) और बैड कोलेस्ट्रॉल (एलडीएल).
कोलेस्ट्रॉल में फैटी फूड आते हैं जो हमारे दिल को कमजोर बनाते हैं. स्वीट कॉर्न में विटामिन-सी होते हैं जो हमारे दिल को स्वस्थ रखते और कोलेस्ट्रॉल को कंट्रोल करते हैं. कॉर्न में प्रचुर मात्रा में फाइटोकेमिकल्स होते हैं जो कैंसर होने के कारणों को रोकते हैं. कॉर्न में विटामिन-बी भी होता है जो तंत्रिका तंत्र को स्वस्थ रखने में मददगार हैं. कॉर्न उन डायबिटीज पीड़ितों के लिए जरूरी है, जो इंसुलिन नहीं लेते. कॉर्न उनके डायबिटीज को कंट्रोल करते हैं. मकई में मौजूद कैरोटेनोइड आंखों की ज्योति बढ़ाने के साथ ही विटामिन ए भी उपलब्ध कराता है. मकई के दानों यानी भुट्टों को पकाकर भी खाया जाता है. इससे जहां दांतों की बेहतर एक्सरसाइज होती है, वहीं यह पेट को ठीक करता है.

सौंदर्य का साथी

कई तरह के कॉस्मेटिक्स प्रोडक्ट्स बनाने में कॉर्न स्टार्च का प्रयोग किया जाता है. साथ ही, इसका प्रयोग त्वचा की जलन और रैशेस को कम करने के लिए भी किया जाता है. कैंसरकारी पेट्रोलियम उत्पाद जो कि कई तरह के कॉस्मेटिक्स को बनाने के लिए प्रयोग किया जाता रहा है अब इनके स्थान पर कॉर्न के उत्पाद का प्रयोग किया जाने लगा है.

सावधान कैल्शियम की कमी खतरनाक

हड्डियों और दांतों के लिए कैल्शियम जरूरी है. इसकी कमी ऑस्टियोपोरोसिस का कारण बन जाता है. सभी जानते हैं कि मजबूत हड्डियों और दांतों के लिए कैल्शियम जरूरी है. कैल्शियम कोलोन (मलाशय) से विषैली चीजों को बाहर निकालने में मदद करने के साथ ही यह हमारी तंत्रिका तंत्र के लिए भी जरूरी है. अगर किसी कारण में शरीर में कैल्शियम की कमी हो जाती है तो यह ऑस्टियोपोरोसिस का कारण बनता है. एक नये अध्ययन के अनुसार, इस आवश्यक मिनरल की कम मात्रा लेने से आपको हाइपर पैराथायराइडिज्म (पीएचपीटी) जो एक तरह की हार्मोनल कंडीशन है, हो सकती है. अगर समय रहते इसका इलाज न किया गया तो आपकी हड्डियों का कैल्शियम सूख सकता है. हार्वर्ड मेडिकल स्कूल के इस अध्ययन में पाया गया कि जो महिलाएं फल और सप्लीमेंट्स के जरिये ज्यादा कैल्शियम ग्रहण करती हैं उनमें पीएचपीटी, जो पैराथायराइड हार्मोन के अनियंत्रित रिसाव का कारण होता है, होने का खतरा कम हो जाता है. आप अपने भोजन और दूसरी सामग्री में कैल्शियम की मात्रा को थोड़ी सावधानी से बढ़ा सकते हैं

सॉफ्ट ड्रिंक कम - अत्यधिक मात्रा में फास्फोरस के कारण सॉफ्ट ड्रिंक्स शरीर के कैल्शियम ग्रहण करने की क्षमता में बाधा डालता है. साथ ही, पिज्जा, चिप्स या दूसरे सॉल्टी फूड्स के साथ सॉफ्ट ड्रिंक के सेवन से भी कैल्शियम अवशोषण में बाधा पहुंचती है क्योंकि इससे बढ़ा हुआ कैल्शियम यूरिन के जरिये नष्ट हो जाता है. साग-सब्जी का सेवन ब्रोकली, सलाद पत्ता, पत्ता गोभी और दूसरी पत्ते दार सब्जियां कैल्शियम का अच्छा स्रोत हैं लेकिन समस्या यह है कि हरी सब्जियों में पाया जाने वाला कैल्शियम डायट्री उत्पाद की तुलना में शरीर में आसानी से अवशोषित नहीं हो पाता क्योंकि इनमें केमिकल लगा होता है. हालांकि यह कोई बड़ा मुद्दा नहीं है कि आप अपनी डाइट में ज्यादा कैल्शियम नॉन डेयरी प्रोडक्ट्स से पाते हैं. इसके लिए आप कैल्शियम से भरपूर कॉम्बीनेशन जैसे पालक या सलाद पत्ता को तिल या बीन्स (जो कैल्शियम का बेहतर स्रोत है) और चीज के साथ ले सकते हैं. विटामिन-डी भी जरूरी हड्डियों की सेहत के लिए विटामिन-डी बेहद जरूरी है और इसका कैल्शियम के साथ सह-क्रियाशीलता का संबंध है.

धूप- विशेषज्ञों के अनुसार, सर्दियों के दौरान विटामिन-डी की कमी के कारण हम 2 से 4 प्रतिशत बोन डेन्सिटी खो देते हैं. इस बात का विरोध करते हुए कई एक्सपर्ट्स अब इस बात की सलाह देते हैं कि दिनभर में 15 मिनट धूप में बिताने से हमारे शरीर को विटामिन-डी को प्राकृतिक रूप से बनाने में मदद मिलती है.

कॉफी कम - कॉफी का अत्यधिक सेवन करने से कैल्शियम उत्सर्जन की दर बढ़ने के कारण हड्डियां कमजोर हो सकती हैं. इसलिए इस खतरे से बचने के लिए दिनभर में केवल दो कप कॉफी पियें. उच्च प्रोटीन से सावधान- जिनकी डाइट में एनीमल प्रोटीन ज्यादा होता है, वास्तव में उनकी हड्डियों से कैल्शियम का क्षरण होने लगता है. ऐसा इसलिए है, क्योंकि प्रोटीन ऐसे तत्वों को तोड़ता है जो एसिडिक होते हैं और हमारे शरीर में मौजूद कैल्शियम उन्हें जमा करता जाता है. अगर आप अत्यधिक रेड मीट और अंडे का सेवन करते हैं तो आपको ज्यादा मात्रा में कैल्शियम लेने की जरूरत है.

मधुमेह से बचना है तो जी भर कर सोएं

अगर आप भरपूर नींद लेते हैं तो आप में टाइप-2 मधुमेह होने का जोखिम काफी कम हो जाता है. यह एक नये अध्ययन में दावा किया गया है. लास ऐंजिलिस बायोमेडिकल रिसर्च इस्टीट्यूट के अनुसंधानकर्ताओं ने पाया कि सप्ताहांत में तीन रात की अच्छी नींद काफी हद तक इंसुलिन की सक्रियता बढा देती जिसके न बनने और शरीर पर उसकी प्रतिक्रिया नहीं होने से यह बीमारी होती. प्रमुख अनुसंधानकर्ता डा. पीटर लिउ ने बताया कि हम सभी जानते हैं कि पर्याप्त नींद जरूरी है लेकिन अधिक काम की वजह से समय नहीं निकाल पाते. हमारे अध्ययन में पाया गया कि नींद के घंटे बढा देने से शरीर के इंसुलिन का इस्तेमाल करने की क्षमता बढती है और प्रौढ व्यक्तियों में टाइप-2 मधुमेह का जोखिम कम हो जाता है. इंसुलिन किसी व्यक्ति के रक्त में शर्करा के स्तर को नियमित करने के लिये जिम्मेदार है. टाइप-2 मधुमेह के मरीज का शरीर उससे निकलने वाले इंसुलिन का कारगर ढंग से इस्तेमाल नहीं करता और इंसुलिन के प्रति प्रतिक्रिया नहीं करता. लिउ ने कहा कि अच्छी खबर है कि प्रौढ व्यक्ति जो अधिक काम की वजह से पर्याप्त नहीं सो पाते हैं वे अगर सोने के घंटे बढा दें तो यह जोखिम कम हो सकता है.

थायराइड से सबसे ज्यादा पीड़ित महिलाएं

थायराइड की बीमारी तेजी से बढ़ रही है. आंकड़ों की बात करें तो सवा चार करोड़ लोग देश में थायराइड की बीमारी से पीड़ित हैं. इनमें 80 प्रतिशत महिलाएं हैं. आश्चर्य की बात है कि 8-10 प्रतिशत मरीजों की पहचान हो सकी है. थायराइड बीमारी तीन प्रकार की होती है. थायराइड ग्रंथि से हार्मोन बनना बंद या कम हो जाय तो इसे हाइपोथायराइडिज्म कहते हैं जबकि थायराइड हार्मोन की मात्रा अधिक बनने लगती है तो उसे हाइपरथायराइडिज्म कहते हैं. जबकि तीसरी बीमारी घेंघा है. हाइपोथायराइडिज्म के मरीजों की संख्या सबसे अधिक होती है.

क्या है थायराइड?

थायराइड एक इंडोक्राइन ग्रंथि होती है जो गर्दन के निचले हिस्से में एडमस एप्पल के ठीक नीचे होती है. इसका काम थायरोक्सिन हार्मोन बनाकर खून तक पहुंचाना है जिससे शरीर का मेटाबोलिज्म नियंत्रित रहे. शरीर में थायराइड हार्मोन की मात्रा कम हो जाय तो सुस्ती औरअधिक होने पर शारीरिक क्रियाएं तेज हो जाती हैं. थायराइड ग्रंथि का पिटयूटरी ग्रंथि से नियंत्रण होता है जबकि पिटयूटरी ग्रंथि हाइपोथेलमस से नियंत्रित होती है. हाइपोथायराइडिज्म में टीएसएच का स्तर बढ़ जाता है और टी3 व टी4 की मात्रा कम हो जाती है. हाइपरथायराइडिज्म में टीएसएच का स्तर घट और टी3 व टी4 की मात्रा बढ़ जाती है.

हाइपोथायराइडिज्म

लक्षण - हमेशा थकान महसूस होना. बिना कारण वजन बढ़ना. डिप्रेशन या अवसाद होना. हमेशा ठंड लगना. पेट में कब्ज बना रहना. अजीब तरह का दर्द महसूस होना. मासिक स्राव का अधिक होना. एकाग्रता की कमी होना. त्वचा और बाल रुखे हो जाना.

कारण - आयोडिन की कमी (एंडेमिक गोवाएटर) हशीमो टो थायरोडायटिस. सर्जरी या रेडियो आयोडिन थैरेपी के बाद. कुछ प्रकार की दवाइयों का सेवन.

हाइपरथायराइडिज्म

लक्षण - घबराहट या चिड़चिड़ा महसूस करना. अनियमित हृदय का धड़कना. गर्मी सहन न होना. हाथ में कंपन होना. अधिक पसीना आना. बिना कारण वजन कम होना. नींद न आना. थायराइड ग्रंथि का बढ़ना (घेंघा). मासिक स्राव का कम होना. प्रजनन शक्ति क्षीण होना.

कारण - ग्रेव डिजीज. टॉक्सिक मल्टी नोडल गोवाएटर. टॉक्सिक एडिनोमा. अधिक मात्रा में हार्मोन की गोली का सेवन.

इलाज - थायराइड की बीमारियों का इलाज बीमारी के प्रकार पर निर्भर करता है. हाइपोथायराइडिज्म में मरीज का इलाज सप्लीमेंट्री थैरेपी से किया जाता है. इसमें थायराइड के हार्मोन (थायरोक्सिन हार्मोन) बाहर से दिया जाता है. हाइपरथायराइडिज्म का इलाज तीन विधि से किया जाता है. पहली विधि में एंटी थायराइड ड्रग्स दी जाती है. दूसरी विधि में रेडियो एक्टिव आयोडिन से ग्रंथि को नियंत्रित किया जाता है जिसे रेडियो आयोडिन थैरेपी कहते हैं. तीसरी विधि में सर्जरी करके इलाज किया जाता है. वहीं घेंघा का एक मात्र इलाज ऑपरेशन होता है. बचाव थायराइड की बीमारी से बचाव के लिए अभी तक डॉक्टर आयोडिन युक्त नमक के सेवन की सलाह देते हैं जिससे शरीर में आयोडिन की मात्रा संतुलित रहे, थायराइड की बीमारियां न हो.

थायराइड ग्रंथि का आकार बढ़ने से होता है घेंघा

थायराइड ग्रंथि का आकार बढ़ने को ही घेंघा कहते हैं. इसमें थायराइड ग्रंथि बढ़कर गले के सामने की ओर गांठ के रूप में दिखाई देने लगती है. इसमें दर्द नहीं होता है. घेंघा के बढ़ने से सांस की नली, खाने की नली और आवाज की नस पर दबाव पड़ता है. घेंघा छाती के अंदर भी जा सकता है. घेंघा के बारे में लोगों की सोच होती है कि इससे शरीर पर कोई नुकसान नहीं होता है लेकिन कई बार देखा गया है घेंघा कैंसर में बदल जाता है. मरीज की जान पर बन आती है. थायराइड ग्रंथि में कई प्रकार के कैंसर होते हैं. इनमें पेपीलेरी थायराइड कैंसर, फोलीक्यू लर थायराइड कैंसर, मे ड्यूले री थायराइड कैंसर और अनॉप्लास्टिक थायराइड कैंसर शामिल है.

घेंघा में थायराइड कैंसर के लक्षण

अचानक कम उम्र में घेंघा का होना. पुराना घेंघा का अचानक से बढ़ना. घेंघा के साथ खाना निगलने में परेशानी होना. घेंघा होने पर सूखी खांसी के साथ खून आना. घेंघा के साथ गले के बगल में गांठ का बनना. घेंघा के साथ आवाज में परिवर्तन या भारी पड़ना.